Disha PYQs JEET Pakki

3X MORE Powerful

Read & Recommended by UPSC 2023 Toppers

ANIMESH PRADHAN AIR 2 | PK Sidharth Ram Kumar AIR 4 | AISHWARYAM PRAJAPATI AIR 10 | KUNAL RASTOGI AIR 15

Errorless

30 CIVIL SERVICES

Topic-wise यूपीएससी आईएएस प्रारंभिक परीक्षा

विगत् वर्षों के सॉल्वड पेपर 1 तथा 2 (1995-2024)

Win Rewards Worth ₹ 1 CRORE look inside for details

SAMPLE

Mrunal Patel

14th Edition

GS Paper 1	43 Topics	3560 MCQs
CSAT Paper 2	9 Topics	1360 MCQs
रणनीति एवं योजना स्रोत	आईएएस मुख्य परीक्षा पेपर्स हल रहित 2013-2023	

Answer Keys validated with UPSC till 2023

DISHA™ Publication Inc

DISHA Publication Inc.
A-23 FIEE Complex, Okhla Phase II
New Delhi-110020
Tel: 49842349/ 49842350

© Copyright DISHA Publication Inc.

All Rights Reserved. No part of this publication may be reproduced in any form without prior permission of the publisher. The author and the publisher do not take any legal responsibility for any errors or misrepresentations that might have crept in.
We have tried and made our best efforts to provide accurate up-to-date information in this book.

Typeset By
DISHA DTP Team

Sahi Disha Ki Ore

Disha's SOCIAL INITIATIVE
to make the world a better place.

Scan the code to be a part of the change.

Follow and join us.

1. Disha uses 100% Recycled Paper in all its books
2. In a thoughtful partnership with the SankalpTaru Foundation, Disha plants trees with every unique book it prints

Buying Books from Disha is always Rewarding

This time we are appreciating your writing Creativity.
Write a review of the product you purchased on Amazon/Flipkart

Take a screen shot / Photo of that review

Scan this QR Code ➔
Fill Details and submit | That's it … Hold tight n wait.
At the end of the month, you will get a surprise gift from Disha Publication

Scan this QR code

Write To Us At
feedback_disha@aiets.co.in

www.dishapublication.com

DISHA™ Publication Inc

Free Sample Contents

भारत का इतिहास

1. प्राचीन भारत

राजव्यवस्था एवं सुशासन

1. संविधान एवं राजनीतिक तंत्र

This sample book is prepared from the book **"30 Topic-wise UPSC Civil Services IAS Prarambhik Previous Varsh Solved Papers 1 & 2 (1995 - 2024) 14th Edition | Samanya Adhyayan (General Studies) & Aptitude (CSAT) Prelim PYQs Past Years".**

ISBN - 978-9362259974

MRP- 850/-

In case you like this content, you can buy the **Physical Book** or **E-book** using the ISBN provided above.

The book & e-book are available on all leading online stores.

विषय सूची

प्रस्तावना

Part I : रणनीति एवं योजना स्रोत

यूपीएससी – रणनीति एवं योजना
यूपीएससी – सी.एस.ई. हेतु विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण

Part II : सामान्य अध्ययन हल सहित पेपर–1

Unit A — भारत का इतिहास

1. प्राचीन भारत A-1-18
2. मध्यकालीन भारत A-19-32
3. आधुनिक भारत A-33-48
4. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन A-49-70

Unit B — भूगोल

1. भौतिक भूगोल B-1-20
2. विश्व का भूगोल B-21-30
3. भारत का भूगोल B-31-57
4. कृषि B-58-66

Unit C — राजव्यवस्था एवं सुशासन

1. संविधान एवं राजनीतिक तंत्र C-1-16
2. सरकार एवं प्रशासन (भारत एवं विश्व) C-17-37
3. पंचायती राज एवं लोकनीति C-38-42
4. न्यायिक एवं अधिकार संबंधी मुद्दे C-43-52

Unit D — आर्थिक एवं सामाजिक विकास

1. भारतीय अर्थव्यवस्था का ढाँचा D-1-15
2. योजना एवं आर्थिक विकास D-16-39
3. राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था एवं कृषि D-40-45
4. भारतीय उद्योग D-46-55
5. भारतीय अर्थव्यवस्था का तृतीयक क्षेत्र D-56-66

Unit E — सामान्य विज्ञान एवं पारिस्थितिकी

1. भौतिक विज्ञान E-1-16
2. रसायन विज्ञान E-17-29
3. जीव विज्ञान E-30-54
4. पारिस्थितिकी, जैव-विविधता एवं जलवायु परिवर्तन E-55-86
5. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी E-87-106

विषय सूची

Unit F

सामान्य ज्ञान

1. विश्व परिदृश्य F-1-21
2. भारतीय परिदृश्य F-22-40
3. खेलकूद F-41-44

Unit G

समसामयिकी

1. अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम G-1-19
2. राष्ट्रीय घटनाक्रम G-20-39
3. खेलकूद G-40-42

Part III : अभिक्षमता (CSAT) हल सहित पेपर-2

Unit H

बौद्धिक क्षमता तथा प्रबंधन क्षमता

1. तार्किक क्षमता, समस्या समाधान तथा विश्लेषणात्मक क्षमता H-1-52
2. अंकगणित H-53-93
3. ज्यामिति एवं क्षेत्रमिति H-94-103
4. क्रमचय, संयोजन एवं प्रायिकता H-104-118
5. समय, दूरी और कार्य H-119-130
6. आँकड़ों का विश्लेषण H-131-142
7. परिच्छेद H-143-231
8. अंग्रेजी भाषा (लेखांश) H-232-235
9. अंतर्वैयक्तिक प्रश्न तथा निर्णय क्षमता H-236-240

Part IV : आईएएस मुख्य परीक्षा पेपर्स हल रहित 2013-2023

Unit I

आईएएस मुख्य परीक्षा

1. यूपीएससी मुख्य परीक्षा हल निबंध I-1-4
2. टॉपिक-वाइज मुख्य परीक्षा सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र (2013-2023) I-5-46
सा.अ. मुख्य परीक्षा प्रश्न प्रारूप विश्लेषण

Latest Updates for UPSC Exams

Scan QR Code OR Visit

https://bit.ly/ticket_to_ias

1 प्राचीन भारत

1. हिन्द (भारत) की जनता के सन्दर्भ में 'हिन्दू' शब्द का प्रथम बार प्रयोग किया था: **[1995]**
(a) यूनानियों ने (b) रोमवासियों ने
(c) चीनियों ने (d) अरबों ने

2. निम्नलिखित में कौन-सी वह ब्रह्मवादिनी थी जिसने कुछ वेद मन्त्रों की रचना की थी? **[1995]**
(a) लोपामुद्रा (b) गार्गी (c) लीलावती (d) सावित्री

3. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिये हुए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए: **[1995]**

सूची-I (संवत्सर)	सूची-II (किसी समय से गणना)
A. विक्रम संवत्सर	1. 3102 ई. पू.
B. शक संवत्सर	2. 320 ई.
C. गुप्त संवत्सर	3. 78 ई.
D. कलि संवत्सर	4. 58 ई.पू.
	5. 248 ई.

कूट:

	A	B	C	D
(a)	2	4	5	1
(b)	1	3	2	4
(c)	4	5	2	3
(d)	4	3	2	1

4. गुप्त काल में लिखित संस्कृत नाटकों में स्त्री और शुद्र बोलते हैं: **[1995]**
(a) संस्कृत (b) प्राकृत (c) पालि (d) सौरसेनी

5. अशोक का अपने शिलालेखों में सामान्यत: जिस नाम से उल्लेख हुआ है, वह है– **[1995]**
(a) चक्रवर्ती (b) धर्मदेव (c) धर्मकीर्ति (d) प्रियदर्शी

6. प्राचीन संस्कृत ग्रन्थों में प्राप्त 'यवनप्रिय' शब्द द्योतक था: **[1995]**
(a) एक प्रकार की उत्कृष्ट भारतीय मलमल का
(b) हाथी दाँत का
(c) नृत्य के लिए यवन राजसभा में भेजी जाने वाली नर्तकियों का
(d) कालीमिर्च का

7. अणुव्रत सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था: **[1995]**
(a) महायान बौद्ध सम्प्रदाय ने (b) हीनयान बौद्ध सम्प्रदाय ने
(c) जैन धर्म ने (d) लोकायत शाखा ने

8. दर्शन की मीमांसा प्रणाली के अनुसार, मुक्ति निम्नलिखित में से किन साधनों से संभव है? **[1995]**
(a) ज्ञान (b) भक्ति (c) योग (d) कर्म

9. चोल काल के दौरान नटराज की कांस्य प्रतिमा, देवता को निरपवाद रूप से निम्नलिखित के साथ दिखाती है: **[1995]**
(a) आठ हाथ (b) छह हाथ (c) चार हाथ (d) दो हाथ

10. प्राचीन भारत के विश्वोत्पत्ति (Cosmogonic) विषयक धारणाओं के अनुसार चार युगों के चक्र का क्रम इस प्रकार है: **[1996]**
(a) द्वापर, कृत, त्रेता और कलि (b) कृत, द्वापर, त्रेता और कलि
(c) कृत, त्रेता, द्वापर और कलि (d) त्रेता, द्वापर, कलि और कृत

11. देवदासी संस्था के प्रसंग में निम्नलिखित में से कौन-सा मन्दिर समाचारों में चर्चित रहा है? **[1996]**
(a) जगन्नाथ मन्दिर, पुरी (b) पशुपतिनाथ मन्दिर, काठमाण्डू
(c) कन्दरिया महादेव मन्दिर, खजुराहो
(d) चौसठ योगिनी मन्दिर, भेड़ाघाट

12. आरम्भिक वैदिक साहित्य में सर्वाधिक वर्णित नदी है: **[1996]**
(a) सिन्धु (b) शुतुद्री (c) सरस्वती (d) गंगा

13. निम्नलिखित में से कौन-सा आरम्भिक जैन साहित्य का भाग नहीं है? **[1996]**
(a) थेरीगाथा (b) आचारांगसूत्र
(c) सूत्रकृतांग (d) वृहत्कल्पसूत्र

14. निम्नलिखित में से कौन-से तथ्य बौद्ध धर्म और जैन धर्म दोनों में समान रूप से विद्यमान थे? **[1996]**
1 तप और भोग की अति का परिहार 2. वेद प्रामाण्य के प्रति अनास्था
3. कर्मकाण्डों की फलता का निषेध 4. प्राणियों की हिंसा का निषेध (अहिंसा)
नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए:
कूट:
(a) 1, 2, 3 और 4 (b) 2, 3 और 4 (c) 1, 3 और 4 (d) 1 और 2

15. प्राचीन भारतीय समाज के प्रसंग में निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द शेष तीन के वर्ग का नहीं है? **[1996]**
(a) कुल (b) वंश (c) कोश (d) गोत्र

16. निम्नलिखित में से कौन गुप्तकाल में अपनी आयुर्विज्ञान विषयक रचना के लिए जाना जाता है? **[1996]**
(a) सौमिल्ल (b) शुद्रक (c) शौनक (d) सुश्रुत

17. निम्नलिखित में से किस मूर्तिकला में सदैव हरित स्तरित चट्टान (शिस्ट) का प्रयोग माध्यम के रूप में होता था? **[1996]**
(a) मौर्य मूर्तिकला (b) मथुरा मूर्तिकला
(c) भरहुत मूर्तिकला (d) गान्धार मूर्तिकला

18. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए: **[1996]**

सूची-I	सूची-II	सूची-I	सूची-II
A. विशाखदत्त	1. चिकित्सा	B. वराहमिहिर	2. नाटक
C. चरक	3. खगोल विज्ञान	D. ब्रह्मगुप्त	4. गणित

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	2
(b)	2	1	3	4
(c)	2	3	1	4
(d)	3	4	1	2

19. प्राचीन भारत के निम्नलिखित ग्रन्थों में से किसमें पति द्वारा परित्यक्त पत्नी के लिए विवाह विच्छेद की अनुमति दी गई है? **[1996]**
(a) कामसूत्र (b) मानवधर्म शास्त्र
(c) शुक्र नीतिसार (d) अर्थशास्त्र

20. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए: **[1996]**

सूची-I	सूची-II	सूची-I	सूची-II
A. गुप्त	1. बादामी	B. चन्देल	2. पनमलै
C. चालुक्य	3. खजुराहा	D. पल्लव	4. देवगढ़

कूट:

	A	B	C	D
(a)	4	3	1	2
(b)	4	2	3	1
(c)	2	3	4	1
(d)	3	4	1	2

21. निम्नलिखित वक्तव्यों में कौन-सा एक वक्तव्य अशोक के प्रस्तर स्तम्भों के बारे में गलत है? **[1996]**
(a) इन पर बढ़िया पॉलिश है (b) यह अखण्ड है
(c) स्तम्भों का शॉफ्ट शुण्डाकार है (d) ये स्थापत्य संरचना के भाग हैं

DISHA Publication Inc

22. प्राचीन भारत में निम्नलिखित में से कौन-सी एक लिपि दायीं ओर से बायीं ओर लिखी जाती थी? **[1996]**
(a) ब्राह्मी (b) देवनागरी (c) शारदा (d) खरोष्ठी

23. नचिकेता और यम के बीच सुप्रसिद्ध संवाद उल्लिखित है– **[1996]**
(a) छान्दोग्योपनिषद् में (b) मुण्डकोपनिषद् में
(c) कठोपनिषद् में (d) केनोपनिषद् में

24. 'मिलिन्दपन्हो' राजा मिलिन्द और किस बौद्ध भिक्षु के मध्य संवाद के रूप में है? **[1996]**
(a) नागसेन (b) नागार्जुन (c) नागभट्ट (d) कुमारिल भट्ट

25. निम्नलिखित में से किस एक राज्यादेश में अशोक के व्यक्तिगत नाम का उल्लेख मिलता है? **[1996]**
(a) कालसी (b) रूम्मिनदेई
(c) विशिष्ट कलिंग राज्यादेश (d) मास्की

26. निम्नलिखित मानचित्र में प्राचीन भारत में पाये जाने वाले सोलह महाजनपदों में से चार दर्शाए गए हैं क्रमश: A, B, C, D द्वारा अँकित स्थल कौन-से हैं? **[1996]**

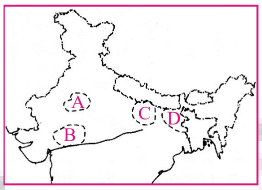

(a) मत्स्य, चेदि, कोसल, अंग
(b) सूरसेन, अवन्ति, वत्स, मगध
(c) मत्स्य, अवन्ति, वत्स, अंग
(d) सूरसेन, चेदि, कोसल, मगध

27. महायान बौद्ध धर्म में बोधिसत्व अवलोकितेश्वर को और किस अन्य नाम से जानते हैं? **[1996]**
(a) वज्रपाणि (b) मंजुश्री (c) पद्मपाणि (d) मैत्रेय

28. गुप्त शासकों द्वारा जारी किए गए चाँदी के सिक्के कहलाते थे: **[1996]**
(a) रूपक (b) कार्षापण (c) दीनार (d) पण

29. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए: **[1996]**

सूची-I (ग्रन्थाकार)	सूची-II (मूलग्रन्थ)
A. वराहमिहिर	1. प्रबन्ध चिन्तामणि
B. विशाखदत्त	2. मृच्छकटिकम्
C. शुद्रक	3. वृहत्-संहिता
D. विल्हण	4. देवीचन्द्रगुप्तम
	5. विक्रमांकदेवचरित

कूट:

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	3	4	5	2	(b)	3	4	2	5
(c)	5	3	4	1	(d)	1	3	5	2

30. निम्नलिखित में से कौन-सा प्राचीन भारत में व्यापारियों का निगम था?
(a) चतुर्वेदीमंगलम (b) परिषद (c) अष्टदिग्गज (d) मणिग्राम **[1996]**

31. पुलकेशिन-प्रथम बादामी शिलालेख शकवर्ष 465 का दिनांकित है। यदि इसे विक्रम संवत् में दिनांकित करना हो तो वर्ष होगा: **[1996]**
(a) 601 (b) 300 (c) 330 (d) 407

32. यूनानी, कुषाण एवं शकों में से कई ने हिन्दू धर्म के स्थान पर बौद्ध को अपनाया, क्योंकि: **[1998]**
(a) बौद्ध धर्म का उस समय प्रभुत्व था
(b) उन्होंने युद्ध और हिंसा की नीति का परित्याग कर दिया था
(c) जाति प्रथा से अभिभूत हिन्दू धर्म की ओर वे आकर्षित नहीं हुए
(d) बौद्ध धर्म के माध्यम से भारतीय समाज तक पहुँच अधिक आसान था।

33. अशोक के जो प्रमुख शिलालेख (Rock Edicts) संगम राज्य के विषय में हमें बताते हैं, उनमें सम्मिलित हैं: **[1998]**
(a) पहला और दसवाँ शिलालेख (b) पहला और ग्यारहवाँ शिलालेख
(c) दूसरा और तेरहवाँ शिलालेख (d) दूसरा और चौदहवाँ शिलालेख

34. निम्नलिखित युग्मों में से सही सुमेलित हैं: **[1998]**
1. मृच्छकटिकम् – शुद्रक 2. बुद्धचरित – वसुवन्धु
3. मुद्राराक्षस – विशाखदत्त 4. हर्षचरित – बाणभट्ट
नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
(a) 1, 2, 3 और 4 (b) 1, 3 और 4 (c) 1 और 4 (d) 2 और 3

35. भारत में निम्नलिखित के आने का सही कालानुक्रम क्या है?
1. सोने के सिक्के 2. आहत मुद्रा चाँदी के सिक्के
3. लोहे का हल 4. नगर संस्कृति
नीचे दिए गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए: **[1998]**
(a) 3, 4, 1, 2 (b) 3, 4, 2, 1 (c) 4, 3, 1, 2 (d) 4, 3, 2, 1

36. इस प्रश्न में दो वक्तव्य हैं एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है, इन दोनों वक्तव्यों का सावधानीपूर्वक परीक्षण कर इन प्रश्नों का उत्तर नीचे दिए हुए कूट की सहायता से चुनिए:
कथन (A): अशोक के राजादेशों के अनुसार धार्मिक निष्ठा की अपेक्षा जनता के मध्य सामाजिक समरसता अधिक महत्त्वपूर्ण थी।
कारण (R): उसने धर्म संवर्धन के स्थान पर समदृष्टि के विचारों का प्रसार किया। **[1998]**
कूट: (a) A और R दोनों सही है, और R, A का सही स्पष्टीकरण है
(b) A और R दोनों सही है, परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) A सही है, परन्तु R गलत है
(d) A गलत है, परन्तु R सही है

37. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं? **[1998]**
1. लोथल : प्राचीन गोदी क्षेत्र
2. सारनाथ : बुद्ध का प्रथम धर्मोपदेश
3. राजगीर : अशोक का सिंह स्तम्भ शीर्ष
4. नालन्दा : बौद्ध अधिगम का महान् पीठ
नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
कूट:
(a) 1, 2, 3 और 4 (b) 3 और 4 (c) 1, 2 और 4 (d) 1 और 2

38. निम्नलिखित प्राचीन भारतीय अभिलेखों में से कौन-से एक में खाद्यान्न को देश में संकटकाल में उपयोग हेतु सुरक्षित रखने के बारे में प्राचीनतम शाही आदेश है? **[1998]**
(a) सोहगौरा ताम्रपत्र (b) अशोक का रुम्मिनदेई स्तम्भ-लेख
(c) प्रयाग प्रशस्ति (d) चन्द्र का महरौली स्तम्भ शिलालेख

39. अष्टांग मार्ग की संकल्पना अंग है: **[1998]**
(a) दीपवंश की विषय वस्तु का (b) दिव्यावदान की विषय वस्तु का
(c) महापरिनिर्वाण की विषय वस्तु का
(d) धर्मचक्र प्रवर्तन सुत की विषय वस्तु का

40. दिया गया मानचित्र सम्बन्धित है: **[1998]**

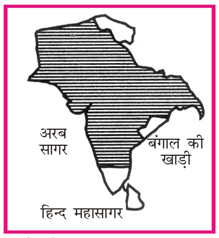

(a) कनिष्क से, उसकी मृत्यु के समय
(b) समुद्रगुप्त से, उसके दक्षिण भारत अभियान के उपरान्त
(c) अशोक से, उसके शासनकाल के अन्तिम समय
(d) हर्ष के राज्यारोहण के अवसर पर थानेश्वर के साम्राज्य से

41. ईसा की तीसरी शताब्दी में, जबकि हूण आक्रमण से रोमन साम्राज्य समाप्त हो गया, भारतीय व्यापारी अधिकाधिक निर्भर हो गये:
(a) अफ्रीकी व्यापार पर **[1999]**
(b) पश्चिमी यूरोपीय व्यापार पर
(c) दक्षिण-पूर्व एशियाई व्यापार पर
(d) मध्य पूर्वी व्यापार पर

42. निम्नलिखित व्यक्ति भारत में किसी न किसी समय आए? **[1999]**
1. फाह्यान 2. इत्सिंग 3. मेगस्थनीज
4. ह्वेनसांग इनके आगमन का सही कालानुक्रम है:
(a) 3, 1, 2, 4 (b) 3, 1, 4, 2 (c) 1, 3, 2, 4 (d) 1, 3, 4, 2

43. निम्नलिखित में से कौन-सा एक ईसा पूर्व छठी शताब्दी में प्रारम्भ में भारत का सर्वाधिक शक्तिशाली नगर राज्य था? **[1999]**
(a) गन्धार (b) कम्बोज (c) काशी (d) मगध

44. ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी के प्रारम्भ में उत्तरी अफगानिस्तान में स्थापित भारत यूनानी राज्य था: **[1999]**
(a) बैक्ट्रिया (b) सीथिया (c) जेडरेसिया (d) आरिया

45. 'आर्य' शब्द इंगित करता है: **[1999]**
(a) नृजाति समूह को (b) यायावरी जन को
(c) भाषा समूह को (d) श्रेष्ठ वंश को

46. गुप्त काल में उत्तर भारतीय व्यापार निम्नलिखित में से किस एक पत्तन से संचालित होता था? **[1999]**
(a) ताम्रलिप्ति (b) भड़ौच (c) कल्याण (d) कैम्बे

47. **कथन (A):** पाण्डिनेन किलकनक्कु समूह (Padinen Kilukanakku Group) की अहम (Aham) एवं पुरम (Puram) कविताएँ संगम रचनाओं का अनवर्तन हैं।
कारण (R): उन्हें प्रमुख संगम (Sangam) रचनाओं के विपरीत उत्तर संगम रचनाओं में सम्मिलित किया गया। **[2000]**
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए
(a) A और R दोनों सही है, तथा R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही है, किन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, किन्तु R गलत है
(d) A गलत है, किन्तु R सही है

48. **कथन (A):** जैन धर्म के अहिंसा पर बल ने कृषकों को जैन धर्म अपनाने से रोका।
कारण (R): कृषि में कीटों एवं पीड़कों की हत्या होना शामिल है।
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए– **[2000]**
(a) A तथा R दोनों सही है, तथा R, A की सही व्याख्या है
(b) A तथा R दोनों सही है, किन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, किन्तु R गलत है
(d) A गलत है, किन्तु R सही है

49. **कथन (A):** प्राचीन भारत में सामन्ती व्यवस्था (Feudal system) का अभ्युदय सैनिक अभियानों में देखा जा सकता है।
कारण (R): गुप्तकाल में सामन्ती व्यवस्था का पर्याप्त विस्तार हुआ।
उपरोक्त के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन एक सही है? **[2000]**
(a) A और R दोनों सही है, और A की सही व्याख्या R है
(b) A और R दोनों सही है, किन्तु A की सही व्याख्या R नहीं है
(c) A सही है, किन्तु R गलत है
(d) A गलत है, किन्तु R सही है

50. **कथन (A):** अशोक ने कलिंग को मौर्य साम्राज्य में जोड़ लिया।
कारण (R): कलिंग दक्षिण भारत से आने वाले स्थलीय एवं समुद्री मार्गों को नियन्त्रित करता था। **[2000]**
(a) A और R दोनों ही सही है, तथा R, A की सही व्याख्या करता है
(b) A और R दोनों सही है, किन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है
(c) A सही है, जबकि R गलत है (d) A गलत है, जबकि R सही है

51. भारत में प्रथम बार सैनिक शासन (Military Governorship) व्यवहार में लाया गया: **[2000]**
(a) ग्रीकों द्वारा (b) शकों द्वारा (c) पार्थियनों द्वारा (d) मुगलों द्वारा

52. सिकन्दर के हमले के समय उत्तर भारत पर निम्नलिखित राजवंशों में से किस एक का शासन था? **[2000]**
(a) नन्द (b) मौर्य (c) शुंग (d) कण्व

53. होयसल स्मारक (Hoysala monuments) पाये जाते हैं: **[2001]**
(a) हम्पी और हेलिबिड में (b) हेलिबिड और बेलूर में
(c) मैसूर और बैंगलूर में (d) शृंगेरी और धारवाड़ में

54. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा एक सही समेलित है? **[2001]**
(a) हड़प्पा सभ्यता – चित्रित धूसर मृद्भाण्ड
(b) कुषाण – गंधार कला शैली
(c) मुगल – अजंता चित्रकारी
(d) मराठा – पहाड़ी चित्र शैली

55. **कथन (A):** हर्षवर्द्धन ने प्रयाग संसद आयोजित की थी।
कारण (R): वह बौद्ध धर्म की केवल महायान शाखा को लोकप्रिय बनाना चाहता था। **[2001]**
(a) A और R दोनों सही है तथा R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही है, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, किन्तु R गलत है
(d) A गलत है, किन्तु R सही है

56. चोल राजाओं में किस एक ने सीलोन (Ceylon) पर विजय प्राप्त की थी? **[2001]**
(a) आदित्य प्रथम (b) राजराजा प्रथम
(c) राजेन्द्र (d) विजयालय

57. कश्मीर में कनिष्क के शासनकाल में जो बौद्ध संगीति आयोजित हुई थी उसकी अध्यक्षता निम्नलिखित में से किसने की थी? **[2001]**
(a) पार्श्व (b) नागार्जुन (c) शूद्रक (d) वसुमित्र

58. निम्नलिखित पशुओं में से किस एक का हड़प्पा संस्कृति में मिली मुहरों और टेराकोटा कलाकृतियों में निरूपण (Representation) नहीं हुआ था? **[2001]**
(a) गाय (b) हाथी
(c) गैंडा (d) बाघ

59. सूची-I (प्राचीन स्थल) को सूची II (पुरात्वीय खोज) के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए: **[2002]**

सूची-I (प्राचीन स्थल)	सूची-II (पुरात्वीय खोज)
A. लोथल	1. जुता हुआ खेत
B. कालीबंगन	2. गोदी-बाड़ा
C. धौलावीरा	3. पक्की मिट्टी की बनी हुई हल की प्रतिकृति
D. बनवाली	4. हड़प्पन लिपि के बड़े आकार के दस चिह्नों वाला एक शिलालेख

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	1	2	4	3
(d)	2	1	3	4

60. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है? **[2002]**
(a) श्रवणबेलगोला स्थित गोमतेश्वर की प्रतिमा जैनियों के अन्तिम तीर्थंकर को दर्शाती है
(b) भारत का सबसे बड़ा बौद्ध मठ अरूणाचल प्रदेश में है
(c) खजुराहो के मन्दिर चन्देल राजाओं द्वारा बनवाए गए
(d) होयशलेश्वर मन्दिर शिव को समर्पित है

61. प्राचीन भारत के बौद्ध मठों में, पवरन नामक समारोह आयोजित किया जाता था जो: **[2002]**
(a) संघपरिनायक और धर्म तथा विनय विषयों पर एक-एक वक्ता को चुनने का अवसर होता था।
(b) वर्षा ऋतु के दौरान मठों में प्रवास के समय भिक्षुओं द्वारा किये गए अपराधों को स्वीकारोक्ति का अवसर होता था।
(c) किसी नए व्यक्ति को बौद्ध संघ में प्रवेश देने का समारोह होता था, जिसमें उसका सिर मुंडवा दिया जाता था और पीले वस्त्र दिये जाते थे।
(d) आषाढ़ की पूर्णिमा के अगले दिन बौद्ध भिक्षुओं के एकत्र होने का अवसर होता था जब वे वर्षा ऋतु के आगामी चार महीनों के लिए निश्चित आवास चुनते थे।

62. विशाखदत्त के प्राचीन भारतीय नाटक मुद्राराक्षस की विषय वस्तु है: **[2002]**
(a) प्राचीन हिन्दू अनुश्रुति के देवताओं और राक्षसों के बीच संघर्ष के बारे में
(b) एक आर्य राजकुमार और एक कबीली महिला की प्रेम कथा के बारे में
(c) दो आर्य कबीलों के बीच सत्ता के संघर्ष की कथा के बारे में
(d) चन्द्रगुप्त मौर्य के समय में राजदरबार की दुरभिसन्धियों के बारे में

DISHA Publication Inc

63. नर्मदा नदी पर सम्राट हर्ष के दक्षिणावर्ती आगमन को रोका: [2003]
(a) पुलकेशिन प्रथम ने (b) पुलकेशिन द्वितीय ने
(c) विक्रमादित्य प्रथम ने (d) विक्रमादित्य द्वितीय ने

64. निम्न कथनों पर विचार कीजिए:
1. चोलों ने पाण्ड्य तथा चेर शासकों को पराजित कर प्रायद्वीपीय भारत पर प्रारम्भिक मध्यकालीन समय में अपना प्रभुत्व स्थापित किया।
2. चोलों ने दक्षिण-पूर्वी एशिया के शैलेन्द्र साम्राज्य के विरुद्ध सैन्य चढ़ाई की तथा कुछ क्षेत्रों को जीता।
इन कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं? [2003]
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनों 1 और 2 (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

65. शूद्रक द्वारा लिखी हुई प्राचीन भारतीय पुस्तक 'मृच्छकटिकम्' का विषय था: [2003]
(a) एक धनी व्यापारी और एक गणिका की पुत्री की प्रेम-गाथा
(b) चन्द्रगुप्त द्वितीय की पश्चिम भारत के शक क्षत्रपों पर विजय
(c) समुद्रगुप्त के सैन्य अभियान तथा शौर्यपूर्ण कार्य
(d) गुप्त राजवंश के एक राजा तथा कामरूप की राजकुमारी की प्रेम-गाथा

66. निम्न कथनों पर विचार कीजिए: [2003]
1. वर्धमान महावीर की माता लिच्छवि के मुखिया चेतक की पुत्री थी।
2. गौतम बुद्ध की माता कोशल राजवंश की राजकुमारी थी।
3. 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ बनारस से थे।
इन कथनों में कौन-सा सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

67. निम्न कथनों पर विचार कीजिए: [2003]
1. अन्तिम मौर्य शासक बृहद्रथ की हत्या उसके प्रधान सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने की थी।
2. अन्तिम शुंग राजा देवभूति की हत्या उसके ब्राह्मण मन्त्री वासुदेव कण्व ने की और उसके राजसिंहासन को हथिया लिया।
3. आन्ध्र ने कण्व राजवंश के अन्तिम शासक को पदवंचित किया था।
इन कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) 1 और 2 (b) केवल 2 (c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

68. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: [2004]
1. चीनी तीर्थयात्री फाह्यान ने कनिष्क द्वारा आयोजित की गई चतुर्थ महान् बौद्ध परिषद् (Fourth Buddhist Council) में भाग लिया।
2. चीनी तीर्थयात्री ह्वेनसांग, हर्ष से मिला और उसे बौद्ध धर्म का प्रतिरोधी (Antagonist) पाया।
उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

69. प्राचीन जैन धर्म के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक सही है? [2004]
(a) स्थलबाहु के नेतृत्व में दक्षिण भारत में जैन धर्म का प्रचार हुआ।
(b) पाटलिपुत्र में हुई परिषद् के पश्चात् जो जैन धर्म के लोग भद्रबाहु के नेतृत्व में रहे, वे श्वेताम्बर कहलाए
(c) प्रथम शतक ई. पू. में जैन धर्म को कलिंग के राजा खारवेल का समर्थन मिला
(d) बौद्धों के विपरीत, जैन धर्म की प्रारम्भिक अवस्था में, जैन धर्म के लोग चित्रों का पूजन करते थे

70. निम्नलिखित चार वेदों में से किस एक में जादुई माया और वशीकरण (Magical charm and spells) का वर्णन है? [2004]
(a) ऋग्वेद (b) यजुर्वेद (c) अथर्ववेद (d) सामवेद

71. निम्नलिखित में से कौन-सा एक अन्य तीनों के समसामयिक (Contemporary) नहीं था? [2005]
(a) बिम्बिसार (b) गौतम बुद्ध
(c) मिलिन्द (d) प्रसेनजीत

72. निम्नलिखित में से किसने राष्ट्रकूट साम्राज्य की नींव रखी? [2006]
(a) अमोघवर्ष प्रथम (b) दन्तिदुर्ग
(c) ध्रुव (d) कृष्ण

73. प्राचीन नगर तक्षशिला निम्नलिखित में से किनके बीच स्थित था?
(a) सिन्धु तथा झेलम (b) झेलम तथा चिनाब [2006]
(c) चिनाब तथा रावी (d) रावी तथा व्यास

74. प्राचीन काल के भारत पर आक्रामकों के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही कालानुक्रम है? [2006]
(a) यूनानी - शक - कुषाण (b) यूनानी - कुषाण - शक
(c) शक - यूनानी - कुषाण (d) शक - कुषाण - यूनानी

75. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: [2006]
1. दक्षिण भारत के इक्ष्वाकु शासक बौद्धमत के विरोधात्मक थे।
2. पूर्वी भारत के पाल शासक बौद्धमत के समर्थक थे।
उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनों 1 और 2 (d) न ही 1 और न ही 2

76. इलाहाबाद स्तम्भ शिलालेख निम्नलिखित में से एक से सम्बद्ध है?
(a) महापद्म नन्द (b) चन्द्रगुप्त मौर्य [2006]
(c) अशोक (d) समुद्रगुप्त

77. बौधायन प्रमेय (बौधायन शुल्व सूत्र) किससे सम्बन्धित है? [2008]
(a) समकोण त्रिभुज की भुजाओं की लम्बाइयाँ
(b) Pi के मान की गणना (c) लघुगणकीय गणनाएँ
(d) प्रसामान्य बण्टन वक्र

78. अनेकान्तवाद निम्नलिखित में से किसका क्रोड सिद्धान्त एवं दर्शन है?
(a) बौद्ध मत (Buddhism) (b) जैन मत (Jainism) [2009]
(c) सिख मत (Sikhism) (d) वैष्णव मत (Vaishnavism)

79. प्राचीन भारत में गुप्त काल से सम्बन्धित गुफा चित्रांकन के केवल दो उदाहरण उपलब्ध हैं। इनमें से एक अजन्ता की गुफाओं में किया गया चित्रांकन है। गुप्त काल के चित्रांकन का दूसरा अवशिष्ट उदाहरण किस स्थान पर उपलब्ध है?
(a) बाघ गुफाएँ (b) एलोरा गुफाएँ [2010]
(c) लोमस ऋषि गुफा (d) नासिक गुफाएँ

80. भारत ने दक्षिण-पूर्वी एशिया के साथ अपने आरंभिक सांस्कृतिक संपर्क तथा व्यापारिक संबंध बंगाल की खाड़ी के पार बना रखे थे। निम्नलिखित में से कौन-सी बंगाल की खाड़ी के इस उत्कृष्ट आरंभिक समुद्री इतिहास की सबसे विश्वसनीय व्याख्या/व्याख्याएँ हो सकती है/हैं? [2011-I]
(a) प्राचीन काल तथा मध्य काल में भारत के पास दूसरों की तुलना में अति उत्तम पोत-निर्माण तकनीकी उपलब्ध थी।
(b) इस उद्देश्य के लिए दक्षिण भारतीय शासकों ने व्यापारियों, ब्राह्मण पुजारियों और बौद्ध भिक्षुओं को सदा संरक्षण दिया।
(c) बंगाल की खाड़ी में चलने वाली मानसूनी हवाओं ने समुद्री यात्राओं को सुगम बना दिया था।
(d) इस संबंध में (a) तथा (b) दोनों विश्वसनीय व्याख्याएँ हैं।

81. जैन दर्शन के अनुसार सृष्टि की रचना एवं पालन-पोषण [2011-I]
(a) सार्वभौमिक विधान से हुआ है
(b) सार्वभौमिक सत्य से हुआ है
(c) सार्वभौमिक आस्था से हुआ है
(d) सार्वभौमिक आत्मा से हुआ है

82. सिंधु घाटी सभ्यता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह प्रमुखत: लौकिक सभ्यता थी तथा उसमें धार्मिक तत्व, यद्यपि उपस्थित था, वर्चस्वशाली नहीं था।
2. उस काल में भारत में कपास से वस्त्र बनाए जाते थे।
उपर्युक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं? [2011-I]
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

83. "धर्म" तथा "ऋत" भारत की प्राचीन वैदिक सभ्यता के एक केंद्रीय विचार को चित्रित करते हैं। इस संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. 'धर्म' व्यक्ति के दायित्वों एवं स्वयं तथा दूसरों के प्रति व्यक्तिगत कर्तव्यों की संकल्पना था। [2011-I]
2. 'ऋत' मूलभूत नैतिक विधान था, जो सृष्टि और उसमें अंतर्निहित सारे तत्वों के क्रियाकलापों को संचालित करता था।
उपर्युक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

84. प्राचीन कालीन भारत में हुई वैज्ञानिक प्रगति के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं? [2012-I]
1. प्रथम शती ईसवी में विभिन्न प्रकार के विशिष्ट शल्य औजारों का उपयोग आम था।
2. तीसरी शती ईसवी के आरम्भ में मानव शरीर के आन्तरिक अंगों का प्रत्यारोपण शुरू हो चुका था।
3. पाँचवीं शती ईसवी में कोण के ज्या का सिद्धान्त ज्ञात था।
4. सातवीं शती ईसवी में चक्रीय चतुर्भुज का सिद्धान्त ज्ञात था।
निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए :
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

85. प्राचीन भारतीय इतिहास के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से बौद्ध धर्म और जैन धर्म दोनों में समान रूप से विद्यमान था/थे?
1. तप और भोग की अति का परिहार [2012-I]
2. वेद-प्रामाण्य के प्रति अनास्था
3. कर्मकाण्डों की फलवत्ता का निषेध
निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए :
(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

86. नागर, द्राविड़ और वेसर हैं [1995, 2012 - I]
(a) भारतीय उपमहाद्वीप के तीन मुख्य जातीय समूह
(b) तीन मुख्य भाषा वर्ग, जिनमें भारत की भाषाओं को विभक्त किया जा सकता है
(c) भारतीय मन्दिर वास्तु की तीन मुख्य शैलियाँ
(d) भारत में प्रचलित तीन मुख्य संगीत घराने

87. भगवान बुद्ध की प्रतिमा कभी-कभी एक हस्त मुद्रा युक्त दिखाई गई है, जिसे 'भूमिस्पर्श मुद्रा' कहा जाता है। यह किसका प्रतीक है? [2012-I]
(a) मार पर दृष्टि रखने एवं अपने ध्यान में विघ्न डालने से मार को रोकने के लिए बुद्ध का धरती का आह्वान।
(b) मार के प्रलोभनों के बावजूद अपनी शुचिता और शुद्धता का साक्षी होने के लिए बुद्ध का धरती का आह्वान।
(c) बुद्ध का अपने अनुयायियों को स्मरण कराना कि वे सभी धरती से उत्पन्न होते हैं और अन्ततः धरती में विलीन हो जाते हैं, अतः जीवन संक्रमणशील है।
(d) इस सन्दर्भ में दोनों ही कथन (a) एवं (b) सही है।

88. पूर्व-वैदिक आर्यों का धर्म प्रमुखतः था [2012-I]
(a) भक्ति (b) मूर्तिपूजा और यज्ञ
(c) प्रकृति पूजा और यज्ञ (d) प्रकृति पूजा और भक्ति

89. प्राचीन भारत में देश की अर्थव्यवस्था में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली 'श्रेणी' संगठन के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं? [2012-I]
1. प्रत्येक 'श्रेणी' राज्य की एक केन्द्रीय प्राधिकरण के साथ पंजीकृत होती थी और प्रशासनिक स्तर पर राजा उनका प्रमुख होता था।
2. 'श्रेणी' ही वेतन, काम करने के नियमों, मानकों और कीमतों को सुनिश्चित करती थीं।
3. 'श्रेणी' का अपने सदस्यों पर न्यायिक अधिकार होता था।
निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए:
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

90. कुछ शैलकृत बौद्ध गुफाओं को चैत्य कहते हैं, जबकि अन्य को विहार। दोनों में क्या अन्तर है? [2013-I]
(a) विहार पूजा-स्थल होता है, जबकि चैत्य बौद्ध भिक्षुओं का निवास स्थान है
(b) चैत्य पूजा-स्थल होता है, जबकि विहार बौद्ध भिक्षुओं का निवास स्थान है
(c) चैत्य गुफा के दूर के सिरे पर स्तूप होता है, जबकि विहार गुफा पर अक्षीय कक्ष होता है
(d) दोनों में कोई वस्तुपरक अन्तर नहीं होता

91. भारत में दार्शनिक विचार के इतिहास के संदर्भ में, सांख्य दर्शन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें: [2013-I]
(1) सांख्य आत्मा के पुनर्जन्म या स्थानांतरण के सिद्धांत को स्वीकार नहीं करता है।
(2) सांख्य का मानना है कि यह आत्मज्ञान ही है जो मुक्ति की ओर ले जाता है और किसी बाहरी प्रभाव या घटक नहीं।
ऊपर दिये गए कथनों में से कौन-सा सही है / हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

92. निम्नलिखित में से कौन-सा एक बौद्ध मत में निर्वाण की अवधारणा की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या करता है? [2013-I]
(a) तृष्णारूपी अग्नि का शमन (b) स्वयं की पूर्णतः अस्तित्वहीनता
(c) परमानन्द एवं विश्राम की स्थिति (d) धारणातीत मानसिक अवस्था

93. निम्नलिखित में से कौन-सा/से लक्षण सिन्धु सभ्यता के लोगों का सही चित्रण करता है/करते हैं? [2013-I]
1. उनके विशाल महल और मन्दिर होते थे।
2. वे देवियों और देवताओं, दोनों की पूजा करते थे।
3. ये युद्ध में घोड़ों द्वारा खींचे गए रथों का प्रयोग करते थे।
नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही कथन/कथनों को चुनिए।
(a) 1 और 2 (b) केवल 2 (c) 1, 2 और 3
(d) उपर्युक्त कथनों में से कोई भी सही नहीं है

94. निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन जैन सिद्धान्त के अनुरूप है/हैं?
1. कर्म को विनष्ट करने का सुनिश्चित मार्ग तपश्चर्या है। [2013-I]
2. प्रत्येक वस्तु में, चाहे वह सूक्ष्मतम कण हो, आत्मा होती है।
3. कर्म आत्मा का विनाशक है और अवश्य इसका अन्त करना चाहिए।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

95. भारतीय शिलावास्तु के इतिहास के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: [2013-I]
1. बादामी की गुफ़ाएँ भारत की प्राचीनतम अवशिष्ट शैलकृत गुफ़ाएँ हैं।
2. बाराबर की शैलकृत गुफ़ाएँ सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा मूलतः आजीविकों के लिए बनवाई गई थीं।
3. एलोरा में, गुफ़ाएँ विभिन्न धर्मों के लिए बनाई गई थीं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) 2 और 3 (c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

96. भारत की यात्रा करने वाले चीनी यात्री युआन च्वांग (ह्वेनसांग) ने तत्कालीन भारत की सामान्य दशाओं और संस्कृति का वर्णन किया है। इस सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं? [2013-I]
1. सड़क और नदी-मार्ग लूटमार से पूरी तरह सुरक्षित थे।
2. जहाँ तक अपराधों के लिए दण्ड का प्रश्न है, अग्नि, जल व विष द्वारा सत्यपरीक्षा किया जाना ही किसी भी व्यक्ति की निर्दोषता अथवा दोष के निर्णय के साधन थे।

3. व्यापारियों को नौघाटों और नाकों पर शुल्क देना पड़ता था।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

97. भारत के सांस्कृतिक इतिहास के सन्दर्भ में, नृत्य एवं नाट्य-कला की एक मुद्रा जिसे 'त्रिभंग' कहा जाता है, प्राचीन काल से आज तक भारतीय कलाकारों को अतिप्रिय रही है। निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन इस मुद्रा को सर्वोत्तम रूप से वर्णित करता है? **[2013-I]**
(a) एक पाँव मोड़ा जाता है और देह थोड़ी, किन्तु विपरीत दिशा में कटि एवं ग्रीवा वक्रीय मुद्रा में होती
(b) मुख अभिव्यंजनाएँ, हस्तमुद्राएँ एवं आसज्जा कतिपय महाकाव्य अथवा ऐतिहासिक पात्रों को प्रतीकात्मक रूप में व्यक्त करने के लिए संयोजित की जाती हैं
(c) देह, मुख एवं हस्तों की गति का प्रयोग स्वयं को अभिव्यक्त करने अथवा एक कथा कहने के लिए किया जाता है
(d) प्रेम एवं शृंगार की अनुभूतियों को अभिव्यक्त करने के लिए मंद स्मिति, थोड़ी वक्र कटि एवं कतिपय हस्तमुद्राओं पर बल दिया जाता है।

98. निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों पर विचार कीजिए: **[2013-I]**
1. अजन्ता की गुफ़ाएँ 2. लेपाक्षी मन्दिर 3. साँची स्तूप
उपर्युक्त स्थलों में से कौन-सा/से भित्ति चित्रकला के लिए भी जाना जाता है/जाने जाते हैं?
(a) केवल 1 (b) 1 और 2 (c) 1, 2 और 3 (d) कोई नहीं

99. भारतीय इतिहास के कला और संस्कृति के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें: **[2014-I]**

मूर्तिकला का प्रसिद्ध कार्य	स्थल
(1) कई लोगों के साथ बुद्ध के महापरिनिर्वाण की एक भव्य प्रतिकृति जिसमें ऊपर कई दिव्य संगीतकारों और नीचे उनके अनुयायियों के दुखद आकृतियाँ हैं	अजंता
(2) देवी पृथ्वी की गहरी और विश्रृंखला जल से चट्टान पर उकेरी गई विष्णु के वराह अवतार की एक विशाल प्रतिमा	माउंट आबूबचाते
(3) ''अर्जुन की तपस्या''/''गंगा का अवतरण'' विशाल शिलाखंड की सतह पर गढ़ी गई प्रतिमा	मामल्लपुरम

ऊपर दिया गया कौन-सा युग्म सही ढंग से मेल खाता है/हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

100. भारत में बौद्ध इतिहास, परम्परा और संस्कृति के सम्बन्ध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए : **[2014-I]**

विख्यात तीर्थस्थल		अवस्थान
1. टाबो मठ और मन्दिर संकुल	:	स्पीति घाटी
2. ल्होत्सव लाखांग मन्दिर, नको	:	जास्कार घाटी
3. अल्वी मन्दिर संकुल	:	लद्दाख

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं ?
(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

101. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा एक भारतीय षड्दर्शन का भाग नहीं है ? **[2014-I]**
(a) मीमांसा और वेदान्त (b) न्याय और वैशेषिक
(c) लोकायत और कापालिक (d) सांख्य और योग

102. भारत के सम्प्रतीक के नीचे उत्कीर्ण भारत की राष्ट्रीय आदर्शोक्ति 'सत्यमेव जयते' कहां से ली गई है ? **[2014-I]**
(a) कठ उपनिषद् (b) छांदोग्य उपनिषद्
(c) ऐतरेय उपनिषद् (d) मुंडक उपनिषद्

103. निम्नलिखित राज्यों में से किनका सम्बन्ध बुद्ध के जीवन से था? **[2014-I]**
1. अवन्ति 2. गान्धार 3. कोसल 4. मगध
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(a) 1, 2 और 3 (b) 2 और 4
(c) केवल 3 और 4 (d) 1, 3 और 4

104. भारत के कला और पुरातात्विक इतिहास के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से किस एक का सबसे पहले निर्माण किया गया था? **[2015-1]**
(a) भुवनेश्वर स्थित लिंगराज मंदिर
(b) धौली स्थित शैलकृत हाथी
(c) महाबलिपुरम स्थित शैलकृत स्मारक
(d) उदयगिरि स्थित वराह मूर्ति

105. प्राचीन भारत की निम्नलिखित पुस्तकों में से किस एक में शुंग राजवंश के संस्थापक के पुत्र की प्रेम कहानी है? **[2016-I]**
(a) स्वप्नवासवदत्ता (b) मालविकाग्निमित्र
(c) मेघदूत (d) रत्नावली

106. भारत के इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए।

शब्द		विवरण
1. एरिपति	:	भूमि, जिससे मिलने वाला राजस्व अलग से ग्राम जलाशय के रख-रखाव के लिए निर्धारित कर दिया जाता था।
2. तनियूर	:	एक अकेले ब्राह्मण अथवा एक ब्राह्मण समूह को दान में दिए गए ग्राम
3. घाटिका	:	प्राय: मंदिरों के साथ संबंद्ध विद्यालय?

उपर्युक्त में से कौन-सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं? **[2016-I]**
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

107. भारत के धार्मिक इतिहास के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2017-I]**
1. सौत्रान्तिक और सम्मितीय जैन मत के सम्प्रदाय थे।
2. सर्वास्तिवादियों की मान्यता थी कि दृग्विषय (फिनोमिना) के अवयव पूर्णतः क्षणिक नहीं है, अपितु अव्यक्त रूप में सदैव विद्यमान रहते हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

108. बोधिसत्व पद्मपाणि का चित्र सर्वाधिक प्रसिद्ध और प्रायःचित्रित चित्रकारी है, जो **[2017- I]**
(a) अजंता में है (b) बदामी में है
(c) बाघ में है (d) एलोरा में है

109. निम्नलिखित में से कौन-सा/से सूर्य मंदिरों के लिए विख्यात है/हैं? **[2017-I]**
(1) अरसवल्ली (2) अमरकंटक (3) ओंकारेश्वर
नीचे दिए गए कूट का प्रयाग कर सही उत्तर चुनिए:
(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

110. ऋग्वेद-कालीन आर्यों और सिन्धु घाटी के लोगों की संस्कृति के बीच अंतर के संबंध में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? **[2017-I]**
1. ऋग्वेद-कालीन आर्य कवच और शिरस्त्राण (हेलमेट) का उपयोग करते थे जबकि सिन्धु घाटी सभ्यता के लोगों में इनके उपयोग का कोई साक्ष्य नहीं मिलता।
2. ऋग्वेद-कालीन आर्यों को स्वर्ण, चांदी और ताम्र का ज्ञान था जबकि सिन्धु घाटी के लोगों को केवल ताम्र और लोह का ज्ञान था।

DISHA Publication Inc

3. ऋग्वेद–कालीन आर्यों ने घोड़े को पालतू बना लिया था जबकि इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि सिन्धु घाटी के लोग इस पशु को जानते थे।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

111. निम्नलिखित में से कौन–सा एक काकतीय राज्य में अति महत्वपूर्ण समुद्र पत्तन था? **[2017- I]**

(a) काकिनाडा (b) मोटुपल्ली
(c) मछलीपटनम (मसुलीपटनम) (d) नेल्लुरु

112. भारत की धार्मिक प्रथाओं के संदर्भ में ''स्थानकवासी'' सम्प्रदाय का संबंध किससे है? **[2018-I]**

(a) बौद्ध मत (b) जैन मत (c) वैष्णव मत (d) शैव मत

113. भारतीय इतिहास के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौन भावी बुद्ध है, जो संसार की रक्षा हेतु अवतरित होंगे? **[2018-I]**

(a) अवलोकितेश्वर (b) लोकेश्वर (c) मैत्रेय (d) पद्मपाणि

114. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए :

शिल्प		किस राज्य की परंपरा
1. पुथुक्कुलि शॉल	–	तमिलनाडु
2. सुजनी कढ़ाई	–	महाराष्ट्र
3. उप्पाडा जामदानी साड़ी	–	कर्नाटक

उपर्युक्त युग्मों में से कौन–सा/से सही सुमेलित है/हैं? **[2018-I]**

(a) केवल 1 (b) 1 और 2 (c) केवल 3 (d) 2 और 3

115. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए :

परम्परा		राज्य
1. चपचार कुट त्योहार	–	मिज़ोरम
2. खोंगजॉम परबा गाथागीत	–	मणिपुर
3. थांग-टा नृत्य	–	सिक्किम

उपर्युक्त युग्मों में से कौन–सा/से सही सुमेलित है/हैं? **[2018-I]**

(a) केवल 1 (b) 1 और 2 (c) केवल 3 (d) 2 और 3

116 निम्नलिखित में से कौन–सा एक हड़प्पा स्थल नहीं है? **[2019-I]**

(a) चन्हुदड़ो (b) कोट दीजी (c) सोहगौरा (d) देसलपुर

117. निम्नलिखित में से किस उभारदार मूर्तिशिल्प (रिलीफ स्कल्प्चर) शिलालेख में अशोक के प्रस्तर रूपचित्र के साथ 'राण्यो अशोक' (राजा अशोक) उल्लिखित है? **[2019-I]**

(a) कंगनहल्ली (b) साँची (c) शाहबाजगढ़ी (d) सोहगौरा

118. निम्नलिखित पर विचार कीजिए: **[2019-I]**

1. बुद्ध में देवत्वारोपण 2. बोधिसत्त्व के पथ पर चलना
3. मूर्ति उपासना तथा अनुष्ठान

उपर्युक्त में से कौन–सी विशेषता/विशेषताएँ महायान बौद्धमत की है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

119. गुप्त काल के दौरान भारत में बलात् श्रम (विष्टि) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही है? **[2019-I]**

(a) इसे राज्य के लिए आय का एक स्रोत, जनता द्वारा दिया जाने वाला एक प्रकार का कर, माना जाता था।
(b) यह गुप्त साम्राज्य के मध्य प्रदेश तथा काठियावाड़ क्षेत्रों में पूर्णत: अविद्यमान था।
(c) बलात् श्रमिक साप्ताहिक मजदूरी का हकदार होता था।
(d) मजदूर के ज्येष्ठ पुत्र को बलात् श्रमिक के रूप में भेज दिया जाता था।

120. किसके राज्य में 'कल्याण मंडप' की रचना मंदिर-निर्माण का एक विशिष्ट अभिलक्षण था? **[2019-I]**

(a) चालुक्य (b) चंदेल (c) राष्ट्रकूट (d) विजयनगर

121. भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, 'परामिता' शब्द का सही विवरण निम्नलिखित में से कौन–सा है? **[2020-I]**

(a) सूत्र पद्धति में लिखे गए प्राचीनतम धर्मशास्त्र पाठ
(b) वेदों के प्राधिकार को अस्वीकार करने वाले दार्शनिक सम्प्रदाय
(c) परिपूर्णताएँ जिनकी प्राप्ति से बोधिसत्व पथ प्रशस्त हुआ
(d) आरम्भिक मध्यकालीन दक्षिण भारत की शक्तिशाली व्यापारी श्रेणियाँ

122. प्राचीन भारत के विद्वानों/साहित्यकारों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2020-I]**

1. पाणिनि पुष्यमित्र शुंग से संबंधित है।
2. अमरसिंह हर्षवर्धन से संबंधित है।
3. कालिदास चन्द्र गुप्त-II से संबंधित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

123. भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. स्थाविरवादी महायान बौद्ध धर्म से संबद्ध हैं। **[2020-I]**
2. लोकोत्तरवादी संप्रदाय बौद्ध धर्म के महासंघिक संप्रदाय की एक शाखा थी।
3. महासंघिकों द्वारा बुद्ध के देवत्वारोपण ने महायान बौद्ध धर्म को प्रोत्साहित किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

124. भारत के इतिहास में निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए:

1. राजा भोज के अधीन प्रतिहारों का उदय **[2020-I]**
2. महेन्द्रवर्मन-I के अधीन पल्लव सत्ता की स्थापना
3. परान्तक-I द्वारा चोल सत्ता की स्थापना
4. गोपाल द्वारा पाल राजवंश की संस्थापना

उपर्युक्त घटनाओं का, प्राचीन काल से आरम्भ कर, सही कालानुक्रम क्या है?

(a) 2 – 1 – 4 – 3 (b) 3 – 1 – 4 – 2
(c) 2 – 4 – 1 – 3 (d) 3 – 4 – 1 – 2

125. निम्नलिखित में से कौन–सा उपवाक्य, उत्तर-हर्ष-कालीन स्रोतों में प्राय: उल्लिखित 'हुंडी' के स्वरूप की परिभाषा बताता है? **[2020-I]**

(a) राजा द्वारा अपने अधीनस्थों को दिया गया परामर्श
(b) प्रतिदिन का लेखा-जोखा अंकित करने वाली बही
(c) विनिमय पत्र
(d) सामन्त द्वारा अपने अधीनस्थों को दिया गया आदेश

126. भारत के इतिहास के संदर्भ में, "कुल्यावाप" तथा "द्रोणवाप" शब्द क्या निर्दिष्ट करते हैं? **[2020-I]**

(a) भू-माप (b) विभिन्न मौद्रिक मूल्यों के सिक्के
(c) नगर की भूमि का वर्गीकरण (d) धार्मिक अनुष्ठान

127. निम्नलिखित में से किस शासक ने अपनी प्रजा को इस अभिलेख के माध्यम से परामर्श दिया? **[2020-I]**

"कोई भी व्यक्ति जो अपने संप्रदाय को महिमा-मंडित करने की दृष्टि से अपने धार्मिक संप्रदाय की प्रशंसा करता है या अपने संप्रदाय के प्रति अत्यधिक भक्ति के कारण अन्य संप्रदायों की निन्दा करता है, वह अपितु अपने संप्रदाय को गंभीर रूप से हानि पहुँचाता है।"

(a) अशोक (b) समुद्रगुप्त (c) हर्षवर्धन (d) कृष्णदेव राय

128. भारत के इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए: **[2020-I]**

प्रसिद्ध स्थल	वर्तमान राज्य
1. भीलसा	मध्य प्रदेश
2. द्वारसमुद्र	महाराष्ट्र
3. गिरिनगर	गुजरात
4. स्थानेश्वर	उत्तर प्रदेश

उपर्युक्त में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 1 और 4
(c) केवल 2 और 3 (d) केवल 2 और 4

129. प्राचीन भारतीय गुप्त राजवंश के समय के संदर्भ में, नगर घंटाशाला, कदूरा तथा चौल किसलिए विख्यात थे? **[2020-I]**
(a) विदेशी व्यापार करने वाले बंदरगाह
(b) शक्तिशाली राज्यों की राजधानियाँ
(c) उत्कृष्ट प्रस्तर कला तथा स्थापत्य से संबंधित स्थान
(d) बौद्ध धर्म के महत्त्वपूर्ण तीर्थस्थल

130. भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए: **[2020-I]**
1. परिव्राजक – परित्यागी व भ्रमणकारी
2. श्रमण – उच्च पद प्राप्त पुजारी
3. उपासक – बौद्ध धर्म का साधारण अनुगामी
उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही सुमेलित/हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

131. प्राचीन भारत के इतिहास के संदर्भ में, भवभूति, हस्तिमल्ल तथा क्षोमेधर क्यों प्रसिद्ध थे? **[2021-I]**
(a) जैन साधु (b) नाटककार (c) मंदिर वास्तुकार (d) दार्शनिक

132. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है? **[2021-I]**
(a) अजंता गुफाएँ, वाघोरा नदी की घाटी में स्थित हैं।
(b) साँची स्तूप, चंबल नदी की घाटी में स्थित है।
(c) पांडू-लेणा गुफा देव मंदिर, नर्मदा नदी की घाटी में स्थित हैं।
(d) अमरावती स्तूप, गोदावरी नदी की घाटी में स्थित है।

133. मुरैना के समीप स्थित चौंसठ योगिनी मंदिर के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2021-I]**
1. यह कच्छपघात राजवंश के शासनकाल में निर्मित एक वृत्ताकार मंदिर है।
2. यह भारत में निर्मित एकमात्र वृत्ताकार मंदिर है।
3. इसका उद्देश्य इस क्षेत्र में वैष्णव पूजा-पद्धति को प्रोत्साहन देना था।
4. इसके डिजाइन से यह लोकप्रिय धारणा बनी कि यह भारतीय संसद भवन के लिए प्रेरणा-स्रोत रहा था।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं!
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3 (c) 1 और 4 (d) 2, 3 और 4

134. निम्नलिखित में से कौन-सा प्राचीन नगर अपने उन्नत जल संचयन और प्रबंधन प्रणाली के लिए सुप्रसिद्ध है, जहाँ बाँधों की शृंखला का निर्माण किया गया था और संबद्ध जलाशयो में नहर के माध्यम से जल को प्रवाहित किया जाता था? **[2021-I]**
(a) धौलावीरा (b) कालीबंगा (c) राखीगढ़ी (d) रोपड़

135. गुप्त वंश के पतन से लेकर आरंभिक सातवीं शताब्दी में हर्षवर्धन के उत्थान तक उत्तर भारत में निम्नलिखित में से किन राज्यों का शासन था? **[2021-I]**
1. मगध के गुप्त 2. मालवा के परमार
3. थानेसर के पुष्यभूति 4. कन्नौज के मौखरि
5. देवगिरि के यादव 6. वल्लभी के मैत्रक
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(a) 1, 2 और 5 (b) 1, 3, 4 और 6
(c) 2, 3 और 4 (d) 5 और 6

136. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए: **[2021-I]**

(ऐतिहासिक स्थान)		(ख्याति का कारण)
1. बुर्जहोम	:	शैलकृत देव मंदिर
2. चंद्रकेतुगढ़	:	टेराकोटा कला
3. गणेश्वर	:	ताम्र कलाकृतियाँ

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/कौन-से सही सुमेलित है/हैं?
(a) केवल 1 (b) 1 और 2 (c) केवल 3 (d) 2 और 3

137. प्राचीन भारत के इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं? **[2021-I]**
1. मिताक्षरा ऊँची जाति की सिविल विधि थी और दायभाग निम्न जाति की सिविल विधि थी।
2. मिताक्षरा व्यवस्था में, पुत्र अपने पिता के जीवनकाल में ही संपत्ति पर अधिकार का दावा कर सकते थे, जबकि दायभाग व्यवस्था में पिता की मृत्यु के उपरांत ही पुत्र संपत्ति पर अधिकार का दावा कर सकते थे।
3. मिताक्षरा व्यवस्था किसी परिवार के केवल पुरुष सदस्यों के संपत्ति-संबंधी मामलों पर विचार करती है, जबकि दायभाग व्यवस्था किसी परिवार के पुरुष एवं महिला सदस्यों, दोनों के संपत्ति-संबंधी मामलों पर विचार करती है।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 1 और 3 (d) केवल 3

138. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए: **[2022-I]**

अशोक के प्रमुख शिलालेखों के स्थान	वह स्थान जिस राज्य में है
1. धौली	ओड़िसा
2. एर्रगुडी	आंध्र प्रदेश
3. जौगड़	मध्य प्रदेश
4. कालसी	कर्नाटक

उपर्युक्त युग्मों में से कितने सही सुमेलित है?
(a) केवल एक युग्म (b) केवल दो युग्म
(c) केवल तीन युग्म (d) सभी चारों युग्म

139. प्राचीन दक्षिण भारत में संगम साहित्य के बारे में, निम्नलिखित कथनों में कौन-सा एक, सही है? **[2022-I]**
(a) संगम कविताओं में भौतिक संस्कृति का कोई सन्दर्भ नहीं है।
(b) वर्ण का सामाजिक वर्गीकरण संगम कवियों को ज्ञात था।
(c) संगम कविताओं में समर शौर्य का कोई सन्दर्भ नहीं है।
(d) संगम साहित्य में जादुई ताकतों को असंगत बताया गया है।

140. भारतीय इतिहास के सन्दर्भ में, निम्नलिखित मूलग्रंथों पर विचार कीजिए: **[2022-I]**
1. नेत्तिपकरण 2. परिशिष्टपर्वन
3. अवदानशतक 4. त्रिशष्टिलक्षण महापुराण
उपर्युक्त में कौन-से जैन ग्रन्थ हैं?
(a) 1, 2 और 3 (b) केवल 2 और 4
(c) 1, 3 और 4 (d) 2, 3 और 4

141. भारतीय इतिहास के सन्दर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए: **[2022-I]**

ऐतिहासिक व्यक्ति	किस रूप में जाने गए
1. आर्यदेव	जैन विद्वान
2. दिग्नाग	बौद्ध विद्वान
3. नाथमुनि	वैष्णव विद्वान

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?
(a) कोई भी युग्म नहीं (b) केवल एक युग्म
(c) केवल दो युग्म (d) सभी तीन युग्म

142. कौटिल्य अर्थशास्त्र के अनुसार, निम्नलिखित मे कौन-से सही हैं? **[2022-I]**
1. न्यायिक दंड के परिणामस्वरूप कोई व्यक्ति दास हो सकता था।
2. स्त्री दास अपने मालिक के संसर्ग से पुत्र जनन पर कानूनी तौर पर मुक्त हो जाती थी।
3. यदि स्त्री दास का मालिक उस स्त्री से पैदा हुए पुत्र का पिता हो, तो उस पुत्र को मालिक का पुत्र होने का कानूनी हक मिलता था।
उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही है?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

DISHA Publication Inc

143. प्राचीन दक्षिण भारत के संदर्भ में, कोरकई, पूमपुहार और मुचीरि किस रूप में सुविख्यात थे? [2023-I]
(a) राजधानी नगर
(b) पत्तन
(c) लोह और इस्पात निर्माण के केन्द्र
(d) जैन तीर्थंकरों के चैत्य

144. निम्नलिखित में से कौन-सा एक, संगम कविताओं में यथावर्णित 'वटकिरुतल' की प्रथा को स्पष्ट करता है? [2023-I]
(a) राजाओं द्वारा महिला अंगरक्षिकाओं को नियुक्त करना
(b) राजदरबारों में विद्वानों का, धर्म और दर्शन से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श करने हेतु, एकत्र होना
(c) किशोरियों द्वारा कृषि-क्षेत्रों की निगरानी करना और चिड़ियों तथा पशुओं को भगाना
(d) युद्ध में पराजित राजा का आमरण अनशन कर आनुष्ठानिक मृत्युवरण करना

145. धान्यकटक, जो महासांधिकों के अधीन एक प्रमुख बौद्ध केन्द्र के रूप में समृद्ध हुआ, निम्नलिखित में से किस एक क्षेत्र में अवस्थित था? [2023-I]
(a) आंध्र (b) गांधार
(c) कलिंग (d) मगध

146. प्राचीन भारत के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: [2023-I]
1. स्तूप की संकल्पना मूलतः बौद्ध संकल्पना है।
2. स्तूप आमतौर पर अवशेषों का निक्षेपागार होता था।
3. बौद्ध परंपरा में स्तूप एक संकल्प-अर्पित या स्मारक संरचना होती थी।
उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?
(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) सभी तीन (d) कोई भी नहीं

147. प्राचीन भारतीय इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए: [2023-I]

	साहित्यिक कृति		रचनाकार
1.	*देवीचंद्रगुप्त*	:	बिल्हण
2.	*हम्मीर-महाकाव्य*	:	नयचंद्र सूरि
3.	*मिलिंद-पन्ह*	:	नागार्जुन
4.	*नीतिवाक्यामृत*	:	सोमदेव सूरि

उपर्युक्त में से कितने सही सुमेलित हैं?
(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) केवल तीन (d) सभी चार

148. "आत्मा केवल जंतु और पादप जीवन की संपदा नहीं है, बल्कि शिलाओं, प्रवाहित जलधाराओं और अन्य अनेक प्राकृतिक वस्तुओं की भी है, जिन्हें अन्य धार्मिक संप्रदाय जीवित नहीं मानते।"
उपर्युक्त कथन प्राचीन भारत के निम्नलिखित में से किस एक धार्मिक संप्रदाय के एक मूलभूत विश्वास को प्रतिबिंबित करता है? [2023-I]
(a) बौद्ध परंपरा (b) जैन परंपरा
(c) शैव परंपरा (d) वैष्णव परंपरा

149. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए: [2023-I]

	स्थल		जिसके लिए जाना जाता है
1.	बेसनगर	:	शैव गुफा मंदिर
2.	भाजा	:	बौद्ध गुफा मंदिर
3.	सित्तनवासल	:	जैन गुफा मंदिर

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?
(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) सभी तीन (d) कोई भी नहीं

150. निम्नलिखित में से कौन-सी नाटककार भास की रचना है? [2024-I]
(a) काव्यालंकार (b) नाट्यशास्त्र
(c) मधयम-व्यायोग: (d) महाभाष्य

151. संघभूति, एक भारतीय बौद्ध भिक्षु, जिन्होंने चौथी शताब्दी ईसवी के अंत में चीन की यात्रा की, निम्नलिखित में से किस पर भाष्य के लेखक थे? [2024-I]
(a) प्रज्ञापारामिता सूत्र (b) विसुद्धिमग्गो
(c) सर्वास्तिवाद विनय (d) ललितविस्तर

152. प्राचीन भारत के संदर्भ में, गौतम बुद्ध को सामान्यतः निम्नलिखित में से किन उपनामों से जाना जाता था? [2024-I]
1. नायपुत्त 2. शाक्यमुनि
3. तथागत
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2 और 3
(d) उपर्युक्त में से कोई भी गौतम बुद्ध के उपनाम नहीं हैं

153. निम्नलिखित सूचना पर विचार कीजिए: [2024-I]

	पुरातात्विक स्थल	राज्य	विवरण
1.	चंद्रकेतुगढ़	ओडिशा	व्यापार बंदरगाह शहर
2.	इनामगाँव	महाराष्ट्र	ताम्र-पाषाण स्थल
3.	मंगडु	केरल	महापाषाण स्थल
4.	सालिहुंडम	आंध्र प्रदेश	शैलकृत गुफा मंदिर

उपर्युक्त में से कौन-सी पंक्तियों में दी गई सूचना सही सुमेलित है?
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

154. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: [2024-I]
1. उपनिषदों में कोई नीति-कथा (पैरेबॅल) नहीं हैं।
2. उपनिषदों की रचना पुराणों से भी पहले हुई थी।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

संकेत एवं हल

1. (d) हिन्दू शब्द का प्रथम बार प्रयोग अरबों ने किया। अरबी लोग 'स' के स्थान पर 'ह' शब्द का प्रयोग करते थे अत: सिन्धु को उन्होंने हिन्दु कहा। अलबरूनी ने किताब-अल-हिन्द में भारतीयों के लिए हिन्दु शब्द का प्रयोग किया।

स्रोत *एनसीईआरटी कक्षा 12, भारतीय इतिहास-II में विषय-वस्तु, अध्याय 5- यात्रियों के नज़रिए।*

2. (a) लोपामुद्रा, घोषा, सिक्ता, विश्ववारा, अपाला और निवावरी आदि विदुषी स्त्रियों ने वेदमंत्रों (वैदिक ऋचाओं) की रचना की थी। इन्हें ब्रह्मवादिनी कहा जाता है।

3. (d) विक्रम संवत्सर 58 ई.पू. में मालवा के शासक विक्रमादित्य द्वारा प्रारम्भ किया गया। शक संवत् 78 ई. में कुषाण शासक कनिष्क द्वारा प्रारम्भ किया गया तथा यही आज भारत का राष्ट्रीय संवत् है। गुप्त संवत् की स्थापना 319-20 ई. में चन्द्रगुप्त प्रथम द्वारा की गई। कलि संवत्सर का प्रारम्भ 3102 ई.पू. से माना गया है। 248 ई. में कलचुरि संवत् का प्रारम्भ माना गया है।

4. (b) गुप्तकालीन नाटकों में निम्न सामाजिक स्तर के लोग (शूद्र) तथा स्त्रियाँ प्राकृत तथा उच्च सामाजिक स्तर के लोग संस्कृत बोलते हैं।

5. (d) अशोक के अधिकांश शिलालेखों एवं अभिलेखों में उसे प्रियदर्शी ही कहा गया है। यद्यपि कुछ शिलालेखों में देवानाम् प्रिय तथा अशोक नाम का भी उल्लेख मिलता है।

स्रोत *एनसीईआरटी कक्षा 12, भारतीय इतिहास-I में विषय वस्तु, अध्याय 2- राजा, किसान और नगर*

6. (d) यवन इण्डो-ग्रीक थे। उन्हें काली-मिर्च बहुत अधिक पसन्द थी इसलिये कालीमिर्च का नाम ही 'यवनप्रिय' हो गया और तब से इसी 'यवनप्रिय' नाम से जाना जाता है।

नोट्स पर्दे के प्रयोग की शुरूआत करके विदेशियों ने भी भारतीय थिएटर के विकास में योगदान दिया था, Curtain (पर्दा) शब्द ग्रीक भाषा से संबंधित हैं। इसे भारत में यवनिका कहा गया, जिसकी व्युत्पत्ति 'यवन' शब्द से हुई है। यह आयोनियन (Ionian) का संस्कृत रूप है जो कि प्राचीन भारतीयों को ज्ञात ग्रीक की एक शाखा थी। बाद में 'यवन' शब्द का प्रयोग, सभी प्रकार के विदेशियों के लिए किया गया।

स्रोत *एनसीईआरटी, प्राचीन भारत (आर. एस. शर्मा द्वारा), अध्याय-15 मध्य एशिया संपर्क तथा उनके परिणाम।*

7. (c) जैन धर्म में पाँच महाव्रतों - अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य — के पालन का विधान है। जैन भिक्षु इसे कठोरता से पालन करते हैं। गृहस्थ जीवन व्यतीत करने वाले जैनियों के लिए भी ये पाँच नियम अनिवार्य हैं, किन्तु उनकी कठोरता में कमी कर दी गयी है, इसीलिए इसे अणुव्रत कहा जाता है।

स्रोत *एनसीईआरटी, प्राचीन भारत (आर. एस. शर्मा द्वारा), अध्याय-9, जैन धर्म तथा बौद्ध धर्म।*

8. (d) मीमांसा के दो भाग हैं- पूर्व मीमांसा एवं उत्तर मीमांसा।
पूर्व मीमांसा को धर्म को गुण नैतिकता या कर्त्तव्य के रूप में वर्णि किया जाता है। धर्म मुख्यता: रिवाज है तथा धर्म की प्राप्ति लिए कर्म को महत्वपूर्ण माना गाया है।

9. (c) नटराज की चार हाथों वाली कांस्य प्रतिमा चोल काल की मूर्तिकला की सर्वोत्तम उदाहरण है।

स्रोत *एनसीईआरटी अध्याय 7, भारतीय कांस्य मूर्ति कला।*

10. (c) सृष्टि के सम्पूर्ण काल को चार युगों में बाँटा गया है, जिसका क्रम इस प्रकार है-कृत, त्रेता, द्वापर और कलियुग।

11. (a) पुरी का जगन्नाथ मंदिर देवदासी संस्था के प्रसंग में चर्चित रहा है।

स्रोत *एनसीईआरटी, सांस्कृतिक विविधता में एकता, अध्याय- तमिलनाडु*

12. (a) आरम्भिक वैदिक साहित्य (ऋग्वेद) में सर्वाधिक वर्णित नदी सिंधु है। दूसरी सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण एवं पवित्र नदी सरस्वती है। गंगा का सिर्फ एक बार एवं यमुना का तीन बार उल्लेख है।

13. (a) 'थेरीगाथा' बौद्ध साहित्य का भाग है जैन साहित्य का नहीं। जबकि आचारांगसूत्र, सूत्रकृतांग एवं वृहत्कल्पसूत्र जैन साहित्य के भाग है।

स्रोत *एनसीईआरटी कक्षा 12, भारतीय इतिहास-I में विषयवस्तु, अध्याय-4, विचारक, विश्वास और इमारतें*

14. (b) बौद्ध एवं जैन धर्म के सिद्धान्तों में कुछ समानताएं पाई जाती हैं। वेद प्रमाण्य के प्रति अनास्था, कर्मकाण्डों की फलता का निषेध तथा प्राणियों की हिंसा का निषेध (अहिंसा) जैसे सिद्धान्त दोनों धर्मो में समान रूप से विद्यमान थे। जैन धर्म में तप और भोग की अति का परिहार नहीं था, बल्कि इस पर अधिक बल दिया, जबकि बौद्ध धर्म ने तप और भोग के अति की निन्दा की तथा मध्यममार्ग का अनुसरण करने को कहा। 'संल्लेखन' जैनधर्म के अतिवादी रूप का उदाहरण है।

15. (c) 'कोष' शब्द खजाने के लिये प्रयुक्त किया जाता था और बाकी तीन शब्दों का सम्बन्ध परिवार से है।

16. (d) सुश्रुत, गुप्तकाल में अपनी आयुर्विज्ञान विषयक रचना 'सुश्रुत संहिता' के लिए जाने जाते हैं। इनका आविर्भाव चरक के कुछ समय बाद हुआ था। इन्होंने शल्य चिकित्सा के 121 उपकरणों का उल्लेख किया है। इन्हें शल्य चिकित्सा एवं प्लास्टिक सर्जरी का जनक माना जाता है।

स्रोत *एनसीईआरटी कक्षा 6, सामाजिक विज्ञान, अध्याय-11 इमारतें, चित्र तथा किताबें*

17. (c) भरहुत स्तूप तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में मौर्य सम्राट अशोक ने स्थापित करवाये थे। परन्तु दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में भी शुंग काल के दौरान इन स्तूपों पर कलात्मक कार्य प्रारम्भ हुए थे। भरहुत से प्राप्त अवशेषों में बुद्ध की पूर्व जन्म की जातक कथाओं के दृश्य तथा वृक्ष, वेदिकाएँ, पुष्प, जानवरों की आकृतियाँ आदि रेखांकित कर बनाई गई हैं। भरहुत मूर्तिकला में सदैव हरित स्तरित चट्टान (शिस्ट) का प्रयोग माध्यम के रूप में होता था।

18. (c) विशाखदत्त का सम्बंध नाटक से है जिन्होंने 'मुद्राराक्षस' नामक नाट्यग्रन्थ की रचना की थी। बाराहमिहिर का संबंध खगोल विज्ञान से है। इनकी वृहत्संहिता, वृहत्जातक, लघुजातक, पंचसिद्धांतिका आदि प्रसिद्ध रचनाएं हैं। चरक का सम्बंध चिकित्सा से है जिनकी प्रसिद्ध रचना चरकशास्त्र है। ब्रम्हगुप्त का संबंध गणित से है। इन्होंने ब्रंहम/मसिद्धान्त की रचना की।

19. (d) अर्थशास्त्र में पति द्वारा परित्यक्त पत्नी के विवाह विच्छेद की अनुमति दी गई है। अर्थशास्त्र की रचना कौटिल्य द्वारा की गयी थी। यह राजनीतिशास्त्र पर लिखी गई पुस्तक है। विवाह विच्छेद के लिए अर्थशास्त्र में 'मोक्ष' शब्द का प्रयोग किया गया है।

20. (a) वंश एवं स्थान का सही सम्बन्ध इस प्रकार है–

वंश	स्थान	वंश	स्थान
A. गुप्त	देवगढ	B. चन्देल	खजुराहो
C. चालुक्य	बादामी	D. पल्लव	पनमलै

21. (d) अशोक के पाषाण स्तम्भ धम्म के प्रचार के लिये निर्मित किये गये थे। ये स्थापत्य का भाग नहीं थे।

22. (d) खरोष्ठी लिपि को जेम्स प्रिंसेप (1799–1840) ने इण्डो–ग्रीक द्विभाषी सिक्कों की सहायता से पढ़ा। इससे अशोक के अभिलेखों को पढ़ने की दिशा में कदम बढ़ाये गये जो खरोष्टी लिपि में लिखे गये एशिया उपमहाद्वीप के उत्तर–पश्चिम में स्थित थे। खरोष्ठी लिपि दायीं ओर से बायीं ओर लिखी जाती थी। शेष लिपियां बायीं से दायीं ओर लिखी जाती हैं। शारदा का विकास ब्राह्मी से ही हुआ है।

23. (c) 'कठोपनिषद' में नचिकेता तथा यमराज (मृत्यु के देवता) के बीच संवाद है। इसमें नचिकेता शिष्य तथा यमराज गुरु थे।

24. (a) मिलिन्दपन्हो में इण्डो ग्रीक राजा मिलिन्द (मिनाण्डर) और बौद्ध भिक्षु नागसेन के संवाद हैं। यह पालि भाषा में लिखा गया ग्रंथ है।

25. (d) अशोक के अभिलेखों में उसके व्यक्तिगत नाम का उल्लेख मास्की, गुर्जरा, नेत्तूर और उडेगोलम से मिलता है। रुद्रदामन के जूनागढ अभिलेख में भी अशोक के नाम का उल्लेख है।

स्रोत *एनसीईआरटी कक्षा 12, भारतीय इतिहास–I में विषय–वस्तु अध्याय II– राजा, किसान और नगर*

26. (c) मानचित्र में क्रमश: A, B, C, और D द्वारा अंकित महाजनपद है– मत्स्य, अवन्ति वत्स और अंग।

27. (c) अवलोकितेश्वर बोधिसत्व है जो बौद्धों की करूणा के साकार रूप थे। ये महायान शाखा के अत्यन्त पूज्यनीय बोधिसत्वों में से एक थे। संस्कृत में अवलोकितेश्वर को पद्मपाणि (कमल को धारण किये हुए) अथवा लोकेश्वर (विश्व का स्वामी) के रूप में भी इंगित किया गया है।

28. (a) गुप्त शासकों द्वारा जारी किए गए चाँदी के सिक्के रुपक कहलाते थे, ये 32.36 ग्रेन के थे। गुप्त शासकों में सर्वप्रथम चन्द्रगुप्त द्वितीय ने चाँदी के सिक्के चलाए थे। दीनार सोने के, कर्षापण चांदी व तांबे के (गुप्तपूर्व) तथा पण तांबे का सिक्का था।

29. (b) लेखक (ग्रन्थकार) एवं उनके ग्रन्थ का सही सुमेलन इस प्रकार है–

लेखक (ग्रन्थकार)	ग्रन्थ	लेखक (ग्रन्थकार)	ग्रन्थ
वाराहमिहिर	वृहत्संहिता	विशाखदत्त	देवीचन्द्रगुप्तम
शुद्रक	मृच्छकटिकम्	विल्हण	विक्रमांकदेवचरितम

30. (d) 'मणिग्राम' पश्चिमी चालुक्य शासकों के समय दक्षिण–भारतीय व्यापारियों की एक प्रभावशाली गिल्ड थी।

स्रोत *कक्षा–7, हमारे अतीत–II, अध्याय 6– नगर, व्यापारी, शिल्पीजन*

31. (a) शक सम्वत् 78 ई. में प्रारम्भ हुआ, जबकि विक्रम सम्वत् 58 ई. पू. में प्रारम्भ हुआ। अत: यदि हम विक्रमसम्वत् से पुलकेशन–प्रथम का बादामी अभिलेख बदलना चाहते हैं तो ये होगा 465 + 78 + 58 = 601 विक्रम संवत्।

32. (c) यूनानी, कुषाण एवं शक शासकों में से कई ने हिन्दू धर्म के स्थान पर बौद्ध धर्म को अपनाया, क्योंकि जाति प्रथा से अभिभूत हिन्दू धर्म की ओर वे आकर्षित नहीं हुए। हिन्दू धर्म में उस समय कई प्रकार की सामाजिक एवं धार्मिक कुरीतियाँ आ गई थीं। इसके विपरीत बौद्ध धर्म की उदारता एवं प्रगतिशीलता से वे काफी प्रभावित एवं आकर्षित हुए।

33. (c) अशोक के दूसरे एवं तेरहवें शिलालेख से हमें संगम राज्य चोल, चेर (केरलपुत्र), पाण्ड्य एवं सतियपुत्र की जानकारी मिलती है। पहले अभिलेख में पशुबलि की निंदा, दसवे में ख्याति व गौरव की निंदा, ग्यारहवें में धम्म नीति की व्याख्या तथा चौदहवें में जनता को धार्मिक जीवन जीने के लिए प्रेरित करने का उल्लेख है।

34. (b) मृच्छकटिकम के रचयिता शुद्रक, मुद्राराक्षस के रचयिता विशाखदत्त, हर्षचरित के रचयिता बाणभट्ट थे। बुद्धचरित नामक ग्रन्थ की रचना अश्वघोष ने की थी।

35. (d) निम्नलिखित का भारत में आने का सही कालानुक्रम इस प्रकार है– नगर संस्कृति, लोहे का हल, आहत मुद्रा, सोने के सिक्के।

नगर संस्कृति	→	(हड़प्पा युग में)
लोहे का हल	→	(उत्तर वैदिक युग में)
आहत मुद्रा चांदी के सिक्के	→	(बुद्ध युग में)
सोने के सिक्के	→	(मौर्योत्तर युग में)

36. (a) अशोक के अभिलेख लोगों के बीच सामाजिक सामन्जस्य पर बल देते हैं जिसने समानता व निष्पक्षता का संदेश दिया धर्म के प्रोत्साहन का नहीं।

स्रोत *एनसीईआरटी, कक्षा 6, हमारे अतीत, अध्याय–8 अशोक: एक अनोखा सम्राट जिसने युद्ध का त्याग किया*

37. (c) निम्नलिखित का सही सुमेलन इस प्रकार है –

प्राचीन गोदी क्षेत्र	→	लोथल
बुद्ध का प्रथम धर्मोपदेश	→	सारनाथ
अशोक का सिंह स्तम्भ शीर्ष	→	सारनाथ
बोद्ध अधिगम का महान पीठ	→	नालन्दा

38. (a) अशोक के सोहगौरा तथा महास्थान अभिलेखों से पता चलता है कि अकाल के संकट के समय राज्य कोषागार से अन्न वितरण किया गया।

39. (d) बुद्ध ने सांसारिक दुखों से मुक्ति के लिये अष्टांगिक मार्ग की संकल्पना का प्रतिपादन किया, जिसे बुद्ध का मध्यम मार्ग कहा गया है, जिस पर चलकर निर्वाण की प्राप्ति सम्भव है।

40. (c) दिया गया नक्शा अशोक के शासन के अंतिम समय से सम्बन्धित है। अशोक महान (304–232 ई. पू.) मौर्य राजवंश का भारतीय राजा था। उसने लगभग सम्पूर्ण भारतीय उपमहाद्वीप पर 269 से 232 ई. पूर्व. तक शासन किया। उसका शासन विस्तार वर्तमान में पाकिस्तान तक, पश्चिम में अफगानिस्तान तक, वर्तमान बांग्लादेश तक तथा पूर्व में भारतीय राज्य आसाम तक तथा दक्षिण में केरल तथा आंध्र तक था।

नोट्स सम्राट अशोक का साम्राज्य पश्चिम में वर्तमान पाकिस्तान, अफगानिस्तान से लकेर पूर्व में वर्तमान बंग्लादेश तथा भारतीय राज्य असम तथा दक्षिण में उत्तरी केरल तथा आंध्र प्रदेश तक विस्तृत था।

41. (c) ईसा की तीसरी शताब्दी में जब हूण आक्रमण से रोमन साम्राज्य समाप्त हो गया तब भारतीय व्यापारी अधिकाधिक दक्षिण–पूर्व एशियाई व्यापार पर निर्भर हो गये।

42. (b) निम्नलिखित व्यक्तियों के भारत आगमन का सही कालानुक्रम इस प्रकार है– 1. मेगस्थनीज 2. फाह्यान 3. ह्वेनसांग 4. इत्सिंग।

1. मेगस्थनीज – चन्द्रगुप्त मौर्य के शासन काल में
2. फाह्यान – चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के शासन काल में
3. ह्वेनसांग – हर्षवर्द्धन के शासन काल में
4. इत्सिंग – सातवीं सदी में (हर्षवर्द्धन के शासन काल के बाद)

43. (d) ईसा पूर्व छठी शताब्दी में भारत का सर्वाधिक शक्तिशाली नगर राज्य मगध था। मगध का सोलह महाजनपदों के अन्य राज्यों से शक्तिशाली होने का मुख्य कारण वहाँ की भौगोलिक दशाएँ थी। इसके अतिरिक्त सुयोग्य एवं महत्वाकांक्षी राजाओं का नेतृत्व भी मगध के शक्तिशाली होने का एक कारण था।

44. (a) ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी के प्रारम्भ में उत्तरी अफगानिस्तान में स्थापित भारत यूनानी राज्य बैक्ट्रिया था।

45. (c) 'आर्य' शब्द भाषायी समूह का व्यंजक है। आर्यों की भाषा संस्कृत थी। संस्कृत भारोपीय भाषा परिवार का हिस्सा है। इन्हें भाषा परिवार इसलिए कहा

गया क्योंकि आरंभ में उनमें कई शब्द एक जैसे थे। 1500 ई० पू० के आस-पास जब आर्यों ने भारत में प्रवेश किया तो वे एक ही भाषा का प्रयोग करते थे।

स्रोत *पुराना एन.सी.ई.आर.टी आर. एस. शर्मा, अध्याय 8 आर्यों का आगमन तथा ऋग्वैदिक काल। NIOS: वैदिक काल, आर्यों का प्रवास*

46 . (a) ताम्रलिप्ति या ताम्रलिप्त बंगाल की खाड़ी में स्थित एक प्राचीन काल का शहर था जिसे वर्तमान भारत के तामलुक से समीकृत किया जाता है। ताम्रलिप्ति प्रारम्भिक ऐतिहासिक भारत में व्यापार व वाणिज्य का एक प्रमुख नगरीय केन्द्र रहा है। यहाँ से व्यापार सिल्क रोड से उत्तरापथ होते हुए मुख्य व्यापारिक मार्ग से मध्य-पूर्व और यूरोप से होता था और समुद्री रास्ते से बाली, जावा और सुदूर पूर्व से व्यापार होता था।

47. (a) संगम कालीन शिक्षाप्रद कविताओं को किलुकनक्कु कहा जाता है। ये 18 भागों में विभाजित है जिसमें तिरकुरूल व नाडियार हैं। अहम व पुरम कवितायें (किलुकनक्कु) उत्तर संगम काल में लिखी गईं। इसलिये (A) की सही व्याख्या (R) है।

48. (a) दोनों कथन सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है क्योंकि अत्यधिक अहिंसा ने कृषकों को जैन धर्म अपनाने से रोका।

49. (b) प्राचीन भारत में राजाओं ने (विशेष रूप से मौर्य काल के बाद) भूमि का स्वामित्व ब्राह्मणों, विद्वानों, धार्मिक संस्थानों को देना शुरू कर दिया था। ऐसा सैन्य अभियान के दौरान अधिक होता था। गुप्तकाल में सामंतवाद का विस्तार हुआ तथा सामंतों को पर्याप्त अधिकार था। उन्हें व्यापारियों और शिल्पियों के संघ एवं अन्य सामुदायिक संस्थाओं के साथ सत्ता में भागीदार बनाया जाता था।

50. (a) प्राचानी भारत में कलिंग राज्य का अत्यंत सामरिक महत्व था एवं यह दक्षिण भारत से आने वाले स्थलीय एवं समुद्री मार्गों को नियंत्रित करता था, इसी कारण अशोक ने 261 ई. पू. में कलिंग पर आक्रमण कर इसे अपने राज्य में मिला लिया।

51. (a) भारत में प्रथम बार सैनिक शासन ग्रीकों (यूनानियों) द्वारा व्यवहार में लाया गया था। सिकन्दर ने अपने द्वारा जीते हुए प्रदेशों को अपने सैनिक अधिकारियों के अन्तर्गत रखा था।

52. (a) सिकन्दर (एलेक्जेन्डर) ने 326 ई. पू. में भारत पर आक्रमण किया। उस समय भारत पर नंदों का शासन था। तिथिक्रम की दृष्टि से इन चार राजवंशों का क्रम है- नंद, मौर्य, शुंग व कण्व।

53. (b) प्रारम्भ में होयसलों की राजधानी बेलूर थी परन्तु बाद में हेलीविड हो गई है।

54. (b) निम्नलिखित का सही सुमेलन इस प्रकार है –

चित्रित धूसर मृद्भाण्ड	–	उत्तर वैदिक काल
गंधार कला शैली	–	कुषाण काल
अजंता चित्रकारी	–	गुप्त काल
पहाड़ी चित्र शैली	–	मुगल काल

55. (b) हर्षवर्धन ने प्रयाग और कन्नौज में समिति बुलाई। प्रयाग समिति का आयोजन हर्ष ने स्वयं की प्रसिद्धि के लिये किया।

56. (c) 1017 में राजेन्द्र ने सम्पूर्ण सीलोन (श्रीलंका) जीता। इससे पहले राजराज-प्रथम ने इसका आधा भाग जीता था।

57. (d) कश्मीर के कुण्डलवन में कनिष्क के शासन काल में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ। इस बौद्ध संगीति की अध्यक्षता वसुमित्र ने की थी। अश्वघोष इसके उपाध्यक्ष थे।

58. (a) मुहरों पर गाय, ऊँट, घोड़ा व शेर को प्रदर्शित नहीं किया गया था। एक शृंगी बैल अधिकांशत: मुहरों पर दर्शाया गया।

59. (b) विभिन्न हड़प्पाकालीन स्थल एवं उनसे जुड़े पुरातात्विक खोज का सही सुमेलन इस प्रकार है –

स्थल		खोज
A. लोथल	–	गोदीबाडा
B. कालीबंगा	–	जोता हुआ खेत
C. धौलावीरा	–	हड़प्पन लिपि के बड़े आकार के दस चिह्नों वाला शिलालेख
D. बनवाली	–	पकी मिट्टी की बनी हुई हल की प्रतिकृति

स्रोत *एनसीईआरटी कक्षा 12, भारतीय इतिहास-I में में विषय-वस्तु, अध्याय-1- ईंटे, मनके और अस्थियाँ*

60. (a) जैनों के अन्तिम तीर्थंकर (24वें) महावीर स्वामी थे जबकि श्रवण बेलगोला स्थित गोमतेश्वर की प्रतिमा जैनियों के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव को दर्शाती है।

61. (b) पवरन बौद्धों का समारोह था जो ग्यारहवें चन्द्रमास की पूर्णिमा को मनाया जाता था। बौद्ध भिक्षु वर्षा ऋतु के दौरान मठों में प्रवास करते थे तथा अपने अपराधों की स्वीकारोक्ति करते थे।

62. (d) विशाखदत्त द्वारा संस्कृत भाषा में रचित नाटक मुद्राराक्षस उत्तर भारत में चन्द्रगुप्त मौर्य के उत्थान व शक्ति के विषय में बताता है।

63. (b) हर्षवर्धन के दक्षिण की ओर प्रस्थान को नर्मदा नदी पर चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय ने रोका।

64. (c) चोल शासक राजराज प्रथम ने पाण्ड्य तथा चेर शासकों को पराजित कर प्रायद्वीपीय भारत पर प्रारंभिक मध्यकालीन समय में अपना प्रभुत्व स्थापित किया। इसके अतिरिक्त इसने श्रीलंका के उत्तरी भाग को जीतकर चोल साम्राज्य का एक प्रान्त बना दिया तथा मालदीव पर भी आधिपत्य स्थापित कर लिया। इसी प्रकार राजेन्द्र चोल ने न केवल सम्पूर्ण श्रीलंका को जीता, बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया के शैलेन्द्र साम्राज्य के विरुद्ध सैन्य अभियान कर कुछ क्षेत्रों पर आधिपत्य स्थापित कर लिया।

नोट्स करिकाल संगम चोल वंश का विख्यात राजा था। पट्टिनाप्पलई नामक काव्य में उसके प्रारंभिक जीवन तथा उसके सैन्य विजय का उल्लेख मिलता है।

65. (a) मृच्छकटिकम् (मिट्टी की गाड़ी) दूसरी सदी ई. पू. में संस्कृत में शूद्रक द्वारा लिखा गया एक नाटक है। इसमें युवा व्यापारी चारूदत्त तथा उसकी प्रेमिका वसन्तसेना की कहानी है, जो एक गणिका की पुत्री थी।

स्रोत *एनसीईआरटी कक्षा 7, हमारे अतीत-II अध्याय 2, नए राजा और उनके राज्य*

66. (c) जैन धर्म के संस्थापक महावीर स्वामी के बचपन का नाम वर्धमान था इनका–
जन्म – वैशाली के कुण्डग्राम में 540 ई. पू.
पिता – सिद्धार्थ
माता – त्रिशला (लिच्छवी गणराज्य के प्रमुख चेटक की बहन)
बौद्ध धर्म के प्रणेता गौतम बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था इनका – जन्म – नेपाल की तराई में स्थित लुम्बिनी वन में 563 ई. पू.
पिता – शुद्धोधन (शाक्य गणराज्य के प्रमुख)
माता – महामाया (कोशल राज्य की राजकुमारी)
जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ काशी (बनारस) नरेश अश्वसेन के पुत्र थे, अत: इनका सम्बन्ध बनारस से था।

67. (d) सभी कथन सही हैं। अंतिम मौर्य शासक वृहद्रथ 185 ई. पू. में सेनापति पुष्यमित्र शुंग द्वारा मारा गया। शुंग वंश के अंतिम शासक देवभूति की हत्या उसके अमात्य वासुदेव ने 73 ई. पू. में की। तत्पश्चात् उसने कण्व वंश की नींव डाली। कण्व वंश का अंतिम शासक सुशर्मा था। इसकी हत्या 60 ई. पू. में सिमुक ने की जो आन्ध्र-सातवाहन वंश का संस्थापक था।

68. **(d)** दोनों कथन गलत हैं। चतुर्थ बौद्ध संगीति कनिष्क के समय कश्मीर में आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता वसुमित्र ने की। चीनी यात्री फाह्यान (399 ई. से 414 ई.) चन्द्रगुप्त द्वितीय के समय भारत आया था। चीनी यात्री ह्वेनसांग 613 ई. से 630 ई. के मध्य हर्ष के समय भारत आया। उसने हर्ष को बौद्ध धर्म का प्रतिरोधी नहीं बताया।

69. **(c)** दक्षिण भारत में जैन धर्म का प्रचार भद्रबाहु के द्वारा हुआ। पाटलिपुत्र में (आधुनिक पटना) आयोजित प्रथम बौद्ध संगीति के पश्चात् जो लोग भद्रबाहु के नेतृत्व में थे, वे दिगम्बर कहलाये तथा स्थूलबाहु के नेतृत्व में श्वेताम्बर। प्रारम्भ में जैन धर्म में मूर्तिपूजा का प्रचलन नहीं था। विभाजन के पश्चात् श्वेताम्बर अनुयायियों ने महावीर तथा अन्य तीर्थंकरों की मूर्तियों की पूजा प्रारम्भ की। अत: विकल्प (c) सही है। कलिंग राजा खारवेल ने जैन धर्म को समर्थन दिया।

70. **(c)** अथर्ववेद तन्त्र-मंत्र, जादू आदि से सम्बन्धित ग्रंथ है। इसमें जादू-टोना व वशीकरण से सम्बन्धित मंत्र हैं, जिनका प्रयोग बुरी शक्तियों व बीमारियों को दूर करने के लिये किया जाता है।

71. **(c)** बिम्बिसार हर्यक वंश का शासक था जो 544 ईसा पूर्व में मगध के सिंहासन पर आसीन हुआ। वह बुद्ध का समकालीन था। अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिये बिम्बिसार ने वैवाहिक सम्बन्ध बनाये। इस दिशा में इसने कोशल नरेश की पुत्री से विवाह किया जो प्रसेनजित की बहन थी। ये भी बुद्ध के समकालीन थे। मिलिन्द का काल 2सदी ई० पू० था।

72. **(b)** दन्तिदुर्ग चालुक्यों का सामन्त था। इसने 753 ई. में राष्ट्रकूट साम्राज्य की नींव डाली और मान्यखेत को अपनी राजधानी बनाया।

73. **(a)** तक्षशिला सिन्धु तथा झेलम नदी के बीच स्थित था। वर्तमान में यह पाकिस्तान में है।

74. **(a)** विकल्प (a) सही है। इनका सही कालानुक्रम है– यूनानी–शक –कुषाण।
यूनानी – 513 ई. पू. में यूनानी शासक डेरियस के नेतृत्व में भारत आये।
शक – 90 ई. पू. में भारत आये।
कुषाण – 45 ई. स. में भारत आये।

स्रोत *एनसीईआरटी कक्षा 12, भारतीय इतिहास-II में विषय-वस्तु अध्याय 2, राजा, किसान और नगर*

75. **(b)** पहला कथन सही नहीं है। आंध्र में शासन करने वाले इक्ष्वाकु वंश के अभिलेखों से पता चलता है कि इनके काल में बौद्ध विहार तथा बौद्ध मूर्तियों का निर्माण हुआ। अर्थात् इक्ष्वाकु राजा बौद्ध धर्म के समर्थक थे। पूर्वी भारत के पाल शासक बौद्ध मत के समर्थक थे।

76. **(d)** कौशाम्बी (इलाहाबाद) अभिलेख समुद्रगुप्त के प्रशस्ति-पत्र के रूप में प्रसिद्ध है। समुद्रगुप्त के राज्यकवि हरिषेण ने इसको लिखा था। यद्यपि यह मूलत: अशोक द्वारा उत्कीर्ण अभिलेख था, परन्तु इसकी सम्बद्धता समुद्रगुप्त से अधिक है।

77. **(a)** बौधायन प्रमेय समकोण त्रिभुज की भुजाओं की लम्बाई से सम्बन्धित है।

78. **(b)** जैन आध्यात्म वास्तविक तथा अनेकवाद पर आधारित है। इसे अनेकान्तवाद या स्यादवाद कहा जाता है। इसे सात रूपों में व्यक्त किया जा सकता है।
1. है।
2. नहीं है।
3. है और नहीं है।
4. कहा नहीं जा सकता।
5. है किन्तु कहा नहीं जा सकता।
6. नहीं है और कहा जा सकता।
7. नहीं है और कहा नहीं जा सकता।

79. **(a)** गुप्तकाल से सम्बन्धित चित्र अजन्ता तथा बाघ की गुफाओं में मिलते हैं। अजन्ता के चित्र धार्मिक तथा बाघ के चित्र लौकिक विषयों से सम्बन्धित हैं। अजन्ता में निर्मित 20 गुफाओं में से 16वीं तथा 17वीं गुफा गुप्तकालीन है। बाघ से 9 गुफायें मिली हैं।

80. **(c)** बंगाल की खाड़ी में चलने वाली मानसुनी हवाओं नें भारत के दक्षिणी पूर्वी एशियाई देशों से संपर्क को प्रोत्साहन दिया।

81. **(a)** जैन धर्म में ईश्वर को सृष्टिकर्ता के रूप में स्थान नहीं दिया गया है। जैन सिद्धांतों के अनुसार, ब्रह्मांड और उसके घटक (आत्मा, पदार्थ, स्थान, समय और गति) हमेशा मौजूद रहे हैं। जैन दर्शन के अनुसार सृष्टि की रचना एवं पालन-पोषण सार्वभौमिक विधान से हुआ है।

82. **(c)** सिन्धु घाटी सभ्यता एक नगरीय एवं लौकिक सभ्यता थी यद्यपि उसमें धार्मिक तत्व विद्यमान था किन्तु वर्चस्वशाली नहीं था। इस काल में न सिर्फ आन्तरिक बल्कि वाह्य व्यापार भी उन्नत दशा में था। इस काल में सूती वस्त्र बनाए जाते थे जिसके प्रमाण हमें मोहनजोदड़ो से मिलते हैं। मेहरगढ़ से कपास की खेती करने का साक्ष्य भी मिला है।

स्रोत *एनसीईआरटी कक्षा 12, भारतीय इतिहास-I में विषय-वस्तु, अध्याय-1- ईंटो, मनके और अस्थियाँ*

83. **(c)** धर्म तथा ऋतु भारत की प्राचीन वैदिक सभ्यता के एक केन्द्रीय विचार को चित्रित करते हैं। जहाँ धर्म व्यक्ति के दायित्वों एवं स्वयं तथा दूसरों के प्रति व्यक्तिगत कर्त्तव्यों की संकल्पना था वहीं ऋतु मूलभूत नैतिक विधान था जो सृष्टि और उसमें अंतर्निहित सारे तत्त्वों के क्रियाकलपों को संचालित करता था।

84. **(c)** प्रश्न में दिया गया कथन 1, 3 तथा 4 सही हैं।

85. **(b)** बौद्ध तथा जैन धर्मों ने वेद-प्रामाण्य के प्रति अनास्था प्रकट किया एवं कर्मकाण्डों की फलवत्ता का विरोध किया था।

86. **(c)** नागर, द्रविड़ और वेसर प्राचीन भारत की मन्दिर निर्माण की शैलियाँ हैं। नागर शैली उत्तर भारत में, वेसर शैली मध्य भारत में तथा द्रविड़ शैली दक्षिण भारत में प्रचलित थीं।

स्रोत *एनसीईआरटी अध्याय-6, मंदिर स्थापत्य तथा मूर्तिकला*

87. **(b)** बुद्ध की मूर्ति इस बात का प्रतीक है कि मार के आकर्षण / मोह के बावजूद बुद्ध उसकी शुद्धता एवं शील को देखने के लिए आह्वान कर रहे हैं।

88. **(c)** पूर्व वैदिक आर्य प्रकृति पूजा और यज्ञ किया करते थे। ऋग्वैदिक आर्यों के लिए भक्ति और मूर्तिपूजा का उल्लेख नहीं मिलता है।

स्रोत *NIOS प्राचीन भारत, प्रारंभिक वैदिक काल*

89. **(c)** 2. मजूरी, कार्य के नियम, मानक व कीमतें गिल्ड या व्यापारी वर्ग द्वारा तय की जाती थीं।
3. गिल्ड के पास अपने सदस्यों के ऊपर न्यायिक अधिकार थे।

90. **(b)** चैत्य पूजा-स्थल होता है, जबकि विहार बौद्ध भिक्षुओं का निवास स्थान है।

91. **(b)** सांख्य योग के अनुसार, आत्मज्ञान से मुक्ति संभव है। अधिकांशत: अन्य सभी भारतीय दर्शन अपने प्रमुख आधार के रूप में इसे अपनाते हैं। सांख्य दर्शन पुनर्जन्म में विश्वास करता है। सांख्य दर्शन के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति को भोग, अपवर्ग तथा जन्म से तब तक गुजरना पड़ता है जब तक कि कैवल्य की प्राप्ति नहीं हो जाती है।

92. **(a)** निर्वाण की अवधारणा की सर्वप्रथम व्याख्या भगवान बुद्ध ने की थी (566-486 BC)। भगवान बुद्ध केवल मात्र 35 साल के उम्र में एक ज्ञानमय प्रबुद्ध अवस्था में पहुँचे थे जहाँ उन्हें परम सत्य का ज्ञान हुआ था। 'निर्वाण' शब्द का अर्थ है 'बुझ जाना' अर्थात् लोभ का बुझ जाना, घृणा का बुझ जाना, सांसारिक माया मोह के बुझ जाने का संकेत है। मन और भावनाओं से इन विकारों का जब अंत होता है तब ज्ञान बुद्धि उजागर होती है, क्योंकि मन या मस्तिष्क तब मुक्त है, आनन्दित है। जिसने भी इस सत्य को जाना है, वह इस संसार में सबसे सुखी है। वह समस्त विकारों से दूर, समस्त आसक्तियों से परे, निश्चिंत, शंकारहित है। उसकी मानसिक स्थिति उत्तम है। उसे बीते हुए कल को लेकर कोई पश्चाताप नहीं है। वह आने वाले कल को लेकर भी आशंकित नहीं है, वह तो केवल वर्तमान में जीता है। वह जीवन के हर क्षण का आनन्द लेता है। वह 'मैं' से मुक्त है। उसमें 'आत्मभ्रम' जैसी कोई तृष्णा नहीं है। उसने परमानन्द को अनुभव किया है।

नोट्स *बौद्ध धर्म में निर्वाण को परमानंद या शांति की अवस्था के रूप में उल्लेख किया गया है।*

93. (b) सिंधु सभ्यता के लोगों के विशाल महल और मन्दिर नहीं होते थे, बल्कि उनकी सभ्यता ईंटों के बने शहरी–घरों के कारण उल्लेखनीय थी। सिंधु सभ्यता के दौरान लोगों के घर बहुमंजिला होते थे। शहर के अपवाह तंत्र काफी उन्नत प्रकार के होते थे। सिंधु सभ्यता के लोग शांति प्रिय थे। वे कभी किसी युद्ध में शामिल नहीं हुए थे। ऐसा माना जाता है कि भूकम्प जैसी किसी प्राकृतिक आपदा में इस संस्कृति और सभ्यता का विनाश हुआ। कुछ इतिहासकारों का यह मानना है कि आर्यों के आक्रमण और समुद्री सतह में परिवर्तन की वजह से इनका खात्मा हुआ था। बहरहाल, युद्ध में घोड़े के उपयोग की कोई सत्यता प्रमाणित नहीं हुई है। इसके अतिरिक्त सिंधु सभ्यता की मोहरों में छपा हुआ स्वस्तिक चिन्ह व जानवरों की अनुकृति उनके धार्मिक आस्था के बारे में बतलाता है। वहाँ पायी गई मूर्तियों से भूतत्वविदों को पता चला है कि उस समय लोग माँ रूपी देवी की तथा पितृरूप देवता की भी पूजा करते थे, जो शायद समग्र जाति के पिता स्वरूप थे।

नोट्स सिंधु घाटी से प्राप्त मोहरों पर स्वास्तिक तथा जानवरों के चित्र प्राप्त होते हैं जिससे उनके धार्मिक विश्वास के बारे में पता चलता है।

94. (d) जैन सिद्धांत के अनुरूप 'स्वाध्याय परम: तप:'। यह माना गया है। कि तपश्चर्या कर्म को विनष्ट करने का सुनिश्चित मार्ग है। कर्म को आत्मा का विनाशक माना गया है। कर्म अत्यन्त सूक्ष्म है और आत्मा को प्रभावित भी करता है। आत्मा को कलुषित भी करता है। कर्म के आधार पर जीव अपना अगला जीवन प्राप्त करता है। जैन धर्म का यह भी मानना है कि प्रत्येक वस्तु में चाहे वह सूक्ष्मतम कण हो, आत्मा होती है, तभी जैन धर्म के लोग किसी भी प्रकार के प्राणी की हत्या नहीं करते हैं, चाहे वह चींटी ही क्यों न हो।

95. (c) एलोरा की गुफाएँ पाँच से दस शताब्दी के बीच में बनाई गई थी। इनमें उप गुफाएँ भी थी, जिनमें से 12 बौद्धीय गुफाएँ, 17 हिन्दू गुफाएँ थीं और 5 जैन गुफाएँ थीं। इन गुफाओं का आपस में एक साथ अवस्थान करना इस बात की साक्षी देता है कि इतिहास के इस दौर में धम्मीय एकता बरकरार थी।

स्रोत *NCERT कक्षा 11, भारतीय कला एक परिचय, अध्याय 2- मौर्यकालीन कला*

96. (b) व्यापारियों को नौघाटों और नाकों पर शुल्क देना पड़ता था। शुल्क देने के बाद वे व्यापार के लिए जा सकते थे। सामाजिक अपराधों के लिए उस समय अपराधी के नाक, कान व हाथ काट लिए जाते थे। सत्य परीक्षा के लिए अग्नि, जल व विष का प्रयोग किया जाता था। छोटे-मोटे अपराधों के लिए जुर्माना भरना पड़ता था।

97. (a) भगवान श्रीकृष्ण को हमने ज्यादातर समय त्रिभंग मुद्रा में देखा है। श्रीकृष्ण बाँसुरी बजाते समय इसी मुद्रा में खड़े होते हैं। इसलिए कृष्ण को त्रिभंग मुरारी भी कहा जाता है।

98. (b) अजन्ता की गुफाओं में भित्ति चित्रकला के निदर्सन पाए गए हैं। गुफा 1, 2, 16 एवं 17 में यह चित्रकला देख सकते हैं। इनमें से कुछ चित्रकलाएँ वकाटक साम्राज्य के राजा हरिसेन ने अपनी इच्छा से निर्मित करायी थी। यह चित्रकलाएँ जातक की कहानियाँ बताती हैं। लेपाक्षी मन्दिर भित्ति चित्रकला के लिए प्रसिद्ध है। जिसे विजयनगर राज्य के राजाओं ने बनवाए थे। साँची स्तूप में बहुत सी सुन्दर मूर्तियाँ हैं पर भित्ति चित्रकलाएँ यहाँ देखने को नहीं मिलतीं।

99. (c) प्रथम (1) युग्म सही है क्योंकि अजंता की गुफा नं.–17 में बुद्ध के परिनिर्वाण की स्थिति को पत्थरों में प्रतिबिम्बित किया गया है जिसमें दिव्य संगीतकार ऊपर की ओर तथा शोकाकुल मुद्रा में उनके अनुयायियों को नीचे की ओर दर्शाया गया है। द्वितीय (2) युग्म गलत है कि क्योंकि विष्णु के वराह अवतार द्वारा देवी पृथ्वी की रक्षा भयंकर प्रलय द्वारा मामल्लपुरम में चट्टानों पर उकेरी गई प्रतिमा में दर्शित है।

तृतीय (3) सही है क्योंकि मामल्लपुरम की शैल प्रतिमा में ''अर्जुन की तपस्या'' तथा ''गंगा अवतरण'' का दृश्य उकेरा गया है।

100. (c) टाबो मठ और मंदिर संकुल स्पीति घाटी में स्थित है। अल्ची मंदिर संकुल लद्दाख में स्थित है। ल्होत्सव लाखांग मंदिर नको, हिमाचल प्रदेश में स्थित है। किन्तु जास्कार घाटी, जम्मू तथा कश्मीर में है।

101. (c) लोकायत तथा कपालिक, भारतीय दर्शन के षट्पद्धति का निर्माण नहीं करते हैं

	भारत के षट्दर्शन
सांख्य	प्रकृति तथा पुरुष
योग	प्रकृति से पुरुष की मुक्ति
न्याय	तार्किक विश्लेषण
वैशेषिक	ब्रम्हाण्ड की वास्तविक तथा वस्तुगत दर्शन
मीमांसा	संहिता तथा वेद के ब्राह्मण भाग का विश्लेषण
वेदांत	यह भारतीय दर्शन का चरमोत्कर्ष है।

भारतीय संविधान की दूसरी अनुसूची में परिलब्धियों पर भत्ते, विशेषधिकार और इससे संबंधित प्रावधान पांचवी अनुसूची में अनुसूचित और जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन तथा नियंत्रण के बारे में उपबंध तथा 8 वीं अनुसूची में संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त भाषाओं का उल्लेख किया गया है।

102. (d) 'सत्यमेव जयते' शब्द मुंडकोपनिषद् से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है–सत्य की ही जीत।

103. (c) बुद्ध का जन्म कोसल राज्य के लुम्बिनी में हुआ। बुद्ध का परिनिर्वाण कुशीनारा (मगध राज्य) में हुआ। अवन्ति में बुद्ध का पदार्पण कभी नहीं हुआ। गांधार पाकिस्तान व अफगानिस्तान के पश्चिमी भाग में है, जहां बुद्ध कभी नहीं गए।

104. (b) भुवनेश्वर स्थित लिंगराज मंदिर का निर्माण 11 वीं शताब्दी (1025-1040 ई.) ययाति प्रथम के द्वारा करवाया गया था। धौली (ओडिशा) स्थित शैलकृत हाथी का निर्माण मौर्य शासक अशोक के काल में 250 ई.पू. के आसपास हुआ था। महाबलिपुरम स्थित शैलकृत स्मारकों का निर्माण 7वी–8वीं शताब्दी में पल्लव शासनकाल में हुआ था। उदयगिरि (विदिशा, मध्य प्रदेश) स्थित बाराह प्रतिमा का निर्माण गुप्तकाल में चंद्रगुप्त द्वितीय द्वारा करवाया गया था।

105. (b) मालविकाग्नि मित्र कालिदास द्वारा लिखा गया संस्कृत नाटक है। यह नाटक शुंग सम्राट अग्निमित्र की प्रेम कहानी कहता है। वह निर्वासित नौकरानी मालविका की तस्वीर से ही प्यार में पड़ जाता है।

106. (d) भूमि का एक विशेष प्रकार इरीपट्टी भूमि का उल्लेख है। इस भूमि से प्राप्त कर का उपयोग गांव के तालाब के रख–रखाव के लिए किया जाता था। तनियूर चोल काल की एक राजस्व इकाई थी, जिसके अंतर्गत ब्रह्मदेय और मंदिर बस्तियां विकसित हुई। घटिका पल्लव कालीन मंदिरों से जुडी उच्च शिक्षण संस्थाएं थीं।

107. (b) सौत्रान्तिक और सम्मितीय बौद्ध धर्म के सम्प्रदाय हैं। सर्वास्तिवादियों का मानना है कि दृश्य जागत् के धर्म पूर्णतः क्षणिक हैं। प्रत्युत सदा अन्तर्निहित रूप में विद्यमान रहते हैं।

108. (a) वाचस्पति गैरोला ने विषय की दृष्टि से अजंता की चित्रकला को तीन प्रमुख भागों में बाँटा है, जिसकी दूसरी श्रेणी में लोकपाल, बुद्ध, बौधिसत्व, राजा–रानियों की आकृतियों आदि को रखा गया है। अजंता की गुफा संख्या 1 में बोधिसत्व पद्मपाणि, वज्रपाणि आदि के चित्र उल्लेखनीय हैं।

बाघ के चित्र दैनिक जीवन की घटनाओं पर आधारित हैं। एलोरा में बोधिसत्व के चित्र नहीं प्राप्त होते। बादामी के गुहा मंदिरों में से तीन ब्राह्मण और एक जैन धर्म से संबंधित हैं।

109. (a) आंध्र प्रदेश राज्य सरकार वेबसाइट के अनुसार श्रीकाकुलम जिले में स्थित अरसवल्ली में सूर्य मंदिर स्थित है अत: (1) सही है।

- मैसूर स्थित श्री ओमकारेश्वर मंदिर भगवार शिव के दिए प्रसिद्ध है।
- अमरकंटक (म.प्र.) में सूर्य मंदिर नहीं हैं।

110. (c) ऋग्वैदिक काल के लोग (आर्य) कवच और शिरस्त्राण का प्रयोग करते थे, वे युद्धप्रिय थे; किन्तु सिन्धु घाटी सभ्यता के लोग शांतिप्रिय थे तथा उनके द्वारा कवच और शिरस्त्राण के प्रयोग का कोई साक्ष्य प्राप्त नहीं है।

सिन्धु घाटी के लोगों को स्वर्ण, चांदी, ताम्र और कांस्य ज्ञान था, जिसके साक्ष्य प्राप्त होते है, किन्तु उन्हें लोहे का ज्ञान नहीं था।

सिन्धु घाटी के लोग घोड़े से परिचित थे क्योंकि सिन्धु स्थल लोथल से घोड़े की लघु मृण्मूर्ति तथा सुरकोटदा से घोड़े की अस्थियाँ प्राप्त हुई हैं। अतः कथन 1 और 3 सही हैं।

111. (b) ऐतिहासिक ग्रंथों के अनुसार वर्तमान कृष्ण जिला में एक समुद्री पत्तन था जो मोटुपल्ली के नाम से जाना जाता था तथा जो गणपति राज्य का भाग था। यह काकतीय शासकों के लिए अति महत्त्वपूर्ण था। 1289–93 के मध्य भारत के दौरे पर रहने वाला मार्कोपोलो ने मटफिली के रूप एक राज्य का वर्णन किया था, जिसकी शासिक रुद्रमा देवी थी।

112. (b) 'स्थानकवासी', श्वेताम्बर जैन सम्प्रदाय का एक उपसम्प्रदाय है। इसकी स्थापना 1653 के आसपास लवजी नामक एक व्यापारी ने की थी। इस सम्प्रदाय की मान्यता है कि भगवान निराकार है, अत: यह किसी मूर्ति की पूजा नहीं करते।

113. (c) बौद्ध दर्शन में उल्लेखित परलोक सिद्धान्त के अनुसार, मैत्रेय शब्द का शाब्दिक अर्थ भावी बुद्ध है। मैत्रेय बुद्ध 5वें बुद्ध के रूप में होंगे, जिनका आविर्भाव इस युग में होगा। इस प्रकार, मैत्रेय बुद्ध को भविष्य बुद्ध के रूप में माना जाता है, जो अभी तक इस युग में प्रकट नहीं हुआ है। विभिन्न बौद्ध सूत्रों जैसे अमिताभ सूत्र, साथ ही कमल सूत्र के अनुसार मैत्रेय बुद्ध को अजीता कहा जाता है। इस प्रकार मैत्रेय भावी बुद्ध हैं, जो संसार की रक्षा हेतु अवतरित होंगे।

114. (a) सही सुमेलन है –

शिल्प	किस राज्य की परम्परा
1. पुधुक्कुलि शॉल	तमिलनाडु
2. सुजनी	बिहार
3. उप्पाडा जामदानी साड़ी	आन्ध्र प्रदेश

115. (b) थांग-टा नृत्य भारत के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की पारंपरिक मार्शल आर्ट है। 'थांग' का मतलब है तलवार तथा 'टा' का मतलब भाला होता है। यह मूल रुप से हमले और रक्षा का एक नकली लड़ाई है।

नोट्स खोंगजोम पर्व एक लोकप्रिय गाथागीत शैली है जो 1891 मे ब्रिटिश सेना और मणिपुरी प्रतिरोध बलों के बीच लड़ी गई खोंगजोम की लड़ाई का एक संगीतमय वर्णन है।

स्रोत *Khonjom Parva : incredibleindia.org*

116. (c) सहगौरा उत्तर प्रदेश के वर्तमान गोरखपुर जिले में अवस्थित है। यहाँ पाए गए अभिलेख चंद्रगुप्त मौर्य के शासन काल के हैं। साहगौरा अभिलेख में सूखे से पीड़ित प्रजा को राहत देने की बात कही गई है।

117. (a) कनगनाहल्ली कर्नाटक के सन्नती से लगभग 3 किमी दूर है। एक महत्त्वपूर्ण बौद्ध स्थल है जहाँ एक प्राचीन महास्तूप बौद्ध स्थल मिला है। यहाँ के खंडहर हो चुके बौद्ध स्तूप से अशोक का पहला उत्कीर्ण चित्र (महिला परिचारिकाओं और रानियों से घिरा हुआ), प्रपट किया गया था। उत्खनन में पाए गए यहाँ कि सबसे महत्त्वपूर्ण खोज में राया अशोक नाम का एक पत्थर की नक्काशीदार स्लैब शामिल है।

118. (d) भगवान बुद्ध के निर्वाण के 100 वर्षों बाद बौद्धों में मतभेद उभरकर सामने आने लगे थे। वैशाली में संपन्न द्विवितीय बौद्ध संगीति में थेर भिक्षुओं ने मतभेद करने वाले भिक्षुओं को संघ से बाहर निकाल दिया। अलग हुए इन भिक्षुओं ने उसी समय अपना अलग से संघ बना लिया तथा स्वंय को महासांघिक नाम दिया। तथा जिन्होंने निकाला था उन्हें हीनसांघिक नाम दिया गया। जो आगे चलकर महायान तथा हीनयान शाखाएं कहलाई।

महायान शाखा के लोग नवीनतावादी विचारधारा के थे। महायान शाखा का अर्थ है– बोधिसत्व (गुणों का स्थानान्तरण) अर्थात् हम कह सकते हैं कि बुद्ध की कृपा से मोक्ष प्राप्त किया। उसके बाद दूसरे लोगों को भी मोक्ष प्राप्त करने में सहायता देना ही बोधिसत्व है। इसके अनुयायी कहते हैं कि अधिकतर मनुष्यों के लिए निर्वाण का मार्ग अकेले ढूंढ़ना मुश्किल या असंभव है तथा उन्हें इस कार्य में सहायता मिलनी चाहिए। इन लोगों का मानना है कि जब तक ईश्वर की कृपा नहीं होगी तब तक निर्वाण प्राप्त नहीं होगा। भारत में वैदिक काल के पतन और अनीश्वरवादी धर्म के उत्थान के बाद मूर्तिपूजा का प्रचलन शुरू हुआ। बुद्ध के परिनिर्वाण के बाद मूर्तिपूजा का प्रचलन बढ़ा और हजारों की संख्या में संपूर्ण देश में बौद्ध विहार बनने लगे, जिसमें बुद्ध की मूर्तियाँ रखकर उनकी पूजा होने लगी।

119. (a) समकालीन लेखों में 'विष्टि' बेगारका भी उल्लेख मिलता है। संभवत: इस काल में यह भी एक प्रकार का कर था। इसे राज्य के लिए आय का एक श्रोत माना जाता था। वात्सायन के कामसूत्र से पता चलता है कि गाँवों, में किसान स्त्रियों को मुखिया के घर के विविध प्रकार के काम, जैसे अनाज रखना, घर की सफाई, खेतों पर काम करना आदि करने के लिए बाध्य किया जाता था और इसके बदले में उन्हें कोई मजूदरी नहीं मिलती थी। कुछ विद्वान इस विवरण के आधार पर गुप्तकाल में विष्टि के व्यापक रूप से प्रचलित होने का निष्कर्ष निकालते हैं।

120. (d) विजयनगर साम्राज्य कला की हर विधा का पोषक रहा है। संगीत, साहित्य व स्थापत्य सभी क्षेत्रों में इस शासन के दौरान उल्लेखनीय विकास हुआ। द्रविड़ कला के अंतर्गत गणना किये जाने के बावजूद यह कहा जा सकता है कि विजयनगर ने मंदिर वास्तुकला में कई नए तत्त्व जोड़े। विजयनगर दौर में एक नवीन मंडप चलन में आया, जिसे 'कल्याण मंडप' कहा गया। यह गर्भ गृह के बगल में एक खुला प्रांगण होता था जिसमें देवी देवताओं से संबंधित समारोह एवं विवाहोत्सव आदि आयोजित किए जाते थे।

121. (c) बौद्ध धर्म में 'परिपूर्णता' या कुछ गुणों का चरमोन्नयन की स्थिति को परामिता या पारमी (पालि) कहा गया है। बौद्ध धर्म में इन गुणों का विकास पवित्रता की प्राप्ति, कर्म को पवित्र करने आदि के लिए की जाती है ताकि साधक अनावरुद्ध जीवन जीते हुए भी ज्ञान की प्राप्ति कर सके। 'परामिता' शब्द 'परम्' से व्युत्पन्न है। महायान ग्रन्थों में छ:, दशभूमिकासूत्र में चार तथा थेरवाद ग्रन्थों में दस परामिता वर्णित हैं।

स्रोत *तमिलनाडु बोर्ड, कक्षा 11 (नया संस्करण)*

122. (c) पुष्यमित्र शुंग दूसरी शताब्दी ई. पू. में थे, इनका जन्म 185 ई. पू. में हुआ था, जबकि पाणिनि छठी शताब्दी ई. पू. में थे। पतंजलि पुष्यमित्र शुंग से सम्बंधित थे। 'महाभाष्य' पतंजलि के द्वारा रचित व्याकरण शास्त्र है, जिसमें लिखा है– 'इह पुष्यमित्रम् यजामहे' (यहाँ हम पुष्यमित्र के लिए यज्ञ करते हैं)। अमरसिंह चन्द्रगुप्त द्वितीय अथवा चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य से सम्बंधित हैं। राजशेखिर लिखित कवि मीमांसा के अनुसार अमरसिंह ने उज्जयिनी में काव्यकार परीक्षा उत्तीर्ण की थी। कालिदास, चन्द्रगुप्त द्वितीय से संबन्धित हैं। वे चन्द्रगुप्त द्वितीय के नौरत्नों में शामिल थे। चन्द्रगुप्त द्वितीय के नौरत्न थे– **धन्वंतरि, क्षपणक, अमरसिंह, शंकु, बेताल भट्ट, घटखर्पर, कालिदास, वराहमिहिर और वररुचि।**

स्रोत *NCERT कक्षा 11, अध्याय 11, भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति*

123. (b) स्थाविरवाद हीनयान बौद्ध धर्म से संबद्ध है। "स्थाविरवाद" अथवा 'थेरवाद' शब्द का अर्थ है- 'श्रेष्ठ जनों की बात'। बौद्ध धर्म की इस शाखा में पाली भाषा में लिखे हुए प्राचीन त्रिपिटक धार्मिक ग्रंथों का पालन करने पर बल दिया जाता है। थेरवाद अनुयायियों का कहना है कि इससे वे बौद्ध धर्म को उसके मूल रूप में मानते हैं। इनके लिए तथागत बुद्ध एक महापुरुष अवश्य हैं, लेकिन कोई देवता नहीं। वे उन्हें पूजते नहीं और न ही उनके धार्मिक समारोहों में बुद्ध-पूजा होती है। जहाँ महायान बौद्ध परम्पराओं में देवी-देवताओं जैसे बहुत से दिव्य जीवों को माना जाता है, वहाँ थेरवाद बौद्ध परम्पराओं में ऐसी किसी हस्ती को नहीं पूजा जाता। थेरवादियों का मानना है कि हर मनुष्य को स्वयं ही निर्वाण का मार्ग ढूंढ़ना होता है। इन समुदायों में युवकों के भिक्षुक बनने को बहुत शुभ माना जाता है और यहाँ यह परम्परा भी है कि युवक कुछ दिनों के लिए भिक्षु बनकर फिर गृहस्थ में लौट जाता है। पहले जमाने में 'थेरवाद' को 'हीनयान शाखा' कहा जाता था, लेकिन अब बहुत विद्वान कहते हैं कि यह दोनों अलग हैं। थेरवाद या स्थाविरवाद वर्तमान काल में बौद्ध धर्म की दो प्रमुख शाखाओं में से एक है।

124. (c) • राजा भोज के अधीन प्रतिहारों का उदय: रामभद्र (833 ई. – 836 ई) ने नागभट्ट द्वितीय का स्थान प्राप्त किया। मिहिर भोज (836ई..886ई.) ने पश्चिम, बंगाल से पूर्व, और दक्षिण से नर्मदा की सीमा तक प्रतिहार प्रभुत्व का विस्तार किया।

- महेंद्रवर्मन के तहत पल्लव शक्ति की स्थापना: महेंद्रवर्मन (571ई. 630ई.) के शासनकाल के दौरान पल्लव एक प्रमुख शक्ति बन गए।
- चोल शक्ति की स्थापना: (907-950)।
- पाल वंश की स्थापना गोपाल द्वारा की गई। वह एक स्थानीय सरदार था, जो 8 वीं शताब्दी के मध्य में अराजकता के दौर में सत्ता में आया था।

125. (c) हुंडी एक वित्तीय साधन है जो व्यापार और ऋण लेनदेन में उपयोग के लिए मध्यकालीन भारत में विकसित हुआ है। हुंडियों का उपयोग प्रेषण साधन के रूप में किया जाता है ताकि धन को उधार लेने के लिए क्रेडिट साधन के रूप में और व्यापार लेनदेन में विनिमय के बिल के रूप में एक स्थान से दूसरे स्थान पर धन स्थानांतरित किया जा सके। उसमें किसी व्यक्ति को बिना शर्त आदेश दिया हुआ होता है कि इस विपत्र के धारक को या उसमें अंकित व्यक्ति को उसमें अंकित धनराशि दे दी जाए।

126. (a) गुप्तकाल में भूमि की माप का पैमाना था-

1. निर्वतन, 2. कुल्यावाप, 3. द्रोणवाप, 4. आढ़वाप.

1 कुल्यावाप = 8 द्रोणवाप = 32 आढ़वाप

स्रोत *तमिलनाडु बोर्ड कक्षा-11 (नया संस्करण)*

127. (a) यह उद्धरण अशोक के एक शिलालेख (मुख्य स्तम्भ लेख12) से लिया गया है। इसमें अशोक का संपादन है- "जो कोई भी अपने धर्म की प्रशंसा करता है, वह अत्यधिक भक्ति के कारण करता है, और दूसरों को इस विचार के साथ निंदा करता है; मुझे अपने धर्म का महिमामंडन करने दो, केवल अपने ही धर्म को हानि पहुँचाता है।" इसलिए संपर्क (धर्मों के बीच) अच्छा है। दूसरों द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों को सुनना और उनका सम्मान करना चाहिए। राजा पियदसी, भगवान के प्रिय, की इच्छा है कि सभी अन्य धर्मों के अच्छे सिद्धांतों को अच्छी तरह से सीखे।"

128. (a) मध्यकाल में विदिशा शहर को भेलसा के नाम से जाना जाता था। विदिशा भारत के मध्य प्रदेश राज्य का एक प्राचीन शहर है। यह प्राचीन काल में बेसनगर के रूप में जाना जाता था। द्वारसमुद्र आधुनिक हैलविड का प्राचीन नाम था। यह होयसल वंश के राजाओं की राजधानी था, जो वर्तमान कर्नाटक क्षेत्र पर शासन करते थे। गुजरात में जूनागढ़ के निकट गिरनार पर्वत है। गिरनार का प्राचीन नाम 'गिरिनगर' था। गिरनार मुख्यत: जैन मतावलंबियों का पवित्र तीर्थ स्थान है। यहां मल्लिनाथ और नेमिनाथ के मंदिर बने हुए हैं। यहीं पर सम्राट अशोक का एक स्तंभ भी है। थानेसर या थानेश्वर (स्थानीश्वर) हरियाणा का एक ऐतिहासिक नगर एवं हिन्दुओं का तीर्थ है। यह सरस्वती (घग्गर) नदी के तट पर स्थित है। थानेसर एक पुराना शहर है जो कुरूक्षेत्र जिले में सरस्वती घग्गर नदी के तट पर स्थित है। यह शहर दिल्ली से 160 किमी. की दूरी पर स्थित है। इस शहर पर हर्षवर्धन के पिता प्रभाकरवर्धन के द्वारा शासन किया गया था। वह वर्धन वंश के पहले शासक थे और उनकी राजधानी स्थानेश्वरा थी, जो वर्तमान में थानेसर में स्थित है।

129. (a) गुप्त काल में, आंतरिक और बाहरी दोनों तरह के व्यापार होते थे। रोमन साम्राज्य से व्यापार पश्चिमी भारत में कल्याण, चौल, ब्रोच और कैंबे के बंदरगाहों के माध्यम से होता था। गुप्त काल के दौरान आंध्र क्षेत्र में बंदरगाह कडुरा और घंटशाला तथा ये कावेरीपट्टनम और टोंडाई पांड्या क्षेत्र के बंदरगाह थे जहाँ से विदेशों से व्यापार किये जाते थे।

130. (b) श्रमण परम्परा भारत में प्राचीन काल से जैन, बौद्ध तथा कुछ अन्य पन्थों में पायी जाती है। जैन भिक्षु या जैन साधु को श्रमण कहते हैं, जो पूर्णत: हिंसादि का प्रत्याख्यान करता और सर्वविरत कहलाता है। श्रमण को पाँच महाव्रतों – सर्वप्राणपात, सर्वमृषावाद, सर्वअदत्तादान, सर्वमैथुन और सर्वपरिग्रह को तन, मन तथा कर्म से पालन करना पड़ता है। यह कोई पद पुजारी नहीं होता है।

नोट्स एक ओर शैववाद और वैष्णव वाद तथा दूसरी ओर बौद्ध व जैन धर्म के श्रमणिक संप्रदायों के बीच संघर्ष के शुरूआती उदाहरण पल्लव काल के दौरान हुए।

131. (b) वे तात्कालिक समय के प्रसिद्ध नाटककार थे। क्षेमेश्वर का 'चण्डकौशिक 'हस्तिमल्ल का 'विक्रान्तकौरव 'तथा भवभूति का महावीर चरित्र, प्रसिद्ध नाटक है ।

132. (a) अजंता पूरे तीस गुफाओं का समूह है जिसे घोड़े की नाल के आकार में पहाड़ों को काटकर बनाया गया है और इसके सामने वाघोरा नदी बहती है। गुफाओं के पास मौजूद गांव अजंता के नाम पर इन गुफाओं का नाम पड़ा। अजंता केव्स में जहां 30 गुफाओं का समूह है, वहीं एलोरा की गुफाओं में 34 मोनेस्ट्रीज और मंदिर हैं जो पहाड़ के किनारे पर करीब 2 किलोमीटर के हिस्से में फैला हुआ है।

133. (c) चौसठ योगिनी मंदिर, मुरैना, जिसे एकट्टसो महादेव मंदिर भी कहा जाता है, लगभग सौ फीट ऊँची एक अलग पहाड़ी के ऊपर खड़ा है, यह गोलाकार मंदिर नीचे खेती किए गए खेतों का शानदार दृश्य प्रस्तुत करता है। इस मंदिर का नामकरण इसके हर कक्ष में शिवलिंग की उपस्थिति के कारण किया गया है। यह गोलाकार मंदिर है। भारत में गोलाकार मंदिरों की संख्या बहुत कम है। यह उन मंदिरों में से एक है। यह एक योगिनी मंदिर है जो चौंसठ योगिनियों को समर्पित है। मंदिर की संरचना इस प्रकार है कि कई भूकम्प के झटके झेलने के बाद भी यह मंदिर सुरक्षित है। यह भूकंपीय क्षेत्र तीन में है। कई जिज्ञासु आगंतुकों ने इस मंदिर की तुलना भारतीय संसद भवन (संसद भवन) से की है क्योंकि दोनों ही शैली में गोलाकार हैं। कई लोगों ने निष्कर्ष निकाला है कि यह मंदिर संसद भवन के पीछे का प्रेरणा स्त्रोत था।

134. (a) धोलावीरा में खनन के दौरान अनेक गहरे कुएँ, नाले जलाशय इत्यादि किले के भीतर एवं इर्द-गिर्द पाये गये। यहाँ तक कि नहरों पर बाँध बने होने के प्रमाण मिले हैं। इससे यह ज्ञात होता है कि धोलावीरा के प्राचीन नगर वासियों को जल एकत्रित करना एवं बारिश का पानी भली-भाँति एकत्र करना आता था। धोलावीरा की जमीनी/सतह की ऊँचाई भी नहरों में बढ़े हुये पानी के स्तर से काफी ज्यादा थी। हड़प्पा काल के शहर बहुत ही कुशलतापूर्वक एवं योजनापूर्वक बनाये एवं बसाये गये थे। इसका तात्पर्य है कि धोलावीरा में पाई जाने वाली असीम रूप से मोटी दीवारों के निर्माण के पीछे भी कोई अन्य मुख्य कारण होगा।

135. (b) गुप्त साम्राज्य के पतन के परिणामस्वरूप उत्तर भारत में विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में शासक वंशों का उदय हुआ। इनमें प्रमुख रहे: थानेसर के पुष्यभूति, कन्नौज के मौखरी एवं वलभी के मैत्राक। भारतीय प्रायद्वीप में भी राजनीतिक परिदृश्य भिन्न नहीं था। दक्षिण तथा उत्तरी तमिलनाडु में क्रमश: चालुक्य तथा पल्लव मजबूत राजनीतिक शक्तियों के रूप में प्रकट हुए।

136. (d) • बुर्जहोम- एक नवपाषाण स्थल है, जो गड्ढों में निवास के लिए जाना जाता है। इसमें रॉक कट श्राइन नहीं हैं।

- गणेश्वर- ताम्रपाषाण संस्कृति स्थल, आईवीसी के समकालीन। यह तांबा गलाने के लिए जाना जाता है।
- चंद्रकेतुगढ़- बंगाल में स्थित।
- मौर्य काल के बाद का स्थल, टेराकोटा की मूर्तियों और छवि के लिए जाना जाता है।
- चंद्रकेतुगढ़- एनसीईआरटी कक्षा-12 में उल्लेखित- भारतीय इतिहास के विषय- भाग 1, लेकिन टेराकोटा कला का कोई उल्लेख नहीं।

137. (b) दायभाग जीमूतवाहनकृत एक प्राचीन हिन्दू धर्मग्रंथ है, जिसके मत का प्रचार बंगाल में है। 'दायभाग' का शाब्दिक अर्थ है, पैतृक धन का विभाग अर्थात् बाप दादे या संबंधी की संपत्ति के पुत्रों, पौत्रों या संबंधियों में बाँटे जाने की व्यवस्था। बपौती या विरासत की मालिकियत को वारिसों या हकदारों में बाँटने का कायदा कानून।

138. (b) यह "प्राचीन और मध्यकालीन इतिहास" से संबन्धित प्रश्न है। धौली ओडिशा में स्थित है। एर्रगुडी आंध्र प्रदेश में स्थित है। जौगड़ ओडिशा में स्थित है। कालसी उत्तराखंड में स्थित है। केवल दो युग्म सही हैं। यह एक कठिन प्रश्न है क्योंकि इसमें आपको सम्राट अशोक के सभी शिलालेख याद रखने होंगे।

स्रोत *http://www.columbia.edu/itc/ealac/landesman summer_public_html/week1/maps/ashokamap.html*

139. (b) संगम युग के कवियों को वर्ण का सामाजिक वर्गीकरण ज्ञात था। इसमें अरशर (राजा), वैश्यियर (व्यापारी) और वेलालर (किसान) का उल्लेख है। ब्राह्मणों का भी उल्लेख है। हालाँकि, 'चार वर्ण वर्गीकरण' का प्राचीन तमिल समाज में बहुत कम अनुप्रयोग था। वर्गीकरण का अधिक प्रासंगिक आधार कुटी था जो वंश-आधारित वंश समूह थे। हालांकि वंश और वंशानुगत व्यवसायों से जुड़े, कुटी समूहों के बीच अंतर-भोजन और सामाजिक बातचीत पर कोई वास्तविक प्रतिबंध नहीं था।

140. (b) अवदानशतक या "सेंचुरी ऑफ नोबल डीड्स (अवदान)" संस्कृत में एक सौ बौद्ध किंवदंतियों का एक संकलन है, जो लगभग उसी समय अशोकवदन के रूप में है। अतः, 3 जैन ग्रंथ नहीं है, और इसलिए तीन विकल्पों को अमान्य कर दिया गया है। केवल संभव विकल्प (b) है।

स्रोत *https://en.wikipedia.org/wiki/Avadanasataka*

141. (c) आर्यदेव (तीसरी शताब्दी) एक महायान बौद्ध भिक्षु, नागार्जुन के शिष्य और एक मध्यमक दार्शनिक थे। अधिकांश स्रोत इस बात से सहमत हैं कि वह "सिंहल" से थे, जिसे कुछ विद्वान श्रीलंका के रूप में मानते हैं।
दिग्नाग (480 ईस्वी - 540 ईस्वी) एक भारतीय बौद्ध विद्वान और भारतीय तर्कशास्त्र के बौद्ध संस्थापकों में से एक थे।
श्री नाथमुनि (823 –951 ईस्वी) एक वैष्णव धर्मशास्त्री थे जिन्होंने नलयिर दिव्य प्रबंधम को संकलित किया था।
केवल दो युग्म सुमेलित हैं।

142. (b) अर्थशास्त्र के 13वें अध्ययन में दासों और मजदूरों से संबंधित नियमों का उल्लेख किया गया है। इस अध्याय के अनुसार विकल्प 2 और 3 सही हैं। इस अध्याय में विकल्प 1 का उल्लेख नहीं है। अत: विकल्प 1 गलत है।
अर्थशास्त्र के अनुसार कोई व्यक्ति या तो जन्म से या स्वेच्छा से खुद को बेचकर, या युद्ध में कैद होकर, या न्यायिक दंड के परिणामस्वरूप गुलाम हो सकता है। दासता एक मान्यता प्राप्त संस्था थी और स्वामी व दास के बीच संबंध कानूनी रूप से परिभाषित थे जैसे, यदि एक महिला दास ने अपने मालिक के पुत्र को पैदा किया है, तो न केवल वह कानूनी रूप से स्वतंत्र होती थी बल्कि बच्चा मालिक के बेटे की कानूनी स्थिति का हकदार होता था। अत: तीनों कथन सही हैं।

स्रोत *https://ncjindalps.com/pdf/HUMANITIES/The%20Kautilya %20Arthashastra%20-%20Chanakya.pdf http://indiansaga.com/others/slavery.html*

143. (b) कोरकई, पूम्पुहर और मुसिरी (वर्तमान तमिलनाडु) भारत के दक्षिणी क्षेत्र के प्राचीन बंदरगाह शहर हैं। ये शहर अपने ऐतिहासिक महत्व और समुद्री व्यापार और वाणिज्य से जुड़े होने के लिए जाने जाते हैं।

नोट्स **कोरकई:** कोरकई एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर था जो प्राचीन काल में फला-फूला, खासकर तमिल संगम साहित्य के समय (लगभग 300 ईसा पूर्व से 300 सीई)। यह तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले में स्थित था।

- **पूम्पुहर (कावेरीपट्टिनम):** पूम्पुहर, जिसे कावेरीपट्टिनम के नाम से भी जाना जाता है, समुद्री व्यापार के समृद्ध इतिहास वाला एक और प्राचीन बंदरगाह शहर है। यह तमिलनाडु के नागपट्टिनम जिले में कावेरी नदी के किनारे स्थित था।
- **मुसिरी (मुजिरिस):** मुसिरी, जिसे मुजिरिस के नाम से भी जाना जाता है, वर्तमान केरल में स्थित एक प्राचीन बंदरगाह शहर था, जो कोडुंगल्लुर शहर के पास था। यह प्राचीन और मध्यकाल के दौरान हिंद महासागर व्यापार नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र था।

144. (d) वटकिरुत्तल, वडकिरुथल और वडकिरुत्तल मृत्युपर्यंत उपवास का एक तमिल अनुष्ठान था। यह संगम युग के दौरान विशेष रूप से व्यापक था। इस अनुष्ठान के अनुसार, तमिल राजा, अपने सम्मान और प्रतिष्ठा को बचाने के लिए, उत्तर की ओर मुंह करके अपनी मृत्यु का सामना करने के लिए तैयार थे ('वटकिरुत्तल') और वे युद्ध में कभी भी पीछे नहीं हटते थे।

145. (a) धान्यकटक भारत में आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में अमरावती के पास एक शहर है, यह प्राचीन धान्यकटक का स्थान है जो सातवाहन साम्राज्य की राजधानी थी, जिसे आंध्र के नाम से भी जाना जाता है, जिसने पहली से तीसरी शताब्दी के आसपास दक्कन में शासन किया था।

146. (b) ***कथन 1 गलत है:*** स्तूप एक पूर्व-बौद्ध तुमुली है जिसमें श्रमणों को बैठने की स्थिति में दफनाया गया था। मूल रूप से, स्तूप मिट्टी या पत्थरों के साधारण टीले थे जो महत्वपूर्ण घटनाओं या दफन स्थलों के लिए स्मारक मार्कर के रूप में काम करते थे।
कथन 2 सही है: स्तूप के प्राथमिक कार्यों में से एक अवशेष के भंडार के रूप में कार्य करना है। अवशेष बुद्ध से जुड़ी वस्तुएं हैं: जैसे उनके भौतिक अवशेष, व्यक्तिगत सामान या उनके द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुएं। उन्हें पवित्र माना जाता है और बौद्ध धर्म में महान आध्यात्मिक महत्व रखते हैं।
कथन 3 सही है: स्तूप मन्नत और स्मारक उद्देश्यों से भी जुड़े हुए हैं। स्तूप अक्सर भक्ति के कृत्यों के रूप में और बुद्ध या अन्य प्रबुद्ध प्राणियों को प्रसाद के रूप में बनाए जाते हैं। स्तूपों का निर्माण महत्वपूर्ण घटनाओं, व्यक्तियों या ऐतिहासिक स्थलों की स्मृति में भी किया जाता है।

147. (c) ***जोड़ी 1 का मिलान गलत है:*** देवी-चंद्रगुप्तम विशाखादत्त का संस्कृत नाटक है। यह गुप्त राजा रामगुप्त की कहानी है जो अपनी रानी ध्रुवदेवी को शक आक्रमणकारी को समर्पण करने का फैसला करता है, लेकिन उसका छोटा भाई चंद्रगुप्त रानी के रूप में प्रच्छन्न दुश्मन शिविर में प्रवेश करता है और दुश्मन को मारता है।

जोड़ी 2 सही सुम्मेलित है: हम्मीर महाकाव्य 15 वीं शताब्दी का भारतीय संस्कृत महाकाव्य है, जिसे जैन विद्वान नयचंद्र सूरी ने लिखा है। यह 13वीं सदी के चाहमान राजा हम्मीर की पौराणिक जीवनी है।

जोड़ी 3 सही सुम्मेलित है: ''मिलिंदपन्हो'' (''राजा मिलिंद के प्रश्न'') नागसेन (नागार्जुन) द्वारा लिखित एक प्रसिद्ध पाली बौद्ध पाठ है, जिसे थेरवाद बौद्ध परंपरा का भाग माना जाता है। यह इंडो-ग्रीक राजा मेनेंडर और बौद्ध भिक्षु नागसेन के बीच एक संवाद है।

जोड़ी 4 सही सुम्मेलित है: सोमदेव सूरी 10वीं शताब्दी ई. के एक दक्षिण भारतीय जैन भिक्षु थे। सोमदेव सूरी ने नीतिवाक्यमृतम लिखा, जो शासन कला पर एक ग्रंथ है। नीति वक्यमृतम के पाठ में उल्लेख है कि सोमदेव यशस्तिलक नामक साहित्यिक कृति के लेखक भी थे।

148. (b) जैन धर्म पुनर्जन्म में विश्वास रखता है। जन्म, मृत्यु और पुनर्जन्म का यह चक्र किसी के कर्म से निर्धारित होता है। जैनियों का मानना है कि बुरे कर्म जीवितों को नुकसान पहुंचाने के कारण होते हैं। बुरे कर्म से बचने के लिए, जैनियों को अहिंसा का अभ्यास करना चाहिए। जैनियों का मानना है कि पौधों, जानवरों और यहां तक कि कुछ निर्जीव चीजों (जैसे हवा और पानी) में भी इंसानों की तरह आत्मा होती है। अहिंसा के सिद्धांत में मनुष्यों, पौधों, जानवरों और प्रकृति को कोई नुकसान नहीं पहुँचाना शामिल है।

149. (b) **युग्म 1 गलत है:** बेसनगर जिसे विदिशा के नाम से भी जाना जाता है, आधुनिक मध्य प्रदेश में स्थित एक शहर है। बेसनगर (विदिशा) के बाहरी इलाके में, भगवान विष्णु को समर्पित विचित्र हेलियोडोरस स्तंभ खड़ा है, जिसे हेलियोडोरस नाम के एक यूनानी ने स्थापित किया था, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने हिंदू धर्म अपना लिया था और भगवान विष्णु का शिष्य बन गया था।

युग्म 2 सही है: भजा गुफाएं दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व के दौरान निर्मित 22 रॉक कट गुफाओं का एक समूह है। इस गुफा को भजे गुफाओं के नाम से भी जाना जाता है और यह महाराष्ट्र के लोनावाला के पास पुणे जिले में स्थित है। गुफाएँ महाराष्ट्र में हीनयान बौद्ध संप्रदाय से संबंधित हैं।

युग्म 3 सही है: आधुनिक तमिलनाडु के पुदुकोट्टई जिले में स्थित सीतन्नावसल गुफाएँ जैन धर्म से संबंधित हैं। प्राचीन दिनों में जैन मुनि गुफाओं और पहाड़ियों में रहते थे ताकि वे अपना तपस्वी जीवन व्यतीत कर सकें।

150. (c)

- **विकल्प (c) सही है:** मध्यमा-व्यायोग एक संस्कृत नाटक है, जिसका श्रेय भास को दिया जाता है जो एक प्रसिद्ध संस्कृत कवि थे। यह नाटक महाभारत के पात्रों के इर्द-गिर्द घूमता है, जो भीम और उनके बेटे घटोत्कच से जुड़े एक प्रकरण पर केंद्रित है।
- **विकल्प (a) गलत है:** कवि और साहित्यिक सिद्धांतकार भामह द्वारा काव्यालंकार लिखा गया। यह काव्यशास्त्र और सौंदर्यशास्त्र पर एक ग्रंथ है, जिसमें साहित्यिक अलंकरण और शैली के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई है।
- **विकल्प (b) गलत है:** ऋषि भरत मुनि द्वारा नाट्यशास्त्र लिखा गया।
- **विकल्प (d) गलत है:** व्याकरणविद पतंजलि द्वारा महाभाष्य लिखा गया। इसलिए, विकल्प (c) सही उत्तर है।

151. (c)

- **विकल्प (c) सही है:** संघभूति, एक भारतीय बौद्ध भिक्षु, जिन्होंने चौथी शताब्दी ईस्वी के अंत में चीन की यात्रा की थी, सर्वास्तिवाद विनय पर एक टिप्पणी के लेखक थे।
- **विकल्प (a) गलत है:** प्रज्ञापारमिता प्राचीन महायान बौद्धों का एक संग्रह है।
- **विकल्प (b) गलत है:** विशुद्धिमग्गा भारतीय विद्वान बुद्धघोष द्वारा लिखित एक प्रसिद्ध थेरवाद बौद्ध टिप्पणी है।
- **विकल्प (d) गलत है:** ललितविस्तर एक महायान बौद्ध ग्रंथ है जो गौतम बुद्ध के जीवन का वर्णन करता है। इसमें उनके जन्म से लेकर उनके ज्ञानोदय और उसके बाद की विभिन्न घटनाओं को शामिल किया गया है।

152. (b) **विकल्प 1 गलत है:** प्राचीन ग्रंथों में महावीर को नयापुत्त के रूप में वर्णित किया गया है। विकल्प 2 और 3 सही हैं।

153. (b)

- **जोड़ी 1 गलत:** चंद्रकेतुगढ़ पश्चिम बंगाल में स्थित है। यह संभवतः एक प्रमुख व्यापारिक स्थल है।
- **जोड़ी 2 सही:** इनामगांव, भारत के महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित है, यह एक ताम्रपाषाण (ताम्र युग) स्थल है।
- **जोड़ी 3 सही:** मंगडू, केरल में मेगालिथिक अध्ययन के लिए एक प्रागैतिहासिक स्थल है।
- **जोड़ी 4 गलत:** आंध्र प्रदेश में स्थित सालिहुंडम, अपने रॉक-कट मंदिरों के लिए नहीं जाना जाता है।

इसलिए, विकल्प (b) सही उत्तर है।

154. (b)

- **कथन 1 गलत है:** उपनिषदों में दो पक्षियों के दृष्टांत दिए गए हैं।
- **कथन 2 सही है:** पुराणों के पहले संस्करण संभवतः तीसरी और 10वीं शताब्दी ई. के बीच रचे गए थे। इसलिए, विकल्प (b) सही उत्तर है।

DISHA Publication Inc

1 संविधान एवं राजनीतिक तंत्र

1. भारत में राज्यों के बीच सहयोग और समन्वय प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित संस्थाओं में कौन-सी संविधानेत्तर और विधीत्तर संस्था/संस्थाएँ हैं? **[1995]**
1. राष्ट्रीय विकास परिषद्
2. राज्यपाल सम्मेलन
3. आंचलिक परिषद्
4. अन्तर्राज्यीय परिषद्

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये:
(a) 1 और 2 (b) 1, 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) केवल 4

2. निम्नलिखित में कौन-कौन से विषय हैं जिन पर कम-से-कम आधे राज्यों के विधान मण्डलों के अनुसमर्थन से ही सांविधानिक संशोधन सम्भव है? **[1995]**
1. राष्ट्रपति का निर्वाचन
2. संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व
3. सातवीं अनुसूची में कोई भी सूची
4. किसी राज्य की विधान परिषद की समाप्ति

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये:
(a) 1, 2 और 3 (b) 1, 2 और 4
(c) 1, 3 और 4 (d) 2, 3 और 4

3. संविधान के अनुच्छेद 156 में उपबन्ध है कि राज्यपाल अपने पदग्रहण की तारीख से पाँच वर्ष की अपबन्ध तक पद धारण करेगा, इससे निम्नलिखित में से कौन-सा निष्कर्ष निकाला जा सकता है? **[1995]**
1. किसी राज्यपाल को उसकी पदावधि पूरी होने से पूर्व पद से नहीं हटाया जा सकता।
2. कोई राज्यपाल पाँच वर्ष की अवधि के बाद अपने पद पर बना नहीं रह सकता।

नीचे दिए हुए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) दोनों ही नहीं

4. निम्नलिखित में से किसका भारत के संविधान में तो स्पष्ट उल्लेख नहीं है पर परिपाटी के रूप में पालन किया जाता है? **[1995]**
(a) वित्त मन्त्री निम्न सदन का सदस्य होना चाहिए
(b) प्रधानमन्त्री यदि निम्न सदन में बहुमत खो दे तो उसे त्यागपत्र दे देना चाहिए
(c) मन्त्रिपरिषद् में भारत के सभी भागों का प्रतिनिधित्व हो
(d) अपनी पदावधि की समाप्ति से पूर्व ही राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति दोनों के एकसाथ पदत्याग करने पर संसद के निम्न सदन का अध्यक्ष राष्ट्रपति का कार्य वहन करे

5. संविधान के 73वें संशोधन में पंचायती राज के क्षेत्र में निम्नलिखित में से कौन-सा एक प्रस्तावित नहीं किया गया था? **[1997]**
(a) सभी निर्वाचित ग्रामीण स्थानीय निकायों में सभी स्तरों पर, 30% सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रखी जाएँगी
(b) पंचायती राज संस्थाओं के लिए संसाधनों के नियन्त्रण के लिए राज्य अपने-अपने वित्त आयोगों का गठन करेंगे
(c) पंचायती राज के निर्वाचित कार्यकर्ता अपने पद पर कार्य करने के लिए अयोग्य ठहराए जाएँगे, यदि इनकी दो से अधिक सन्तानें हैं
(d) यदि पंचायती राज निकायों का राज्य सरकार द्वारा अधिक्रमण या विघटन कर दिया जाता है तो छः महीने की अवधि में चुनाव कराए जाएँगे

6. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं। एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है– **[1997]**
कथन (A) : संसद और राज्य विधानमण्डलों में महिलाओं के लिए तैंतीस प्रतिशत सीटों के आरक्षण के लिए संविधान संशोधन की आवश्यकता नहीं है।
कारण (R) : चुनाव लड़ने वाले राजनैतिक दल, बिना किसी संविधान संशोधन के जितनी सीटों पर वे चुनाव लड़ रहे हैं उसके तैंतीस प्रतिशत का महिलाओं के लिए नियतन कर सकते हैं।
ऊपर के दोनों वक्तव्य के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही है?
(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है
(b) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या नहीं करता है
(c) A सही है परन्तु R गलत है
(d) A गलत है परन्तु R सही है

7. भारत के संविधान में निम्नलिखित में से क्या कथित है? **[1997]**
1. राष्ट्रपति संसद के किसी भी सदन का सदस्य नहीं होगा।
2. संसद राष्ट्रपति और दो सदनों से मिलकर बनेगी।

निम्नलिखित कूट में से सही उत्तर चुनिए–
(a) 1 और 2 में से कोई भी नहीं (b) 1 और 2 दोनों
(c) केवल 1 (d) केवल 2

8. निम्नलिखित अवतरण में:
"हम भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी, पन्थनिरपेक्ष लोकतन्त्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास धर्म और उपासना की स्वतन्त्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज 'X' एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं 'X' का अर्थ है: **[1997]**
(a) 26 जनवरी, 1950 ई. (b) 26 नवम्बर, 1949 ई.
(c) 26 जनवरी, 1949 ई. (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

9. भारत के संविधान की निम्नलिखित में से कौन-सी एक अनुसूची में दल-बदल विरोधी कानून विषयक प्रावधान है? **[1998]**
(a) दूसरी अनुसूची (b) पाँचवीं अनुसूची
(c) आठवीं अनुसूची (d) दसवीं अनुसूची

10. भारतीय संविधान मान्यता देता है: **[1999]**
(a) केवल धार्मिक अल्पसंख्यकों को
(b) केवल भाषायी अल्पसंख्यकों को
(c) धार्मिक और भाषायी अल्पसंख्यकों को
(d) धार्मिक, भाषायी और नृजातीय अल्पसंख्यकों को

11. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए **[1999]**
भारतीय संविधान में कोई संशोधन लाने का उपक्रमण किया जा सकता है:
1. लोकसभा द्वारा
2. राज्यसभा द्वारा
3. राज्य विधानमण्डलों द्वारा
4. राष्ट्रपति द्वारा

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(a) केवल 1 (b) 1, 2 और 3
(c) 2, 3 और 4 (d) 1 और 2

DISHA Publication Inc.

12. जन प्रतिनिधित्व (संशोधन) अधिनियम, 1996 द्वारा निर्वाचन विधि में हुए हाल के संशोधन के विषय में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[1999]**

1. भारतीय राष्ट्रीय ध्वज अथवा भारत के संविधान के अपमान के अपराध के लिए किसी दोष सिद्धि को तिथि से 6 वर्षों के लिए संसद और राज्य विधानमण्डलों के चुनाव लड़ने की अयोग्यता हो जाएगी।
2. लोकसभा के लिए चुनाव लड़ने हेतु अभ्यर्थी द्वारा जमा किए जाने वाले प्रतिभूति निक्षेप में वृद्धि की गई है।
3. कोई अभ्यर्थी अब एक से अधिक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन के लिए खड़ा नहीं हो सकता ।
4. चुनाव लड़ने वाले किसी अभ्यर्थी की मृत्यु हो जाने पर अब किसी निर्वाचन को प्रत्यादिष्ट नहीं किया जा सकता।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) 2 और 3 (b) 1, 2 और 4
(c) 1 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

13. 73वाँ संशोधन अधिनियम, 1992 निर्दिष्ट करता है: **[2000]**

(a) ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगार एवं अल्परोजगार वाले पुरुषों एवं महिलाओं के लिए अर्जनशील रोजगार का सृजन
(b) मन्द कृषि मौसम की अवधि में सहायतार्थ कार्य हेतु इच्छुक समर्थांग वयस्कों के लिए रोजगार का सृजन
(c) देश में मजबूत एवं जीवन्त पंचायती राज संस्थाओं की बुनियाद रखना
(d) जीवन के अधिकार, व्यक्ति की स्वतन्त्रता एवं सुरक्षा, विधि के समक्ष समता एवं बिना भेदभाव के सुरक्षा की गारन्टी

14. संविधान के किस अनुच्छेद में यह व्यवस्था की गई है कि प्रत्येक राज्य शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की पर्याप्त सुविधाओं की व्यवस्था करने का प्रयास करेगा: **[2001]**

(a) अनुच्छेद 349 (b) अनुच्छेद 350
(c) अनुच्छेद 350 (क) (d) अनुच्छेद 351

15. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक भारत के संविधान की चौथी अनुसूची को सही-सही वर्णित करता है? **[2001]**

(a) इसमें संघ और राज्यों के बीच शक्तियों का वितरण सूचीबद्ध है
(b) इसमें संविधान में सूचीबद्ध भाषाएँ हैं
(c) इसमें जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के सम्बन्ध में प्रावधान है
(d) इसमें राज्यसभा में स्थानों का आवंटन है

16. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए: **[2001]**

सूची-I (संविधान में संशोधन)	सूची-II (विषय वस्तु)
A. संविधान (उनहत्तरवाँ संशोधन) अधिनियम, 1991	1. राज्यस्तरीय किराया अधिकरणों की स्थापना
B. संविधान (पचहत्तरवाँ संशोधन) अधिनियम, 1994	2. अरूणाचल प्रदेश में पंचायतों में अनुसूचित जातियों के लिए कोई आरक्षण नहीं
C. संविधान (अस्सीवाँ संशोधन) अधिनियम, 2000	3. गाँवों या अन्य स्थानीय स्तरों पर पंचायतों का संगठन
D. संविधान (तिरासीवाँ संशोधन) अधिनियम, 2000	4. दसवें वित्त आयोग की सिफारिशों को स्वीकारना
	5. दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का दर्जा देना

कूट:

	A	B	C	D
(a)	5	1	4	2
(b)	1	5	3	4
(c)	5	1	3	4
(d)	1	5	4	2

17. यदि भारत संघ के एक नए राज्य का सृजन करना हो तो संविधान की निम्नलिखित अनुसूचियों में किस एक को अवश्य संशोधित किया जाना चाहिए? **[2001]**

(a) पहली (b) दूसरी
(c) तीसरी (d) पाँचवीं

18. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए: **[2001]**

सूची-I (संविधान का अनुच्छेद)	सूची-II (अन्तर्वस्तु)
A. अनुच्छेद 54	1. भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन
B. अनुच्छेद 75	2. प्रधानमन्त्री और मन्त्रिपरिषद् की नियुक्ति
C. अनुच्छेद 155	3. राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति
D. अनुच्छेद 164	4. राज्य के मुख्यमन्त्री और मन्त्रिपरिषद्
	5. विधान सभाओं की संरचना

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	1	2	3	5
(c)	2	1	3	5
(d)	2	1	4	3

19. भारतीय संविधान के निम्नलिखित में से किस एक संशोधन द्वारा राष्ट्रपति को कोई भी मामला मन्त्रिपरिषद द्वारा पुनर्विचार किए जाने के लिए वापस भेजने का अधिकार दिया गया है? **[2002]**

(a) 39 वाँ (b) 40 वाँ (c) 42 वाँ (d) 44 वाँ

20. संविधान का 93 वाँ संशोधन सम्बन्धित है: **[2002]**

(a) सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण जारी रखने से
(b) 6 और 14 वर्ष के बीच की आयु के बच्चों को नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा से
(c) सरकारी भर्तियों में महिलाओं के लिए 30% पदों के आरक्षण से
(d) हाल ही में गठित राज्यों को और अधिक संसदीय स्थानों के आवंटन से

21. सूची-I (भारतीय संविधान का अनुच्छेद) को सूची-II (प्रावधान के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए: **[2002]**

सूची-I (भारतीय संविधान का अनुच्छेद)	सूची-II (प्रावधान)
A. अनुच्छेद 16 (2)	1. किसी भी व्यक्ति को कानून के प्राधिकार के सिवाय उसकी सम्पत्ति से वंचित नहीं किया जाएगा
B. अनुच्छेद 29 (2)	2. किसी भी व्यक्ति के साथ उसके वंश धर्म अथवा जाति के आधार पर सार्वजनिक नियुक्ति के मामले में भेदभाव नहीं किया जा सकता।
C. अनुच्छेद 30 (I)	3. सभी अल्पसंख्यकों को चाहे वे धर्म के आधार पर हों या भाषा के आधार पर अपनी पसन्द की शैक्षिक संस्थाएँ स्थापित करने और उन्हें संचालित करने का मौलिक अधिकार होगा।
D. अनुच्छेद 31 (I)	4. किसी भी नागरिक को धर्म, वंश, जाति, भाषा या इनमें से किसी भी आधार पर राज्य द्वारा सम्पोषित अथवा राज्य के सहायता प्राप्त करन वाली किसी भी शैक्षिक संस्था में प्रवेश से वंचित नहीं किया जाएगा।

कूट:

	A	B	C	D
(a)	2	4	3	1
(b)	3	1	2	4
(c)	2	1	3	4
(d)	3	4	2	1

22. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धान्तों को भारतीय संविधान में शामिल किए जाने का उद्देश्य है: **[2002]**
(a) राजनैतिक प्रजातन्त्र को स्थापित करना
(b) सामाजिक प्रजातन्त्र को स्थापित करना
(c) गांधीवादी प्रजातन्त्र को स्थापित करना
(d) सामाजिक और आर्थिक प्रजातन्त्र को स्थापित करना

23. राज्य नीति के निदेशक सिद्धान्तों के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से कौन-सा अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा के संवर्धन से सम्बन्धित है? **[2002]**
(a) 51 (b) 48 क
(c) 43 क (d) 41

24. भारतीय संविधान में 9वीं अनुसूची परिवर्धित हुई: **[2003]**
(a) प्रथम संशोधन द्वारा (b) आठवें संशोधन द्वारा
(c) नौवें संशोधन द्वारा (d) 42 वें संशोधन द्वारा

25. जब केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल ने (वर्ष 2002 में) चुनावी सुधारों पर अध्यादेश में बिना किसी बदलाव के उसे राष्ट्रपति को वापस भेजा तब राष्ट्रपति ने भारतीय संविधान के कौन-से अनुच्छेद के अन्तर्गत उसे अपनी सहमति दी?
(a) अनुच्छेद 121 (b) अनुच्छेद 122 **[2003]**
(c) अनुच्छेद 123 (d) अनुच्छेद 124

26. गुजरात में विधानसभा के चुनाव (वर्ष 2002 में) को स्थगित करने के चुनाव आयोग के निर्णय की विधि मान्यता पर उच्चतम न्यायालय की राय जानने के लिए राष्ट्रपति ने उच्चतम न्यायालय से अनुरोध भारतीय संविधान के कौन-से अनुच्छेद के अन्तर्गत किया? **[2003]**
(a) अनुच्छेद 142 (b) अनुच्छेद 143
(c) अनुच्छेद 144 (d) अनुच्छेद 145

27. संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह बाह्य आक्रमण तथा आन्तरिक गड़बड़ी से प्रत्येक राज्य की रक्षा करे। ऐसा प्रावधान भारतीय संविधान के निम्न अनुच्छेदों में से किस एक में है? **[2003]**
(a) अनुच्छेद 215 (b) अनुच्छेद 275
(c) अनुच्छेद 325 (d) अनुच्छेद 355

28. सूची-I (भारतीय संविधान के मद) को सूची-II (जिस देश से अपनाया गया) से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए: **[2003]**

सूची-I (भारतीय संविधान के मद)	सूची-II (जिस देश से अपनाया गया)
A. राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धान्त	1. ऑस्ट्रेलिया
B. मूल-अधिकार	2. कनाडा
C. संघ-राज्य सम्बन्धों की समवर्ती सूची	3. आयरलैण्ड
D. भारत राज्यों का संघ है तथा संघ में अधिक शक्ति निहित है	4. यूनाइटेड किंगडम
	5. संयुक्त राज्य अमेरिका

कूट:
	A	B	C	D
(a)	5	4	1	2
(b)	3	5	2	1
(c)	5	4	2	1
(d)	3	5	1	2

29. निम्न सांविधानिक संशोधनों में से कौन-से राज्यों से निर्वाचित होने वाले लोकसभा के सदस्यों की संख्या वृद्धि करने से सम्बन्धित हैं? **[2003]**
(a) 6वाँ और 22 वाँ (b) 13वाँ और 38वाँ
(c) 7वाँ और 31वाँ (d) 11वाँ तथा 42वाँ

30. भारतीय संविधान की निम्न दी गई अनुसूचियों में से कौन-सी एक राज्य के नामों की सूची तथा उनके राज्य-क्षेत्रों का ब्योरा देती हैं? **[2003]**
(a) पहली (b) दूसरी
(c) तीसरी (d) चौथी

31. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन भारत के संविधान की चौथी अनुसूची (Fourth Schedule) का सही वर्णन करता हैं? **[2004]**
(a) इसमें संघ तथा राज्यों में शक्तियों के वितरण की रूपरेखा अन्तर्विष्ट है
(b) इसमें संविधान में सूचित भाषाएँ (Listed languages) दी गई हैं
(c) इसमें जनजातीय क्षेत्रों (Tribal region) के प्रशासन से सम्बन्धित उपबन्ध अन्तर्विष्ट हैं
(d) इसमें राज्यसभा में स्थानों के आवंटन (Allocation) से सम्बन्धित जानकारी अन्तर्विष्ट है

32. भारत के संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किसके अनुसार प्रत्येक राज्य की कार्यपालिका शक्ति का इस प्रकार प्रयोग किया जाएगा जिससे संघ की कार्यपालिका शक्ति के प्रयोग में कोई अड़चन न हो या उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े? **[2004]**
(a) अनुच्छेद 257 (b) अनुच्छेद 258
(c) अनुच्छेद 355 (d) अनुच्छेद 358

33. सूची-I (भारत के संविधान के अनुच्छेद) को सूची-II (उपबन्ध) से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए: **[2004]**

सूची-I (भारत के संविधान के अनुच्छेद)	सूची-II (उपबन्ध)
A. अनुच्छेद 14	1. राज्य किसी नागरिक के विरुद्ध केवल धर्म, मूल, वंश, जाति, लिंग, जन्मस्थान या इनमें से किसी के आधार पर कोई विभेद नहीं करेगा।
B. अनुच्छेद 15	2. राज्य, भारत के राज्य क्षेत्र में किसी व्यक्ति को विधि के समक्ष समता से या विधियों के समान संरक्षण से वंचित नहीं करेगा।
C. अनुच्छेद 16	3. 'अस्पृश्यता' का अन्त किया जाता है और उसका किसी भी रूप में आचरण निषिद्ध किया जाता है।
D. अनुच्छेद 17	4. राज्य के अधीन किसी पद पर नियोजन या नियुक्ति से सम्बन्धित विषयों में सभी नागरिकों के लिए अवसर की समता होगी।

कूट:
	A	B	C	D
(a)	2	4	1	3
(b)	3	1	4	2
(c)	2	1	4	3
(d)	3	4	1	2

34. भारत के संविधान के निम्नलिखित कौन से अनुच्छेद में उपबन्ध है कि चौदह वर्ष से कम उम्र के किसी बालक को किसी कारखाने या खान में काम करने के लिए नियोजित (Employed to work) नहीं किया जाएगा या किसी अन्य परिसंकटमय नियोजन (Hazardous employment) में नहीं लगाया जाएगा?
(a) अनुच्छेद 24 (b) अनुच्छेद 45 **[2004]**
(c) अनुच्छेद 330 (d) अनुच्छेद 368

35. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2005]**
1. भारत के संविधान के भाग IX में पंचायतों से सम्बन्धित उपबन्ध है और उसे संविधान (73 वाँ संशोधन) अधिनियम, 1992 द्वारा अन्तःस्थापित किया गया है।
2. भारत के संविधान के भाग IX A में नगरपालिकाओं से सम्बद्ध उपबन्ध हैं तथा अनुच्छेद 243Q के अनुसार प्रत्येक राज्य के लिए दो प्रकार की नगरपालिकाएँ हो सकती हैं–नगरपालिका परिषद् और नगर निगम।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? **[2005]**
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनों 1 व 2 (d) न ही 1 व न ही 2

36. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2005]**
1. नागालैण्ड, असम, मणिपुर, आन्ध्र प्रदेश, सिक्किम, मिजोरम, अरूणाचल प्रदेश तथा गोवा की प्रादेशिक माँगों को देखते हुए भारत के संविधान में अनुच्छेद 371 (A) से लेकर 371 (I) अन्तर्विष्ट किए गए।

DISHA Publication Inc

2. भारत तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधानों में राजतन्त्र (संघ और राज्य) हैं, किन्तु नागरिकता इकहरी है।
3. कोई व्यक्ति जो देशीयकरण द्वारा भारत का नागरिक है, कभी भी अपनी नागरिता से वंचित नहीं किया जा सकता।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) 1, 2 और 3 (b) 1 और 3
(c) केवल 3 (d) केवल 1

37. संविधान का 98वाँ संशोधन अधिनियम किससे सम्बद्ध है? **[2005]**
(a) सेवा कर के विनियोजन तथा उगाही के लिए केन्द्र को अधिकार देना
(b) राष्ट्रीय न्यायिक आयोग का गठन
(c) जनगणना-2001 के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का पुन: समायोजन
(d) राज्यों के बीच नई सीमाओं का सीमांकन

38. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2005]**
1. भारत के संविधान में 20 भाग हैं।
2. भारत के संविधान में कुल 390 अनुच्छेद हैं।
3. भारत के संविधान में नवीं, दसवीं, बारहवीं अनुसूचियों को संविधान (संशोधन) अधिनियम द्वारा जोड़ा गया।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

39. निम्नलिखित में से संविधान सभा की संघ संविधान समिति (Union Constitution Committee) का अध्यक्ष कौन था? **[2005]**
(a) बी. आर. अम्बेडकर (b) जे. बी. कृपलानी
(c) जवाहरलाल नेहरू (d) अलादि कृष्णास्वामी अय्यर

40. भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची की संघ सूची में निम्नलिखित में से कौन-सा एक विषय सम्मिलित है? **[2006]**
(a) खानों और तेल-क्षेत्रों में श्रम और सुरक्षा का विनियमन
(b) कृषि (c) मात्स्यिकी (d) लोक स्वास्थ्य

41. 104वाँ संविधान संशोधन विधेयक किससे सम्बन्धित था? **[2006]**
(a) कुछ राज्यों में विधान परिषदों के उत्सादन समाप्त किए जाने से
(b) भारत के बाहर रहने वाले भारतीय मूल के लोगों के लिए द्वैध नागरिकता आरम्भ करने से
(c) निजी शिक्षा संस्थानों में सामाजिक तथा शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों के लिए कोटा प्रदान करने से
(d) केन्द्र सरकार के अधीन नौकरियों पर धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए कोटा प्रदान करने से

42. निम्नलिखित में से कौन-सा आयोग भारत के संविधान के एक अनुच्छेद के अन्तर्गत सुस्पष्ट उपबन्ध के पालन में गठित हुआ? **[2006]**
(a) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
(b) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग
(c) निर्वाचन आयोग
(d) केन्द्रीय सतर्कता आयोग

43. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें: **[2006]**
1. भारत के 76वें संविधान संशोधन द्वारा 6-14 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा राज्य द्वारा दिया जाना एक मौलिक अधि कार संस्थापित किया गया।
2. सर्वशिक्षा अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में भी कम्प्यूटर शिक्षा प्रदान करना चाहता है।
3. शिक्षा को भारत के संविधान में 42वें संशोधन 1976 द्वारा समवर्ती सूची में शामिल किया गया था।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?
(a) 1, 2 तथा 3 (b) केवल 1 तथा 2
(c) केवल 2 तथा 3 (d) केवल 1 तथा 3

44. निम्नलिखित संविधान संशोधन अधिनियमों में से किस एक में यह प्रावधान है कि केन्द्र और किसी राज्य में मन्त्रिपरिषद् का आकार, क्रमश: लोकसभा के सदस्यों की कुल संख्या व उस राज्य की विधानसभा के सदस्यों की कुल संख्या के 15% से अधिक नहीं होगा? **[2007]**
(a) 91वाँ (b) 93वाँ (c) 95वाँ (d) 97वाँ

45. निम्नलिखित में से कौन-सा/से राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में शामिल है/हैं?
1. मानव के दुर्व्यापार और बलात् श्रम का प्रतिषेध। **[2008]**
2. मादक पेयों और स्वास्थ्य के लिए हानिकर औषधियों, औषधीय प्रयोजनों से भिन्न, उपभोग का प्रतिषेध।

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

46. भारत के संविधान की किस अनुसूची में विभिन्न राज्यों में अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन और नियन्त्रण के लिए विशेष उपबन्ध है? **[2008]**
(a) तीसरी (b) पाँचवीं
(c) सातवीं (d) नौवीं

47. निम्नलिखित संविधान संशोधन अधिनियमों में से किस एक के अन्तर्गत, भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में चार भाषाएँ जोड़ी गईं, जिससे उनकी संख्या बढ़कर 22 हो गई? **[2008]**
(a) संविधान (नब्बेवाँ संशोधन) अधिनियम
(b) संविधान (इक्यानवेवाँ संशोधन) अधिनियम
(c) संविधान (बानवेवाँ संशोधन) अधिनियम
(d) संविधान (तिरानवेवाँ संशोधन) अधिनियम

48. निम्नलिखित संविधान संशोधनों में से कौन-सा एक बताता है कि मन्त्रिमण्डल में कुल मन्त्रियों की संख्या, प्रधानमन्त्री को सम्मिलित करते हुए लोकसभा के सदस्यों की कुल संख्या के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होगी? **[2009]**
(a) 90वाँ (b) 91वाँ
(c) 92वाँ (d) 93वाँ

49. भारत के संविधान के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. मूल अधिकार 2. मूल कर्तव्य **[2010]**
3. राज्य के नीति निर्देशक तत्व

भारत सरकार द्वारा आरम्भ किए गए राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम में भारत में संविधान के उपरोक्त उपबन्धों में से कौन-सा/से पूरे होता है/होते हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 3 (c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

50. भारतीय संविधान के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन-सा मूल कर्तव्य नहीं है?
(a) लोक चुनावों में मतदान करना **[2011-I]**
(b) वैज्ञानिक प्रवृत्ति विकसित करना
(c) सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना
(d) संविधान के प्रति निष्ठावान रहना और उसके आदर्शों का सम्मान करना

51. भारतीय संविधान में प्रतिष्ठापित राज्य की नीति के निदेशक तत्वों के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रावधानों पर विचार कीजिए: **[2012 - I]**
1. भारतीय नागरिकों के लिए समान नागरिक (सिविल) संहिता सुरक्षित करना
2. ग्राम पंचायतों को संगठित करना
3. ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित करना
4. सभी कर्मकारों के लिए यथोचित अवकाश तथा सांस्कृतिक अवसर सुरक्षित करना

उपर्युक्त में से कौन-से गाँधीवादी सिद्धान्त हैं, जो राज्य की नीति के निदेशक तत्त्वों में प्रतिबिम्बित होते हैं? **[2012 - I]**
(a) केवल 1, 2 और 4 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

52. निम्नलिखित विशेषाधिकारों में से कौन-से भारत के संविधान द्वारा राज्य सभा को प्रदत्त किये जाते हैं? **[2012 - I]**
(a) राज्य का वर्तमान राज्यक्षेत्र परिवर्तित करना और राज्य का नाम परिवर्तित करना

(b) संसद को, राज्य सूची में नियम बनाने और एक अथवा एकाधिक अखिल भारतीय सेवाओं का सृजन करने हेतु सशक्त बनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित करना
(c) राष्ट्रपति की निर्वाचन-प्रक्रिया में संशोधन करना और राष्ट्रपति की सेवानिवृत्ति के पश्चात् उसकी पेंशन निर्धारित करना
(d) चुनाव आयोग के क्रियाकलापों का निर्धारण करना और चुनाव आयुक्तों की संख्या निर्धारित करना

53. भारतीय संविधान के निम्नलिखित में से कौन-से प्रावधान शिक्षा पर प्रभाव डालते हैं? **[2012 - I]**
1. राज्य की नीति के निदेशक तत्व 2. ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकाय
3. पंचम अनुसूची 4. षष्ठ अनुसूची 5. सप्तम अनुसूची
निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए :
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3, 4 और 5
(c) केवल 1, 2 और 5 (d) 1, 2, 3, 4 और 5

54. भारतीय संविधान के अनुसार, भारत के राष्ट्रपति का यह कर्तव्य है कि वे निम्नलिखित में से किसको/किनको संसद के पटल पर रखवाए?
1. संघ वित्त आयोग की सिफारिशों को **[2012 - I]**
2. लोक लेखा समिति के प्रतिवेदन को
3. नियंत्रक-महालेखा परीक्षक के प्रतिवेदन को
4. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के प्रतिवेदन को
निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए :
(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

55. भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त नागरिकों के मूल कर्तव्यों में निम्नलिखित में से क्या है/हैं? **[2012 - I]**
1. मिश्रित संस्कृति की समृद्ध विरासत की रक्षा
2. सामाजिक अन्याय से कमजोर वर्गों की रक्षा
3. वैज्ञानिक मनोदशा और खोज की भावना का विकास
4. वैयक्तिक और सामूहिक कार्यकलापों के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए प्रयत्न
निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए :
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 1, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

56. भारत के संविधान में केन्द्र और राज्यों के बीच किए गए शक्तियों का विभाजन इनमें से किसमें उल्लिखित योजना पर आधारित है?
(a) मोरले-मिन्टो सुधार, 1909 **[2012 - I]**
(b) मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड अधिनियम, 1919
(c) भारत सरकार अधिनियम, 1935
(d) भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947

57. भारतीय इतिहास के सन्दर्भ में, प्रान्तों से संविधान सभा के सदस्य
(a) उन प्रान्तों के लोगों द्वारा सीधे निर्वाचित हुए थे। **[2013 - I]**
(b) भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस तथा मुस्लिम लीग द्वारा नामित हुए थे।
(c) प्रान्तीय विधान सभाओं द्वारा निर्वाचित हुए थे।
(d) सरकार द्वारा, संवैधानिक मामलों में उनकी विशेषज्ञता के लिए चुने गए थे।

58. भारत के संविधान के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा, देश के शासन के लिए आधारभूत है? **[2013 - I]**
(a) मूल अधिकार
(b) मूल कर्तव्य
(c) राज्य की नीति के निदेशक तत्व
(d) मूल अधिकार तथा मूल कर्तव्य

59. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2013 - I]**
1. भारत के संविधान में संशोधन केवल लोक सभा में एक विधेयक की पुनर्स्थापना द्वारा ही प्रारम्भ किया जा सकता है।
2. यदि ऐसा संशोधन संविधान के संघीय चरित्र में परिवर्तन की माँग करता है, तो संशोधन का अनुसमर्थन भारत के सभी राज्यों के विधानमण्डल द्वारा किया जाना भी आवश्यक है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

60. निम्नलिखित में से किस निकाय/किन निकायों का संविधान में उल्लेख नहीं है? **[2013 - I]**
1. राष्ट्रीय विकास परिषद् 2. योजना आयोग 3. क्षेत्रीय परिषदें
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

61. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2013 - I]**
1. राष्ट्रीय विकास परिषद्, योजना आयोग का एक अंग है।
2. आर्थिक और सामाजिक योजना को भारत के संविधान की समवर्ती सूची में रखा गया है।
3. भारत का संविधान यह विहित करता है कि पंचायतों को आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय की योजना बनाने का कार्यभार दिया जाना चाहिए।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

62. भारत के संविधान के उद्देश्यों में से एक के रूप में 'आर्थिक न्याय' का किसमें उपबन्ध किया गया है? **[2013-I]**
(a) उद्देशिका और मूल अधिकार
(b) उद्देशिका और राज्य की नीति के निदेशक तत्व
(c) मूल अधिकार और राज्य की नीति के निदेशक तत्व
(d) उपर्युक्त में से किसी में नहीं

63. भारत के संविधान की निम्नलिखित में से कौन-सी एक अनुसूची में दल-बदल विरोध विषयक उपबन्ध हैं? **[2014-1]**
(a) दूसरी अनुसूची (b) पांचवीं अनुसूची
(c) आठवीं अनुसूची (d) दसवीं अनुसूची

64. भारत के संविधान में अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का कहां उल्लेख है? **[2014-1]**
(a) संविधान की उद्देश्िका में
(b) राज्य की नीति के निदेशक तत्वों में
(c) मूल कर्तव्यों में
(d) नौवीं अनुसूची में

65. भारत के संविधान में पांचवीं अनुसूची और छठी अनुसूची के उपबन्ध निम्नलिखित में से किसलिए किए गए हैं? **[2015-1]**
(a) अनुसूचित जनजातियों के हितों के संरक्षण के लिए
(b) राज्यों के बीच सीमाओं के निर्धारण के लिए
(c) पंचायतों की शक्तियों, प्राधिकारों और उत्तरदायित्वों के निर्धारण के लिए
(d) सभी सीमावर्ती राज्यों के हितों के संरक्षण के लिए

66. निम्नलिखित में से कौन भारत के संविधान का अभिरक्षक (कस्टेडियन) है? **[2015-1]**
(a) भारत का राष्ट्रपति (b) भारत का प्रधानमंत्री
(c) लोक सभा सचिवालय (d) भारत का उच्चतम न्यायालय

67. ''भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण रखें।'' यह उपबन्ध किसमें किया गया है? [2015-1]
(a) संविधान की उद्देशिका (b) राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व
(c) मूल अधिकार (d) मूल कर्तव्य

68. भारत के संविधान में कल्याणकारी राज्य का आदर्श किसमें प्रतिष्ठापित है? [2015-1]
(a) उद्देशिका (b) राज्य की नीति के निदेशक तत्व
(c) मूल–अधिकार (d) सातवीं अनुसूची

69. राज्य की नीति के निदेशक तत्वों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजीए: [2015-1]
1. ये तत्व देश के सामाजिक–आर्थिक लोकतंत्र की व्याख्या करते हैं।
2. इन तत्वों में अन्तर्विष्ट उपबन्ध किसी न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय (एन्फोर्सिएबल) नहीं हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

70. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? [2016-1]
1. लोक सभा में लम्बित कोई विधेयक उसके सत्रावसान पर व्यपगत (लैप्स) हो जाता है।
2. राज्य सभा में लम्बित कोई विधेयक, जिसे लोक सभा ने पारित नहीं किया है, लोक सभा के विघटन पर व्यपगत नहीं होगा।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

71. राष्ट्र हित में भारत की संसद राज्य सूची के किसी भी विषय पर विविध शक्ति प्राप्त कर लेती है यदि इसके लिए एक संकल्प: [2016-1]
(a) लोक सभा द्वारा अपनी संपूर्ण सदस्यता के साधारण बहुमत से पारित कर लिया जाए
(b) लोक सभा द्वारा अपनी संपूर्ण सदस्य संख्या के कम-से-कम दो-तिहाई बहुमत से पारित कर लिया जाए
(c) राज्य सभा द्वारा अपनी संपूर्ण सदस्यता के साधारण बहुमत से पारित कर लिया जाए
(d) राज्य सभा द्वारा अपने उपस्थित एवं मत देने वाले सदस्यों के कम-से-कम दो-तिहाई बहुमत से पारित कर लिया जाए

72. निम्नलिखित उद्देश्यों में से कौन–सा एक भारत के संविधान की उद्देशिका में सन्निविष्ट नहीं है? [2017 - I]
(a) विचार की स्वतंत्रता (b) आर्थिक स्वतंत्रता
(c) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (d) विश्वास की स्वतंत्रता

73. भारत के संविधान के निर्माताओं का मत निम्नलिखित में से किसमें प्रतिबिंबित होता है? [2017 - I]
(a) उद्देशिका
(b) मूल अधिकार
(c) राज्य की नीति के निदेशक तत्व
(d) मूल कर्तव्य

74. भारत के संविधान में शोषण के विरुद्ध अधिकार द्वारा निम्नलिखित में से कौन–से परिकल्पित हैं? [2017 - I]
1. मानव देह व्यापार और बंधुआ मजदूरी (बेगारी) का निषेध
2. अस्पृश्यता का उन्मूलन
3. अल्पसंख्यकों के हितों की सुरक्षा
4. कारखानों और खदानों में बच्चो के नियोजन का निषेध
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
(a) केवल 1, 2 और 4 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

75. निम्नलिखित कथनों में से कौन–सा एक सही है? [2017 - I]
(a) अधिकार नागरिकों के विरुद्ध राज्य के दावे हैं।
(b) अधिकार वे विशेषाधिकार हैं जो किसी राज्य के संविधान में समाविष्ट हैं।
(c) अधिकार राज्य के विरुद्ध नागरिकों के दावे हैं।
(d) अधिकार अधिकांश लोगों के विरुद्ध कुछ नागरिकों के विशेषाधिकार है।

76. निम्नलिखित कथनों में से कौन–सा/से भारतीय नागरिक के मूल कर्तव्यों के विषय में सही है/हैं? [2017 - I]
1. इन कर्तव्यों को प्रवर्तित करने के लिए एक विधायी प्रक्रिया दी गई है।
2. वे विधिक कर्तव्यों के साथ परस्पर संबंधित है।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

77. भारत के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा अधिकारों और कर्तव्यों के बीच सही संबंध है? [2017 - I]
(a) अधिकार कर्तव्यों के साथ सह–संबंधित है।
(b) अधिकार व्यक्तिगत है अतः समाज और कर्तव्यों से स्वतंत्र है।
(c) नागरिक के व्यक्तित्व के विकास के लिए अधिकार, न कि कर्तव्य, महत्वपूर्ण है।
(d) राज्य के स्थायित्व के लिए कर्तव्य, न कि अधिकार, महत्वपूर्ण है।

78. संविधान के 42वें संशोधन द्वारा, निम्नलिखित में से कौन–सा सिद्धान्त राज्य की नीति के निदेशक तत्वों में जोड़ा गया था? [2017-I]
(a) पुरुष और स्त्री दोनों के लिए समान कार्य का समान वेतन
(b) उद्योगों के प्रबन्धन में कामगारों की सहभागिता
(c) काम, शिक्षा और सार्वजनिक सहायता पाने का अधिकार
(d) श्रमिकों के लिए निर्वाह–योग्य वेतन एवं काम की मानवीय दशाएँ सुरक्षित करना

79. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: [2017- I]
भारत के संविधान के सन्दर्भ में, राज्य की नीति के निदेशक तत्व
1. विधायिका के कृत्यों पर निर्बन्धन करते हैं।
2. कार्यपालिका के कृत्यों पर निर्बन्धन करते हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

80. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए : [2018-1]
1. भारत की संसद किसी कानून विशेष को भारत के संविधान की नौवीं अनुसूची में डाल सकती है।
2. नौवीं अनुसूची में डाले गए किसी कानून की वैधता का परीक्षण किसी न्यायालय द्वारा नहीं किया जा सकता एवं उसके ऊपर कोई निर्णय भी नहीं किया जा सकता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

81. भारतीय शासन अधिनियम, 1935 के द्वारा स्थापित संघ में अवशिष्ट शक्तियाँ किसे दी गई थीं? [2018-1]
(a) संघीय विधान-मण्डल को (b) गवर्नर जनरल को
(c) प्रांतीय विधान-मण्डल को (d) प्रांतीय राज्यपालों को

82. विधि और स्वाधीनता के बीच सबसे उपयुक्त संबंध को निम्नलिखित में से कौन प्रतिबिम्बित करता है? [2018-1]
(a) यदि विधियाँ अधिक होती हैं तो स्वाधीनता कम होती है।
(b) यदि विधि नहीं हैं तो स्वाधीनता भी नहीं है।
(c) यदि स्वाधीनता है तो विधि-निर्माण जनता को करना होगा।
(d) यदि विधि-परिवर्तन बार-बार होता है तो वह स्वाधीनता के लिए ख़तरा है।

83. निम्नलिखित में से किनको "विधि के शासन" के प्रमुख लक्षणों के रूप में माना जाएगा?
1. शक्तियों का परिसीमन
2. विधि के समक्ष समता
3. सरकार के प्रति जन-उत्तरदायित्व
4. स्वतन्त्रता और नागरिक अधिकार

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए : **[2018-1]**
(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

84. निजता के अधिकार को जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतन्त्रता के अधिकार के अंतर्भूत भाग के रूप में संरक्षित किया जाता है। भारत के संविधान में निम्नलिखित में से किससे उपर्युक्त कथन सही एवं समुचित ढंग से अर्थित होता है? **[2018-1]**
(a) अनुच्छेद 14 एवं संविधान के 42वें संशोधन के अधीन उपबंध
(b) अनुच्छेद 17 एवं भाग IV में दिए राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व
(c) अनुच्छेद 21 एवं भाग III में गारंटी की गई स्वतंत्रताएँ
(d) अनुच्छेद 24 एवं संविधान के 44वें संशोधन के अधीन उपबंध

85. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2019-1]**
1. भारत के संविधान के 44वें संशोधन द्वारा लाए गए एक अनुच्छेद ने प्रधानमंत्री के निर्वाचन को न्यायिक पुनर्विलोकन के परे कर दिया।
2. भारत के संविधान के 99वें संशोधन को भारत के उच्चतम न्यायालय ने अभिखंडित कर दिया क्योंकि यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता का अतिक्रमण करता था।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

86. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए : **[2019-1]**
1. न्यायाधीश (जाँच) अधिनियम, 1968 के अनुसार, भारत के उच्चतम न्यायालय के किसी न्यायाधीश पर महाभियोग चलाने के प्रस्ताव को लोक सभा के अध्यक्ष द्वारा अस्वीकार नहीं किया जा सकता।
2. भारत का संविधान यह परिभाषित करता है और ब्यौरे देता है कि क्या-क्या भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की 'अक्षमता और सिद्ध कदाचार' को गठित करते हैं।
3. भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के महाभियोग की प्रक्रिया के ब्यौरे न्यायाधीश (जाँच) अधिनियम, 1968 में दिए गए हैं।
4. यदि किसी न्यायाधीश के महाभियोग के प्रस्ताव को मतदान हेतु लिया जाता है, तो विधि द्वारा अपेक्षित है कि यह प्रस्ताव संसद के प्रत्येक सदन द्वारा समर्थित हो और उस सदन की कुल सदस्य संख्या के बहुमत द्वारा तथा संसद के उस सदन के कुल उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के कम-से-कम दो-तिहाई द्वारा समर्थित हो।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं।
(a) 1 और 2
(b) केवल 3
(c) केवल 3 और 4
(d) 1, 3 और 4

87. भारत के संविधान की किस अनुसूची के अधीन जनजातीय भूमि का, खनन के लिए निजी पक्षकारों को अंतरण अकृत और शून्य घोषित किया जा सकता है? **[2019-1]**
(a) तीसरी अनुसूची
(b) पाँचवीं अनुसूची
(c) नौवीं अनुसूची
(d) बारहवीं अनुसूची

88. भारत के संविधान के संदर्भ में, सामान्य विधियों में अंतर्विष्ट प्रतिषेध अथवा निर्बंधन अथवा उपबंध, अनुच्छेद 142 के अधीन सांविधानिक शक्तियों पर प्रतिषेध अथवा निर्बंधन की तरह कार्य नहीं कर सकते। निम्नलिखित में से कौन-सा एक, इसका अर्थ हो सकता है? **[2019-1]**
(a) भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय लिए गए निर्णयों को किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती ।
(b) भारत का उच्चतम न्यायालय अपनी शक्तियों के प्रयोग में संसद द्वारा निर्मित विधियों से बाध्य नहीं होता।
(c) देश में गंभीर वित्तीय संकट की स्थिति में, भारत का राष्ट्रपति मंत्रिमंडल के परामर्श के बिना वित्तीय आपात घोषित कर सकता है।
(d) कुछ मामलों में राज्य विधानमंडल, संघ विधानमंडल की सहमति के बिना, विधि निर्मित नहीं कर सकते।

89. भारत के संविधान के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. किसी भी केंद्रीय विधि को सांविधानिक रूप से अवैध घोषित करने की किसी भी उच्च न्यायालय की अधिकारिता नहीं होगी। **[2019-1]**
2. भारत के संविधान के किसी भी संशोधन पर भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रश्न नहीं उठाया जा सकता।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

90. संसदीय व्यवस्था वाली सरकार वह होती है जिसमें **[2020-I]**
(a) संसद के सभी राजनीतिक दलों का सरकार में प्रतिनिधित्व होता है
(b) सरकार संसद के प्रति उत्तरदायी होती है और उसके द्वारा हटाई जा सकती है
(c) सरकार लोगों के द्वारा निर्वाचित होती है और उनके द्वारा हटाई जा सकती है
(d) सरकार संसद के द्वारा चुनी जाती है किंतु निर्धारित समयावधि के पूर्ण होने के पूर्व हटाई नहीं जा सकती

91. भारत के संविधान का कौन-सा भाग कल्याणकारी राज्य के आदर्श की घोषणा करता है? **[2020-I]**
(a) राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व
(b) मूल अधिकार
(c) उद्देशिका
(d) सातवीं अनुसूची

92. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2020-I]**
1. भारत का संविधान अपने 'मूल ढाँचे' को संघवाद, पंथनिरपेक्षता, मूल अधिकारों तथा लोकतंत्र के रूप में परिभाषित करता है।
2. भारत का संविधान, नागरिकों की स्वतंत्रता तथा उन आदर्शों जिन पर संविधान आधारित है, की सुरक्षा हेतु 'न्यायिक पुनरावलोकन' की व्यवस्था करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

93. गाँधीवाद और मार्क्सवाद के बीच एक समान सहमति पाई जाती है। यह निम्नलिखित में से कौन-सी है? **[2020-I]**
(a) एक अंतिम लक्ष्य के रूप में राज्यविहीन समाज
(b) वर्ग संघर्ष
(c) निजी संपत्ति की समाप्ति
(d) आर्थिक नियतिवाद

94. भारत के संविधान की उद्देशिका **[2020-I]**
(a) संविधान का भाग है किंतु कोई विधिक प्रभाव नहीं रखती
(b) संविधान का भाग नहीं है और कोई विधिक प्रभाव भी नहीं रखती
(c) संविधान का भाग है और वैसा ही विधिक प्रभाव रखती है जैसा कि उसका कोई अन्य भाग
(d) संविधान का भाग है किंतु उसके अन्य भागों से स्वतंत्र होकर उसका कोई विधिक प्रभाव नहीं है

95. भारत के संविधान के भाग IV में अंतर्विष्ट प्रावधानों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? **[2020-I]**
1. वे न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय होंगे।
2. वे किसी भी न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं होंगे।

3. इस भाग में अधिकथित सिद्धांत राज्य के द्वारा कानून बनाने को प्रभावित करेंगे।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3 (d) केवल 2 और 3

96. मूल अधिकारों के अतिरिक्त, भारत के संविधान का निम्नलिखित में से कौन-सा/से भाग मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा 1948 (Universal Declaration of Human Rights 1948) के सिद्धांतों एवं प्रावधानों को प्रतिबिंबित करता/करते है/हैं? **[2020-I]**

1. उद्देशिका 2. राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व 3. मूल कर्तव्य

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

97. भारतीय संविधान के अंतर्गत धन का केन्द्रीकरण किसका उल्लंघन करता है **[2021-I]**

(a) समता का अधिकार (b) राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व
(c) स्वातंत्र्य का अधिकार (d) कल्याण की अवधारणा

98. 26 जनवरी, 1950 को भारत की वास्तविक सांविधानिक स्थिति क्या थी? **[2021-I]**

(a) लोकतंत्रात्मक गणराज्य
(b) संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य
(c) संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य
(d) संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य

99. निम्नलिखित में से कौन-सा 'राज्य' शब्द को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है? **[2021-I]**

(a) व्यक्तियों का एक समुदाय, जो बिना किसी बाह्य नियंत्रण के एक निश्चित भूभाग में स्थायी रूप से निवास करता है और जिसकी एक संगठित सरकार है।
(b) एक निश्चित भूभाग के राजनैतिक रूप से संगठित लोग, जो स्वयं पर शासन करने, कानून एवं व्यवस्था को बनाए रखने, अपने नैसर्गिक अधिकारों की रक्षा करने तथा अपनी जीविका के साधनों को सुरक्षित रखने का अधिकार रखते हैं।
(c) बहुत से व्यक्ति, जो एक निश्चित भूभाग में बहुत लंबे समय से अपनी संस्कृति, परंपरा और शासन-व्यवस्था के साथ रहते आए हैं।
(d) एक निश्चित भूभाग में स्थायी रूप से रह रहा समाज, जिसकी एक केन्द्रीय प्राधिकारी तथा केन्द्रीय प्राधिकारी के प्रति उत्तरदायी कार्यपालिका और एक स्वतंत्र न्यायपालिका है।

100. भारत के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2021-I]**

1. भारत में केवल एक ही नागरिकता और एक ही अधिवास है।
2. जो व्यक्ति जन्म से नागरिक हो, केवल वही राष्ट्राध्यक्ष बन सकता है।
3. जिस विदेशी को एक बार नागरिकता दे दी गई है, किसी भी परिस्थिति में उसे इससे वंचित नहीं किया जा सकता।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 3 (d) 2 और 3

101. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2021-I]**

1. भारत में ऐसा कोई कानून नहीं है जो प्रत्याशियों को किसी एक लोक सभा चुनाव में तीन निर्वाचन-क्षेत्रों से लड़ने से रोकता है।
2. 1991 के लोक सभा चुनाव में श्री देवी लाल ने तीन लोक सभा निर्वाचन-क्षेत्रों से चुनाव लड़ा था।
3. वर्तमान नियमों के अनुसार, यदि कोई प्रत्याशी किसी एक लोक सभा चुनाव में कई निर्वाचन-क्षेत्रों से चुनाव लड़ता है, तो उसकी पार्टी को उन निर्वाचन-क्षेत्रों के उप-चुनावों का खर्च उठाना चाहिए, जिन्हें उसने खाली किया है बशर्ते वह सभी निर्वाचन-क्षेत्रों से विजयी हुआ हो।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 3 (d) 2 और 3

102. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2022-I]**

1. एच. एन. सान्याल समिति की रिपोर्ट के अनुसरण में, न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 पारित किया गया था।
2. भारत का संविधान उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों को, अपनी अवमानना के लिए दंड देने हेतु, शक्ति प्रदान करता है।
3. भारत का संविधान सिविल अवमानना और आपराधिक अवमानना को परिभाषित करता है।
4. भारत में, न्यायालय की अवमानना के विषय में कानून बनाने के लिए संसद में शक्ति निहित है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) 1, 2 और 4
(c) केवल 3 और 4 (d) केवल 3

103. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2022-I]**

1. किसी संविधान संशोधन विधेयक को भारत के राष्ट्रपति की पूर्व सिफारिश की अपेक्षा होती है।
2. जब कोई संविधान संशोधन विधेयक भारत के राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, तो भारत के राष्ट्रपति के लिए यह बाध्यकर है कि वे अपनी अनुमति दें।
3. संविधान संशोधन विधेयक लोक सभा और राज्य सभा दोनों द्वारा विशेष बहुमत से पारित होना ही चाहिए और इसके लिए संयुक्त बैठक का कोई उपबंध नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

104. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2022-I]**

1. भारत का संविधान मंत्रियों को चार श्रेणियों, अर्थात् कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री, राज्यमंत्री और उपमंत्री, में वर्गीकृत करता है।
2. संघ सरकार में मंत्रियों की कुल संख्या, प्रधान मंत्री को मिला कर, लोक सभा के कुल सदस्यों के 15% से अधिक नहीं होनी चाहिए।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

105. भारत के निम्नलिखित संगठनों/निकायों पर विचार कीजिए: **[2023-I]**

1. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग
2. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग
3. राष्ट्रीय विधि आयोग
4. राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग

उपर्युक्त में से कितने सांविधानिक निकाय हैं?

(a) केवल एक (b) केवल दो (c) केवल तीन (d) सभी चार

106. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2023-I]**

1. भारत के संविधान के अनुसार, केन्द्र सरकार का यह एक दायित्व है कि वह राज्यों को आंतरिक विक्षोभों से बचाए।
2. भारत का संविधान राज्यों को, निवारक निरोध में रखे जा रहे किसी व्यक्ति को विधिक काउंसेल उपलब्ध कराने से छूट प्रदान करता है।

3. आतंकवाद निवारण अधिनियम, 2002 के अनुसार, पुलिस के समक्ष अभियुक्त की संस्वीकृति को साक्ष्य के रूप में प्रयुक्त नहीं किया जा सकता।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) सभी तीन (d) कोई भी नहीं

107. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन किसी देश के 'संविधान' के मुख्य प्रयोजन को सर्वोत्तम रूप से प्रतिबिंबित करता है? **[2023-I]**

(a) यह आवश्यक विधियों के निर्माण के उद्देश्य का निर्धारण करता है।
(b) यह राजनीतिक पदों और सरकार के सृजन को सुकर बनाता है।
(c) यह सरकार की शक्तियों को परिभाषित और सीमाबद्ध करता है।
(d) यह सामाजिक न्याय, सामाजिक समता और सामाजिक सुरक्षा को प्रतिभूत करता है।

108. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2023-I]**

1. यदि भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा शून्य घोषित कर दिया जाता है, तो ऐसे विनिश्चय की तिथि से पूर्व राष्ट्रपति के पद के कर्तव्यों के निष्पादन में राष्ट्रपति के द्वारा किए गए सभी कृत्य अविधिमान्य हो जाते हैं।
2. भारत के राष्ट्रपति के पद के लिए निर्वाचन इस आधार पर मुल्तवी किया जा सकता है कि कुछ विधान-सभाएँ विघटित हो गई हैं और उनके निर्वाचन अभी होने शेष हैं।
3. कोई विधेयक भारत के राष्ट्रपति को प्रस्तुत किए जाने पर, संविधान द्वारा विहित की गई समय-सीमा के अंदर राष्ट्रपति को अपनी अनुमति देनी होती है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक (b) केवल दो (c) सभी तीन (d) कोई भी नहीं

109. भारतीय संसद में वित्त विधेयक और धन विधेयक के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2023-I]**

1. जब लोक सभा वित्त विधेयक को राज्य सभा में भेजती है, तो राज्य सभा उस विधेयक को संशोधित या अस्वीकृत कर सकती है।
2. जब लोक सभा धन विधेयक को राज्य सभा में भेजती है, तो राज्य सभा उस विधेयक को संशोधित या अस्वीकृत नहीं कर सकती, वह केवल अनुशंसाएँ कर सकती है।
3. लोक सभा और राज्य सभा के बीच असहमति होने पर, धन विधेयक के लिए कोई संयुक्त बैठक नहीं होती, किन्तु वित्त विधेयक के लिए संयुक्त बैठक आवश्यक होती है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक (b) केवल दो (c) सभी तीन (d) कोई भी नहीं

110. भारत के राष्ट्रपति के निर्वाचन के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2023-I]**

1. संसद के दोनों में से किसी भी सदन या राज्यों की विधान-सभाओं में नामनिर्दिष्ट किए गए सदस्य निर्वाचकमंडल में शामिल किए जाने के लिए भी अर्ह हैं।
2. निर्वाच्य विधान-सभा सीटें जितनी अधिक होती हैं, उस राज्य के प्रत्येक एम॰ एल॰ ए॰ के वोट का मान भी उतना ही अधिक होता है।
3. मध्य प्रदेश के प्रत्येक एम॰ एल॰ ए॰ के वोट का मान, केरल के प्रत्येक एम॰ एल॰ ए॰ के वोट के मान से अधिक है।
4. पुदुच्चेरी के प्रत्येक एम॰ एल॰ ए॰ के वोट का मान, अरुणाचल प्रदेश के प्रत्येक एम॰ एल॰ ए॰ के वोट के मान से अधिक है, क्योंकि अरुणाचल प्रदेश की तुलना में पुदुच्चेरी में कुल जनसंख्या का निर्वाच्य सीटों की कुल संख्या से अनुपात अधिक है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक (b) केवल दो (c) केवल तीन (d) सभी चार

111. भारत में, निम्नलिखित में से किस संविधान संशोधन के लिए व्यापक रूप से यह माना गया है कि उसे मूल अधिकारों की न्यायिक व्याख्या को अधिभूत करने के लिए अधिनियमित किया गया? **[2023-I]**

(a) पहला संशोधन (b) 42वाँ संशोधन
(c) 44वाँ संशोधन (d) 86वाँ संशोधन

112. संविधान दिवस के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: नागरिकों के बीच सांविधानिक मूल्यों को संवर्धित करने के लिए संविधान दिवस प्रतिवर्ष 26 नवंबर को मनाया जाता है।

कथन-II: 26 नवंबर, 1949 को, भारत की संविधान सभा ने भारत के संविधान का प्रारूप तैयार करने के लिए डॉ॰ बी॰ आर॰ अम्बेडकर की अध्यक्षता में एक प्रारूपण समिति बनाई। **[2023-I]**

उपर्युक्त कथनों के बारे में, निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या है
(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
(c) कथन-I सही है किन्तु कथन-II गलत है
(d) कथन-I गलत है किन्तु कथन-II सही है

113. लोक सभा के अध्यक्ष के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2024-I]**

जब लोक सभा के अध्यक्ष को हटाने का कोई संकल्प विचाराधीन है, तब

1. वह पीठासीन नहीं होगा/होगी।
2. उसे बोलने का अधिकार नहीं होगा।
3. वह संकल्प पर प्रथमतः मत देने का/की हकदार नहीं होगा/होगी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा / कौन-से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

114. केंद्रीय बजट (यूनियन बजट) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **[2024-I]**

1. प्रधानमंत्री की ओर से केंद्रीय वित्त मंत्री संसद के दोनों सदनों के समक्ष वार्षिक वित्तीय विवरण रखते हैं।
2. केंद्रीय (यूनियन) स्तर पर, भारत के राष्ट्रपति की अनुशंसा के बिना अनुदानों की माँग नहीं की जा सकती।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

115. डॉ. राजेंद्र प्रसाद के कार्यभार संभालने से पहले संविधान सभा के अस्थायी सभापति कौन थे? **[2024-I]**

(a) सी. राजगोपालाचारी (b) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
(c) टी.टी. कृष्णमाचारी (d) डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा

116. भारत के संविधान के अनुच्छेद 368 के अनुसार, संसद निम्नलिखित में से किनके द्वारा संविधान के किसी उपबंध में संशोधन कर सकेगी? **[2024-I]**

1. परिवर्धन 2. परिवर्तन 3. निरसन

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1,2 और 3

संकेत एवं हल

1. **(b)** अंतर्राज्यीय परिषद् के गठन का प्रावधान अनुच्छेद 263 में होने के कारण यह एक संवैधानिक संस्था है, अत: विकल्प (b) सही है। राष्ट्रीय विकास परिषद् (NDC) तथा राज्यपाल सम्मेलन एवं आंचलिक परिषद् संविधानेत्तर तथा विधीत्तर संस्था हैं।
2. **(a)** अनुच्छेद 169 के अनुसार कम से कम आधे राज्यों के विधान मण्डलों के अनुसमर्थन से ही संवैधानिक संशोधन सम्भव है। अनुच्छेद 368 (2) में संशोधन प्रक्रिया का वर्णन है। इसके तहत् किसी राज्य की विधान परिषद् की समाप्ति शमिल नहीं है। इस हेतु उक्त राज्य की सहमति आवश्यक है।
3. **(d)** विकल्प (1) सही नहीं है क्योंकि अनुच्छेद 156 (1) के अनुसार राज्यपाल, राष्ट्रपति की इच्छा के अनुसार अपने पद को धारण करता है तथा राज्यपाल राष्ट्रपति के द्वारा कभी भी पद से हटाया जा सकता है। विकल्प (2) भी सही नहीं है। अनुच्छेद 156 (3) के अनुसार राज्यपाल तब तक अपना पद नहीं छोड़ता जब तक कि उसका उत्तराधिकारी अपना पद ग्रहण न कर ले।
4. **(c)**
   - संसद के किसी भी सदन का सदस्य न होने वाले व्यक्ति को भी मंत्री नियुक्त किया जा सकता है। लेकिन, छह महीने के भीतर, उसे संसद के किसी भी सदन का सदस्य (चुनाव या नामांकन द्वारा) बनना होगा, अन्यथा, वह मंत्री नहीं रह जाएगा।
   - जब तक प्रधानमंत्री को लोकसभा में बहुमत का समर्थन प्राप्त है, तब तक उसे राष्ट्रपति द्वारा बर्वास्त नहीं किया जा सकता है। हालाँकि, अगर वह लोकसभा का विश्वास खो देता है, तो उसे इस्तीफा देना होगा या राष्ट्रपति उसे बर्वास्त कर सकता है।
   - जब राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के कार्यालयों में एक साथ पद रिक्त होते हैं, तो पदधारी के हटाए जाने, मृत्यु, त्यागपत्र या अन्यथा के कारण, मुख्य न्यायाधीश – या उनकी अनुपस्थिति में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश – राष्ट्रपति के कार्यों का निर्वहन करते हैं। इस प्रकार कथन (c) सही है।
5. **(*)** अधिनियम में महिलाओं के लिए कुल सीटों की संख्या का कम-से-कम एक-तिहाई आरक्षण (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों की संख्या सहित) का प्रावधान है। इसके अलावा, प्रत्येक स्तर पर पंचायतों में अध्यक्षों के कुल पदों की संख्या का कम-से-कम एक-तिहाई महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाएगा। इसलिए कथन (a) गलत है। इस प्रकार कथन (a) और (c) दोनों ही 73वें संविधान संशोधन द्वारा प्रस्तावित नहीं किए गए थे।
6. **(d)** संसद और राज्य विधानमण्डलों में महिलाओं के लिये तैंतीस प्रतिशत सीटों के आरक्षण के लिये संविधान में संशोधन की आवश्यकता होगी।
7. **(b)** कथन (1)सही है। इसका उल्लेख अनुच्छेद 59 में किया गया है। अनुच्छेद 79 के अनुसार संघ के लिये एक संसद होगी जो राष्ट्रपति तथा दो सदनों (लोकसभा, राज्यसभा) से मिलकर बनेगी। अत: कथन 2 भी सही है।
8. **(b)** भारत का संविधान 26 नवम्बर, 1949 को प्रस्तावित किया गया तथा यह 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ।
9. **(d)** दसवीं अनुसूची 1985 में 52वें संविधान संशोधन द्वारा संविधान में जोड़ी गई। इसमें दल-बदल विरोधी कानून हैं। संविधान की दूसरी अनुसूची में मुख्य पदाधिकारियों के वेतन-भत्ते; पांचवीं अनुसूची में अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जन-जातियों के प्रशासन और नियंत्रण तथा आठवीं अनुसूची में संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त भारतीय भाषाओं का उल्लेख किया गया है।
10. **(c)** अनुच्छेद 29, 30 में धार्मिक तथा भाषाई अल्पसंख्यकों को मान्यता प्रदान की गई है। यद्यपि संविधान में अल्पसंख्यक शब्द को परिभाषित नहीं किया गया है।
11. **(d)** अनुच्छेद 368 के अनुसार भारतीय संविधान में संशोधन लाने का उपक्रम किसी भी सदन से (लोक सभा एवं राज्यसभा) प्रारम्भ किया जा सकता है।
12. **(b)** जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1996 के अनुसार भारतीय संविधान एवं भारतीय ध्वज का अपमान करने वालों को 6 वर्ष तक संसद तथा राज्य विधानसभा का चुनाव लड़ने से वंचित रखना, लोकसभा का चुनाव लड़ने हेतु अभ्यर्थी द्वारा जमा किए जाने वाले प्रतिभूति निक्षेप में वृद्धि तथा उम्मीदवार की मृत्यु पर चुनाव को प्रत्यादिष्ट रद्द न करने की व्यवस्था की गई है।
13. **(c)** 73वें संशोधन (1992) द्वारा भारतीय संविधान में भाग-9 तथा 11वीं अनुसूची जोड़ी गई। इसमें पंचायती राज व्यवस्था का प्रावधन है।

स्रोत *NCERT कक्षा 11, अध्याय -8; स्थानीय शासन*

14. **(c)** अनुच्छेद 350(क) 1956 में 7वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया। अनुच्छेद 349-भाषा के लिये उपबन्ध करने वाला कोई भी विधेयक राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद ही संसद में प्रस्तुत किया जा सकता है। अनुच्छेद 350- इसमें कोई भी व्यक्ति अपनी व्यथा निवारण के लिये संघ या राज्य में प्रयोग की जाने वाली भाषा में प्रतिवेदन दे सकता है। अनुच्छेद 351-इसमें हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देश है।
15. **(d)** भारतीय संविधान में कुल 12 अनुसूचियों का उल्लेख है। चौथी अनुसूची राज्यसभा के स्थानों के आबंटन के विषय में है।
16. **(a)** 69 वें संविधान संशोधन द्वारा दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का दर्जा का प्रावधान, 75 वें संशोधन के द्वारा राज्य स्तरीय किराया अधिकरणों की स्थापना, 80 वें संविधान संशोधन द्वारा 10वें वित्त आयोग की सिफारिशें को स्वीकार करना तथा 83वें संशोधन द्वारा अरूणाचल प्रदेश में पंचायतों में अनुसूचित जातियों के लिए कोई आरक्षण नहीं का प्रावधान किया गया है।
17. **(a)** संविधान की प्रथम अनुसूची में भारत संघ में शामिल राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों का उल्लेख है। इसलिये नये राज्य के सृजन के लिये इस अनुसूची को संशोधित करना आवश्यक होगा।

नोट्स अनुच्छेद 2 के प्रावधानों के अनुसार पहली और चौथी अनुसूची में संशोधन कर के कोई भी नया राज्य जोड़ा जाता है।

18. **(a)** भारतीय संविधान के अनु॰ 54 के अंतर्गत भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन, अनु॰ 75 के अंतर्गत प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद् की नियुक्ति, अनु॰ 155 के अंतर्गत राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति तथा अनु॰ 164 के अंतर्गत राज्य के मुख्यमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् का उल्लेख है।
19. **(d)** 1978 में 44वें संशोधन के द्वारा संविधान में 74(1) अनुच्छेद जोड़ा गया।
20. **(b)** 93वें संविधान संशोधन विधेयक के अन्तर्गत 21(अ) जोड़ा गया तथा अनुच्छेद 45 को संशोधित कर ग्यारहवाँ नीति निर्देशक तत्व जोड़ा गया। इसमें 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए नि:शुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान था।

21. **(a)** ये सभी मौलिक अधिकार हैं जो संविधान के भाग-3 में सन्निहित हैं।

22. **(d)** भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक तत्व भाग 4 के अनुच्छेद 36 से 51 तक उल्लिखित हैं।
नीति निर्देशक तत्वों को स्थापित करने का उद्देश्य सामाजिक व आर्थिक प्रजातन्त्र की स्थापना करना है। राजनैतिक प्रजातन्त्र को स्थापित करने के लिये मौलिक अधिकारों को संविधान में शामिल किया गया।

23. **(a)** भारतीय संविधान का अनुच्छेद 51 अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा में अभिवृद्धि; अनुच्छेद 48(क) पर्यावरण संरक्षण और वन्य जीवों की रक्षा; अनुच्छेद 43 (क) उद्योगों के प्रबंधन में कामगारों की भागीदारी तथा अनुच्छेद 41 कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार की बात करता है।

24. **(a)** 9वीं अनुसूची 1951 में प्रथम संशोधन द्वारा जोड़ी गई जो भूमि सुधारों से सम्बन्धित है।

25. **(c)** अनुच्छेद 123 के अनुसार राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने की शक्ति है।

26. **(b)** अनुच्छेद 143 राष्ट्रपति को उच्चतम न्यायालय से परामर्श लेने की शक्ति प्रदान करता है।

27. **(d)** अनुच्छेद 215 – उच्च न्यायालय
अनुच्छेद 275 – राज्यों को संघ से अनुदान
अनुच्छेद 325 – मताधिकार

नोट्स संविधान का आपातकालीन प्रावधान राज्य को बाहरी आक्रमण के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है और राज्य के रूप में उनकी पहचान अथवा अस्तित्व की सुरक्षा प्रदान करता है।

28. **(d)**

भारतीय संविधान के मद		देश जहाँ से अपनाया गया
राज्य के नीति निर्देशक सिद्धान्त	–	आयरलैंड
मूल अधिकार	–	सं॰ रा॰ अमेरिका
समवर्ती सूची	–	ऑस्ट्रेलिया
भारत राज्यों का संघ है तथा संघ में अधिक शक्ति निहित	–	कनाडा

29. **(c)** 7वें संशोधन 1956 में राज्यों को, राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों में पुनर्गठित किया गया। 31वाँ संशोधन 1973 में लोकसभा की सदस्य संख्या 545 निश्चित की गई।

30. **(a)** भारतीय संविधान की दूसरी अनुसूची वेतन तथा भत्ते से सम्बन्धित है। तीसरी अनुसूची शपथ तथा प्रतिज्ञा से सम्बन्धित है। चौथी अनुसूची राज्यसभा में सीटों के वितरण से सम्बन्धित है।

31. **(d)** वर्तमान में भारतीय संविधान में 12 अनुसूचियाँ हैं। भारतीय संविधान की चौथी अनुसूची में राज्य सभा के लिए प्रत्येक राज्य तथा संघीय प्रदेश से भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों की संख्या को निर्धारित कर दिया गया है।

32. **(a)** अनुच्छेद 258 – राष्ट्रपति राज्य सरकार को उसकी सहमति से ऐसे विषयों को बिना शर्त सौंप सकता है जिन पर संघ की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार है। अनुच्छेद 355 – बाह्य आक्रमण और आन्तरिक अशान्ति से संघ द्वारा रक्षा का प्रावधान।
अनुच्छेद 358 – आपात के समय अनुच्छेद 19 द्वारा प्रदान समस्त स्वतन्त्रताओं का निलम्बन।

33. **(c)** मौलिक अधिकार संविधान के भाग-3 (अनु. 12-35 तक) में निहित है।

34. **(a)** अनुच्छेद 24 मौलिक अधिकार है, जो संविधान के भाग-3 में निहित है।

35. **(a)** 73वें संविधान संशोधन के तहत भारतीय संविधान के नौवें भाग में पंचायतों से संबंधित उपबंध तथा 11वीं अनुसूची तथा 74वें संविधान संशोधन के तहत नगर पालिकाओं से संबंधित उपबंध तथा 12वीं अनुसूची जोड़ी गयी। संविधान के भाग 243Q में तीन प्रकार की नगर पालिकाओं के गठन की व्यवस्था है। – (i) स्थानांतरित करने के लिए नगर पंचायत क्षेत्र, ग्रामीण से शहरी संक्रमण हेतु (ii) छोटे शहर के लिए नगर परिषद् तथा (iii) बड़े शहर के लिए नगर निगम।

स्रोत *NCERT कक्षा 11, अध्याय -8; स्थानीय शासन*

36. **(d)** भारतीय संविधान संघ तथा राज्यों के लिये इकहरी नागरिकता प्रदान करता है। परन्तु संयुक्त राज्य अमेरिका में दोहरी नागरिकता प्रदान की जाती है। देशीयकरण द्वारा अर्जित की गई नागरिकता को संविधान के प्रति अश्रद्धा की स्थिति में या जालसाजी करने की स्थिति में रद्द किया जा सकता है।

37. **(b)** संविधान का 98वां संशोधन विधेयक, 2003 संविधान के भाग V में अध्याय IV-A को शामिल करके एक राष्ट्रीय न्यायिक आयोग (NJC) का गठन करने का प्रयास करता है, जो उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के स्थानांतरण का प्रभारी होगा।

नोट: संविधान (98वां संशोधन) विधेयक, 2003 फरवरी, 2004 में 13वीं लोकसभा के विघटन के साथ समाप्त हो गया।

38. **(c)** वर्तमान में भारत के संविधान में 24 भाग, 12 अनुसूचियाँ तथा 444 से अधिक अनुच्छेद हैं। जबकि मूल संविधान में 22 भाग, 8 अनुसूचियाँ तथा 395 अनुच्छेद थे। नौवीं अनुसूची प्रथम संविधान संशोधन 1951 में जोड़ी गई। दसवीं अनुसूची 52 वें संशोधन 1958 में तथा ग्यारहवीं अनुसूची 73वाँ संशोधन 1992 में जोड़ी गई। 12वीं अनुसूची 74वें संशोधन द्वारा 1992 में संविधान में जोड़ी गई।

39. **(c)** संघ संविधान समिति के अध्यक्ष – जवाहर लाल नेहरू
प्रारूप समिति के अध्यक्ष – बी.आर. अम्बेडकर
झण्डा समिति के अध्यक्ष – जे.बी. कृपलानी
मौलिक अधिकार व अल्पसंख्यक समिति के अध्यक्ष – सरदार बल्लभ भाई पटेल

40. **(a)** राज्य सूची – कृषि (14), मात्स्यिकी (21), लोक स्वास्थ्य (6)
संघ सूची – खानों और तेल क्षेत्रों में श्रम और सुरक्षा का विनियमन (55)

41. **(c)** 104 वें संशोधन विधेयक या 93वाँ संशोधन अधिनियम 2006 द्वारा अनुच्छेद 15(5) संविधान में जोड़ा गया।

42. **(c)** यह प्रावधान अनुच्छेद 324 में दिया गया है।

43. **(c)** कथन (1) सही नहीं है क्योंकि यह प्रावधान 86वें संशाधन द्वारा जोड़ा गया था न कि 76वें द्वारा।

44. **(a)** यह प्रावधान 91वें संविधान संशोधन अधिनियम 2003 द्वारा जोड़ा गया।

45. **(b)** कथन (1) सही नहीं है क्योंकि यह मौलिक अधिकार है, जो भारतीय संविधान के भाग-3 के अनुच्छेद 23 में उल्लिखित है। कथन (2) राज्य के नीति निर्देशक तत्व से संबंधित है जिसका उल्लेख भारतीय संविधान के भाग IV के अनुच्छेद 47 में है।

46. **(b)** पाँचवीं अनुसूची में त्रिपुरा, आसाम, मेघालय तथा मिजोरम के अतिरिक्त अन्य अनुसूचित क्षेत्रों तथा जनजातियों के प्रशासन व नियन्त्रण के विषय में प्रावधान वर्णित है, जबकि छठी अनुसूची आसाम, मेघालय, मिजोरम व त्रिपुरा के अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन व नियन्त्रण से सम्बन्धित है। सातवीं अनुसूची में केन्द्र राज्य के बीच शक्तियों के बँटवारे के विषय में उपबन्ध हैं। तीसरी अनुसूची उम्मीदवारों द्वारा ली जाने वाली शपथ तथा नौवीं अनुसूची भू-सुधारों से संबंधित है।

47. **(c)** 92 वें संविधान संशोधन अधिनियम 2003 द्वारा संविधान की आठवीं अनुसूची में बोडो, संथाली, मैथिली तथा डोगरी चार भाषायें जोड़ी गईं। मूलत: आठवीं अनुसूची में 14 भाषायें थीं। वर्तमान में इनकी संख्या बढ़कर 22 हो गई है। 21वें संशोधन अधिनियम द्वारा सिंधी तथा 71वें संशोधन अधिनियम द्वारा कोंकणी, मणिपुरी तथा नेपाली भाषाओं को जोड़ा गया।

48. (b) यह प्रावधान 91वें संविधान संशोधन अधिनियम 2003 द्वारा जोड़ा गया।

49. (b) NSP, जो 15 अगस्त, 1995 से लागू हुआ, संविधान के अनुच्छेद 41 (काम करने का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और कुछ मामलों में सार्वजानिक सहायता का अधिकार) में निदेशक सिद्धान्तों को पूरा करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है।

50. (a) संविधान के 86वें संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा अनुच्छेद 51(A) जोड़ने के पश्चात् संविधान में उल्लिखित मूल कर्त्तव्यों की संख्या 11 हो गयी है। इन मूल कर्त्तव्यों में 'लोक चुनाव में मतदान करना' को शामिल नहीं किया गया है। भारत में लोक चुनाव में मतदान करना वस्तुत: स्वैच्छिक कर्त्तव्य है।

51. (b) ग्राम पंचायतों को संगठित करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में लघु एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना, गाँधीवादी सिद्धांत है, जो राज्य के नीति निदेशक तत्वों में शामिल किया गया है।

52. (b) राज्य सूची में नियम बनाने और अखिल भारतीय सेवाओं का सृजन करने हेतु प्रस्ताव पारित करने का विशेषाधिकार, भारतीय संविधान द्वारा राज्य सभा को प्रदान किए गए हैं।

53. (d) राज्य के नीति निदेशक तत्वों में अनुच्छेद 45 तथा ग्रामीण एवं शहरी स्थानीय, निकायों को क्रमश: अनुच्छेद 243 (छ) एवं 243 (ब) में शिक्षा के प्रावधान है। अप्रत्यक्ष रूप से पंचम, षष्ठ एवं सप्तम अनुसूची में भी शिक्षा के प्रावधान हैं।

54. (c) लोक लेखा समिति के प्रतिवेदन को छोड़कर अन्य सभी सिफारिशों/प्रतिवेदन को संसद के पटल पर रखवाने का अधिकार राष्ट्रपति के पास है।

55. (c) प्रश्न में दिए गए कथन 2 के अतिरिक्त अन्य सभी भारतीय नागरिकों के मूल कर्त्तव्य हैं।

56. (c) भारतीय संविधान में केन्द्र और राज्यों के बीच शक्ति का वितरण भारत सरकार अधिनियम, 1935 पर आधारित है।

57. (c) संविधान सभा के सदस्य प्रान्तीय विधान सभाओं द्वारा निर्वाचित हुए थे।

नोट्स संविधान सभा के सदस्य कुल संख्या में 389 थे जो पूरे भारत के विभिन्न क्षेत्रों से चुने गए थे।

58. (c) देश के शासन के लिए भारत के संविधान के अनुसार नीति और कानून बनाते समय राज्य के नीति के निदेशक तत्त्व को ही आधार बनाया जाता है। इस नीति का लक्ष्य है देश में आर्थिक और सामाजिक परिवेश इस भाँति हो, जिसमें हर नागरिक एक अच्छी जिन्दगी जी सके। राज्य के नीति निदेशक तत्त्व सरकार पर कड़ी नजर रखने का काम करता है और यह नागरिक के हाथों दिया हुआ एक मापदण्ड भी है, जो सरकार के कार्यों को नाप-तोल सके।

59. (d) भारत के संविधान में संशोधन एक बिल के रूप में संसद में लाया जाता है। इसके बाद दोनों सभाओं में इस बिल को अनुसमर्थन प्राप्त करना होता है। इसके अतिरिक्त कम-से-कम पचास प्रतिशत राज्यों की पुष्टि इन संशोधनों को मिलनी चाहिए। इन सभी स्तरों को पार करने के बाद राष्ट्रपति का अनुमोदन प्राप्त करना भी जरूरी है।

60. (d) राष्ट्रीय विकास परिषद् संसदीय निकाय नहीं है। योजना आयोग भी गैर-संसदीय निकाय है। यह निकाय सरकार द्वारा 1950 में बनाया गया था। क्षेत्रीय परिषदों का उल्लेख 1992 के संविधानीय संशोधन एक्ट में किया गया है।

61. (b) समवर्ती सूची में दिए गए 52 विषयों में से आर्थिक एवं सामाजिक न्याय की योजना उनमें से एक है। संविधान के अनुच्छेद 40 में यह कहा गया है कि पंचायतों को आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय की योजना बनाने का कार्यभार दिया जाएगा।

62. (b) भारतीय संविधान के उद्देशिका तथा राज्य के नीति निदेशक तत्वों में आर्थिक न्याय का उपबंध किया गया है। इसमें सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय की उपलब्धता प्रत्येक नागरिक को प्रदान कराने की संस्तुति की गई है जिससे वह एक अच्छा जीवन यापन कर सके। इनका उद्देश्य एक ऐसे कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना है जिसमें सामाजिक तथा आर्थिक लोकतंत्र का अस्तित्व हो।

63. (d) भारत संविधान की दसवीं अनुसूची में दल-बदल विरोधी विषयक उपबंध है। यह 1985 के संशोधन अधिनियम का 52 वाँ संशोधन है। इसे दल-बदल विरोधी कानून के रूप में भी जाना जाता है।

64. (b) संविधान के अनुच्छेद 51 में नीति निदेशक सिद्धांत का उल्लेख है जो अन्तर्राष्ट्रीय शांति तथा सुरक्षा को बढ़ावा देता है तथा दो या दो से अधिक राष्ट्रों के मध्य सम्मानित संबंधों में वृद्धि करता है। अन्तर्राष्ट्रीय कानून व संधि दायित्वों के प्रति सम्मान को बढ़ावा प्रदान करता है। यह मध्यस्थता द्वारा अंतराष्ट्रीय विवादों का निपटारा करने में सहयोगी है।

65. (a) संविधान की पांचवीं अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के अतिरिक्त भारत के सभी राज्यों के अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन और नियंत्रण संबंधी उपबंध है। छठवीं अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में उपबंध है।

66. (d) भारतीय संविधान की अधिकारिक व्याख्या (Interpretation) करने का अंतिम अधिकार भारत के उच्चतम न्यायालय को प्राप्त है। इससे स्पष्ट होता है कि उच्चतम न्यायालय भारत के संविधान का अभिरक्षक/संरक्षक है।

67. (d) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण रखें यह उपबंध मूल कर्त्तव्य में किया गया है। भारतीय संविधान के भाग 4(क) के अनुच्छेद 51(क) के अनुसार भारत के प्रत्येक नागरिक का मूल कर्त्तव्य होगा कि वह–

- संविधान का पालन करें तथा उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे।
- स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों का हृदय में संजोए रखे।
- भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करें औेर उसे अक्षुण्ण रखे।
- राष्ट्र की रक्षा करें और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे।
- भारत के सभी लोगों में समरसता और मातृत्व की भावना का विकास करें जो धर्म, भाषा और क्षेत्र या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो तथा ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्री समान के विरूद्ध हो।
- सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे।
- प्राकृतिक पर्यावरण को जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव है, रक्षा और उसका संवर्द्धन करें तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखें।
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञान तथा सुधार की भावना का विकास करें।
- सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करें तथा हिंसा से दूर रहे।
- व्यक्ति और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सत्त प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए उपलब्धि की नई उंचाइयों को छू ले।
- 6 से 14 वर्ष के आयु के बच्चे के माता पिता और प्रतिपाल्य के संरक्षक, उन्हें शिक्षा के अवसर प्रदान करें। (यह 2002 में 86वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया)

68. (b) भारत के संविधान में कल्याणकारी राज्य का आदर्श राज्य की नीति के निदेशक तत्व में प्रतिष्ठापित है। संविधान के अनुच्छेद 38 से 51 तक 17 निदेशक तत्व है। निदेशक तत्व की परिधि बहुत विस्तारित है।

69. **(c)** भारतीय संविधान में सम्मिलित नीति निदेशक तत्त्वों की प्रेरणा 1917 के आयरलैण्ड के संविधान से ली गई है। ये तत्त्वों देश के सामाजिक आर्थिक लोकतंत्र की व्याख्या करते हैं। अनुच्छेद 37 के तहत् इन तत्त्वों में अंतर्विष्ट उपबंध किसी न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं है।

70. **(b)** लोक सभा का सत्र अंत सदन के समक्ष लंबित बिल या किसी अन्य व्यवसाय को प्रभावित नहीं करता है।

71. **(d)** जब राज्य सभा कोई कानून पास करने के संकल्प से गुजरता है, तो राज्यसभा घोषित करता है कि राष्ट्र हित में संसद राज्य सूची के विषय में कानून बनाए, तब संसद उस बात पर कानून बनाने में सक्षम हो जाता है। इस स्थिति में दो तिहाई लोगों की उपस्थिति और मतदान आवश्यक है।

72. **(b)** भारतीय संविधान की उद्देशिका में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय; विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म, उपासना, अवसर की समता की बात की गयी है, किन्तु आर्थिक स्वतंत्रता का उसमें कहीं उल्लेख नहीं आया है।

73. **(a)** भारतीय संविधान की प्रस्तावना का उद्देशिका शासन व्यवस्था को निर्धारित करने वाले सिद्धान्तों और लक्ष्यों का मार्ग दर्शन करती है। संविधान का यह महत्त्वपूर्ण अंग उन उद्देश्यों तथा सिद्धान्तों को समाहित करता है, जिसकी संकल्पना संविधान निर्माताओं ने की थी। उद्देशिका उन मूलभूत मूल्यों और दर्शनों को परिलक्षित करती जो संविधान का आधार है।

74. **(c)** मानव देह व्यापार और बंधुआ मजदूरी तथा कारखानों और खदानों में बच्चों का नियोजन का निषेध शोषण के विरूद्ध अधिकार के अंतर्गत आता है। अस्पृश्यता का उन्मूलन समानता के अधिकार के अंतर्गत तथा अल्पसंख्यक के हितों का संरक्षण सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों के अन्तर्गत आता है।

75. **(c)** राज्य द्वारा नागरिकों को शोषण रोकना ही भारतीय संविधान के अनुसार अधिकार का दर्शन है। भारत में अधिकार न तो नागरिकों के विरूद्ध राज्य के दावे है। न ही भारतीय संविधान में अधिकांश लोगों के विरुद्ध कुछ कुछ नागरिकों के दावें को अध्शिपित किया गया है। संविधान द्वारा विशेषाधिकार को समाप्त कर दिया गया है।

76. **(d)** मूल कर्त्तव्य से संबद्ध दोनों वक्तव्य गलत हैं। मौलिक कर्त्तव्यों को विधायी प्रक्रिया द्वारा लागू नहीं किया जा सकता। इन्हें न्यायालयों द्वारा प्रवर्तित कराने का संविधान में कोई उपबंध नहीं हैं।

77. **(a)** अधिकार और कर्त्तव्य के बीच अन्योन्याश्रय संबंध है। अधिकार सभी नागरिकों के लिए समान हैं, कोई भी अधिकार गैर–सामाजिक कर्त्तव्यों की मान्यता नहीं देता। नागरिक के व्यक्तित्व के विकास के लिए अधिकार के साथ-साथ कर्त्तव्य का पालन भी अनिवार्य है। राज्य के स्थायित्व के लिए अधिकार एवं कर्त्तव्य दोनों आवश्यक हैं। बिना अधिकार के केवल कर्त्तव्य के राज्य में स्थिरता नहीं आ सकती।

78. **(b)** संविधन के 42 वे संशोधन द्वारा राज्य की नीति के निदेशक तत्वों में निम्न सिद्धान्त जोड़े गए–

उद्योगों के प्रबंधन में कर्मकारों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए (अनुच्छेद 43A)।

कानूनी व्यवस्था इस प्रकार काम करे कि न्याय समान अवसर के सिद्धान्त पर सुलभ हो और राज्य विशिष्टतया आर्थिक या किसी अन्य निर्योग्यता के मामलों में निःशुल्क कानूनी सहायता की व्यवस्था करे (अनुच्छेद 39A)।

- बच्चों को स्वतंत्र एवं गरिमामय वातावरण में स्वस्थ विकास के अवसर और सुविधाएँ प्रदान की जाएँ (अनुच्छेद 39F)।
- पर्यावरण का संरक्षण हो तथा उसमें सुधार लाया जाए तथा वनों एवं वन्य जीवों की रक्षा की जाए (अनुच्छेद 48A)।

नोट्स 42वें संशोधन को लघु संविधान के रूप में जाना जाता है, जो संविधान को संशोधित करने और संविधान के कुछ प्रावधानों को नया अर्थ प्रस्तुत करने और कई प्रावधानों को स्पष्ट करने के लिए है।

79. **(d)** राज्य की निति के निदेशक तत्व लोक कल्याणकारी राज्य के निर्माण और सामाजिक आर्थिक व राजनीतिक लोकतंत्र की स्थापना हेतु केन्द्र व राज्य सरकारों का मार्ग दर्शन करते हैं। इन्हें प्राप्त करके ही भारतीय लोकतंत्र वास्तविक अर्थों में वह लोकतंत्र बन सकता है, जिसकी कल्पना हमारे संविधान निर्माताओं ने की थी। इसका प्रयोग सरकार अपनी नीतियों के निर्धारण में करती है। ये विधायिका या कार्य पालिका के कृत्यों पर निर्बन्धन नहीं करते हैं।

80. **(a)** भारत की संसद किसी कानून विशेष को संविधान की नौंवी अनुसूची में डाल सकती है। 11 जनवरी, 2007 को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा यह फैसला दिया गया कि 24 अप्रैल, 1973 के बाद संविधान की नौंवी अनुसूची में शामिल किये गये किसी भी कानून की न्यायिक समीक्षा हो सकती है।

81. **(b)** भारत सरकार अधिनियम, 1935 ब्रिटिश संसद ने अगस्त, 1935 में पारित किया। इस अधिनियम ने केन्द्र और इकाइयों के बीच तीन सूचियों-संघीय सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची के आधार पर शक्तियों का बटवारा कर दिया। अवशिष्ट शक्तियां गवर्नर जनरल को दे दी गयीं।

82. **(b)** 'यदि विधि नहीं है तो स्वाधीनता भी नहीं है', यह कथन एक आंग्ल दार्शनिक एवं राजनैतिक विचारक जॉन लॉक द्वारा दिया गया था तथा इस कथन को थॉमस हाब्स के लेविआथन का नियम (Leviathan theory) द्वारा भी समर्थ किया जाता है।

83. **(c)** विधि शासन का प्रमुख सिद्धांत है– कानून के समक्ष सब लोगों की समता। भारत में इसे उसी अर्थ में ग्रहण करते हैं, जिसमें यह अंग्रेजी–अमरीकी विधान में ग्रहण किया गया है। भारतीय संविधान में घोषित किया गया है कि प्रत्येक नागरिक के लिए एक ही कानून होगा जो समान रूप से लागू होगा। जन्म, जाति इत्यादि कारणों से किसी को विशेषाधिकार प्राप्त नहीं होगा (अनुच्छेद 14)। किसी राज्य में यदि किसी वर्ग को विशेषाधिकार प्राप्त है तथा अन्यान्य लोग इससे वंचित हैं, तो वहां विधि का शासन नहीं कहा जा सकता।

84. **(c)** भारतीय संविधान के भाग-3 में अनुच्छेद 12 से लेकर 35 तक मौलिक अधिकारों का वर्णन किया गया है। 9 न्यायाधीशों की पीठ ने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा निजता मानवीय गरिमा का संवैधानिक मूल है। यह एक ऐसा अधिकार है जिसे जैसा है, वैसे ही रहने देना चाहिए। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि वह संविधान में कोई संशोधन नहीं कर रहा है और न ही विधायिका की शक्ति को हड़प रह है। अतः अनुच्छेद 21 एवं भाग-3 में निजता के अधिकार को जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के अन्तर्गत भाग के रूप में संरक्षित होने की गारंटी देता है।

85. **(b)** 99वां संविधान संशोधन अधिनियम, 2014 राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी-NJAC) की संरचना एवं कामकाज हेतु संविधान की विभिन्न धाराओं में संशोधन से संबंधित है। इस अधिनियम के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 124 (2), 127 (1), 128, 217 व (2) और 224 (क) में संशोधन किया गया। इस संशोधन को भारत के उच्चतम न्यायालय ने अभिखंडित कर दिया क्योंकि यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता का अतिक्रमण करता था।

86. **(c)** भारत में न्यायाधीशों के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया जजेज इन्क्वायरी एक्ट, 1968 के तहत शुरू की जाती है।

- सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को राष्ट्रपति के आदेश से हटाया जा सकता है। न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव संसद के दोनों सदनों (लोकसभा एवं राज्यसभा) में दो-तिहाई बहुमत के साथ पारित होना चाहिए।
- न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग के प्रस्ताव को लोकसभा के 100 और राज्यसभा के 50 सदस्यों का समर्थन होना चाहिए। इसके बाद इस प्रस्ताव को किसी एक सदन में पेश किया जाता है। लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा के

सभापित के पास महाभियोग के प्रस्ताव को स्वीकार करने अथवा खारिज करने का विशेषाधिकार होता है। महाभियोग प्रस्ताव मंजूर कर लिए जाने के बाद एक तीन सदस्यीय समिति का गठन होता है और यह समिति न्यायाधीश के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करती है।

- इस तीन सदस्यीय समिति में भारत के प्रधान न्यायाधीश अथवा सुप्रीम कोर्ट का एक जज, हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश और एक प्रख्यात विधि वेत्ता शामिल होते हैं। समिति यदि अपनी जांच में न्यायाधीश को दोषी पाती है तो सदन में महाभियोग लगाने की कार्यवाही शुरू होती है। सदन के दो तिहाई सदस्यों द्वारा महाभियोग का प्रस्ताव पारित हो जाने के बाद उसे दूसरे सदन में भेजा जाता है। दोनों सदनों से दो तिहाई बहुमत से पारित महाभियोग को राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है। इसके बाद राष्ट्रपति न्यायाधीश को हटाने का आदेश जारी करते हैं।

87. **(b)** भारतीय संविधान के पांचवी अनुसूची के अंतर्गत जनजातीय भूमिका, खनन के लिए निजी पक्षकारों को अंतरण अकृत और शून्य घोषित किया जा सकता है।

नोट्स संविधान में आदिवासी क्षेत्रों के कल्याण के लिए संविधान में अलग से प्रावधान है।

88. **(b)** भारतीय संविधान के अनुच्छेद 142 के अंतर्गत–

1. उच्चतम न्यायालय अपनी अधिकारिता का प्रयोग करते हुए ऐसी डिक्री पारित कर सकेगा या ऐसा आदेश कर सकेगा जो उसके समक्ष लंबित किसी वाद या विषय में पूर्ण न्याय करने के लिए हो और इस प्रकार पारित डिक्री या किया गया आदेश भारत के राज्य क्षेत्र में सर्वत्र ऐसी रीति से, जो संसद द्वारा बनाई गई किसी विधि द्वारा या उसके अधीन विहित की जाए और जब तक इस निमित्त इस प्रकार उपबंध नहीं किया जाता तब तक ऐसी रीति से जो राष्ट्रपति आदेश द्वारा विहित करे, प्रवर्तनीय होगा।

2. संसद द्वारा इस निमित्त बनाई गई किसी विधि के उपबंधों के अधीन रहते हुए, उच्चतम न्यायालय को भारत के सम्पूर्ण राज्यक्षेत्र के बारे में किसी व्यक्ति को हाजिर कराने के, किन्हीं दस्तावेजों के प्रकटीकरण या पेश कराने के अथवा अपने किसी अवमान का अन्वेषण करने या दंड देने के प्रयोजन के लिए कोई आदेश करने की समस्त और प्रत्येक शक्ति होगी।

89. **(d)** कोई केन्द्रीय विधि, जो किसी मौलिक अधिकार का हनन करता हो या संविधान के अनुकूल नहीं हो तो उच्च न्यायालय उसे अवैध घेषित कर सकता है। इसी तरह संविधान के किसी संशोधन पर उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रश्न उठाया जा सकता है। संसद द्वारा राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग के गठन का प्रावधान करने संबंधी कानून और 99वें संविधान संशोधन की संवैधानिकता को सर्वोच्च न्यायालय ने अक्टूबर 2015 में असंवैधानिक घोषित कर दिया।

90. **(b)** एक संसदीय प्रणाली या संसदीय लोकतंत्र एक राज्य (या अधीनस्थ इकाई) की लोकतांत्रिक शासन की एक प्रणाली है, जहां कार्यपालिका अपनी लोकतांत्रिक वैधता को विधायिका, आमतौर पर एक संसद के विश्वास से प्राप्त करती है, और उस संसद के प्रति जवाबदेह भी होती है। संसद के सभी राजनीतिक दल सरकार में शामिल नहीं होते। सरकार जनता द्वारा निर्वाचित होती है, किन्तु जनता सरकार को हटा नहीं सकती है। समयावधि पूरी होने से पूर्व भी अविश्वास प्रस्ताव में उत्तीर्ण नहीं होने पर संसद सरकार को हटा सकती है।

91. **(a)** राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों (DPSPs) का उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक उन्नति का विकास करना है जिसके तहत नागरिक एक अच्छा जीवन जी सकते हैं। वे एक कल्याणकारी राज्य के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र स्थापित करने का भी लक्ष्य रखते हैं। राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत भारत की केंद्र और राज्य सरकारों को दिए गए दिशा-निर्देश/ सिद्धांत हैं, जिन्हें कानूनों और नीतियों को बनाते समय ध्यान में रखा जाना चाहिए।

92. **(d)** भारतीय संविधान में बुनियादी संरचना को कहीं नहीं परिभाषित किया गया है। यह 1976 में केशवानंद भारती मामले में एक न्यायिक नवाचार है

- संविधान की कुछ निम्न विशेषताओं को "आधारभूत" कहा जाता है:
- संविधान की सर्वोच्चता
- कानून के नियम
- शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत
- भारत के संविधान की प्रस्तावना में निर्दिष्ट उद्देश्य
- न्यायिक समीक्षा
- अनुच्छेद 32 और 226
- संघीयवाद (अनुच्छेद 282 और 293 के तहत राज्यों की वित्तीय स्वतंत्रता सहित)
- धर्मनिरपेक्षता
- संप्रभु, डेमोक्रेटिक, रिपब्लिकन संरचना
- स्वतंत्रता और व्यक्ति की गरिमा
- राष्ट्र की एकता और अखंडता
- समानता का सिद्धांत, समानता की प्रत्येक विशेषता नहीं है, लेकिन समान न्याय की सर्वोत्कृष्टता;
- भाग III में अन्य मौलिक अधिकारों का "सार"
- सामाजिक और आर्थिक न्याय की अवधारणा – एक कल्याणकारी राज्य का निर्माण करने के लिए: भाग IV
- मौलिक अधिकारों और निदेशक सिद्धांतों के बीच संतुलन
- सरकार की संसदीय प्रणाली
- स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का सिद्धांत
- अनुच्छेद 368 द्वारा प्रदत्त संशोधन शक्ति पर सीमाएँ
- न्यायपालिका की स्वतंत्रता
- न्याय तक प्रभावी पहुंच
- अनुच्छेद 32, 136, 141, 142 के तहत सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियाँ
- एक अधिनियम के तहत गठित पंचाट न्यायाधिकरण द्वारा राज्य की न्यायिक शक्ति की कवायद में किए गए पुरस्कारों को रद्द करने की मांग करने वाला कानून।

93. **(a)** महात्मा गांधी और कार्ल मार्क्स के बीच एक बड़ी समानता है। दोनों का अंतिम उद्देश्य एक स्थिर और वर्गहीन समाज की स्थापना है, किन्तु इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए उनके साधन अलग हैं। महात्मा गांधी अहिंसक साधनों के माध्यम से इस अंत को प्राप्त करना चाहते थे, लेकिन मार्क्स इसे हिंसक साधनों के माध्यम से हासिल करना चाहते थे।

94. **(d)** केशवानंद भारती मामले में, पहली बार 13 न्यायाधीशों की एक पीठ ने एक दायर याचिका पर सुनवाई की। 1973 में केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि संविधान की प्रस्तावना या उद्देशिका को अब संविधान का हिस्सा माना जाएगा, लेकिन इसका कोई कानूनी प्रभाव नहीं होगा।

95. **(d)** संविधान के भाग 4 में नीति निदेशक तत्त्व का उल्लेख किया गया है। इस भाग में अंतर्विष्ट उपबंध किसी न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं होंगे, किंतु फिर भी इनमें अधिकथित तत्त्व देश के शासन में मूलभूत हैं और विधि बनाने में इन तत्त्वों को लागू करना राज्य का कर्तव्य होगा।

कथन 1 गलत है: इस भाग में निहित प्रावधान किसी भी अदालत द्वारा लागू नहीं किए जा सकते।

कथन 2 सही है: उन्हें किसी भी अदालत द्वारा लागू नहीं किया जाएगा।

कथन 3 सही है: निर्धारित सिद्धांत देश के शासन में फिर भी मौलिक हैं और कानून बनाने में इन सिद्धांतों को लागू करना राज्य का कर्तव्य होगा।

96. (d) यह संविधान के भाग III (मौलिक अधिकार) और भाग 4 (निदेशक सिद्धांत) में शामिल है। यह भारतीय संविधान की प्रस्तावना में भी परिलक्षित होता है।

97. (b) अनुच्छेद 39 (बी) कहता है– राज्य अपनी नीति को यह सुनिश्चित करने की दिशा में निर्देशित करेगा कि समुदाय के भौतिक संसाधनों का स्वामित्व और नियंत्रण इस तरह से वितरित किया जाए ताकि आम लोगों की सेवा हो सके।

अनुच्छेद 39 (सी) कहता है– राज्य अपनी नीति को यह सुनिश्चित करने की दिशा में निर्देशित करेगा कि आर्थिक प्रणाली के संचालन के परिणामस्वरूप धन और उत्पादन के साधनों का सामान्य नुकसान न हो।

तो सही उत्तर है 'b'– राज्य नीति का निर्देशक सिद्धांत।

98. (b) प्रस्तावना को 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संशोधित किया गया था, जिसने प्रस्तावना में तीन नए शब्द–समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता को जोड़ा। इसलिए, #c और #d उत्तर नहीं हो सकते। 26 जनवरी, 1950 को भारत की वास्तविक संवैधानिक स्थिति एक संप्रभु प्रजातांत्रिक गणतंत्र थी। अतः, सही उत्तर (b) है।

99. (a) राजनीति विज्ञान में, 'राज्य' शब्द का एक अधिक विशिष्ट और निश्चित अर्थ है– राज्य शब्द का अर्थ एक निश्चित क्षेत्र के भीतर एक स्वतंत्र सरकार के तहत राजनीतिक रूप से संगठित समुदाय या समाज है। इसे ही कानून बनाने का विशेषाधिकार है। कानून बनाने की शक्ति संप्रभुता से प्राप्त होती है, जो राज्य की सबसे अनोखी विशेषता है।

100. (a) नागरिकता अधिनियम, नागरिकता की अन्य श्रेणियां प्रदान करता है जैसे, पंजीकरण द्वारा नागरिकता (धारा 5) और देशीयकरण द्वारा नागरिकता (धारा 6)। ये मूल रूप से उन विदेशियों के लिए हैं जो भारत में बसना चाहते हैं और भारतीय नागरिकता चाहते हैं या विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के व्यक्ति जो भारत लौटना चाहते हैं और इस देश में नागरिक के रूप में रहना चाहते हैं। इसमें कहा गया है कि यदि पंजीकरण या देशीयकरण का प्रमाण पत्र 'धोखाधड़ी, झूठे प्रतिनिधित्व या किसी भौतिक तथ्य को छिपाने के माध्यम से प्राप्त किया गया हो; या उस नागरिक ने खुद को अधिनियम या प्रकटीकरण के द्वारा भारत के संविधान के प्रति निष्ठाहीन या अप्रभावित दिखाया हो जैसा कि कानून द्वारा स्थापित किया गया है; या उस नागरिक ने, किसी भी युद्ध के दौरान, जिसमें भारत शामिल हुआ हो, अवैध रूप से व्यापार किया है या दुश्मन के साथ सम्प्रेषण किया है; या वह नागरिक लगातार सात साल की अवधि के लिए भारत से बाहर रहता है', उस व्यक्ति की नागरिकता रद्द की जा सकती है।

101. (b) कथन 1 गलत है आरपीए की धारा 33 (7) के अनुसार, एक उम्मीदवार अधिकतम दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ सकता है (1996 तक अधिक निर्वाचन क्षेत्रों की अनुमति थी जब आरपीए में दो निर्वाचन क्षेत्रों की सीमा निर्धारित करने के लिए संशोधन किया गया था)।

कथन 3 गलत है: यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहा है, तो उसे प्रत्येक चुनाव के लिए चुनाव खर्च की एक अलग रिटर्न दाखिल करनी होगी, जिसमें उसने चुनाव लड़ा है। प्रत्येक मंडल के लिए चुनाव एक अलग चुनाव है (संदर्भ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77)। **यूपीएससी द्वारा इस प्रश्न को हटा दिया गया है।**

102. (b) 1961 में, भारत सरकार के लिए एक अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल, एच.एन. सान्याल की अध्यक्षता में एक समिति को भारत में अवमानना कानूनों के आवेदन की जांच के लिए नियुक्त किया गया था। इस समिति की अनुशंसा पर न्यायालय अवमानना अधिनियम, 1971 पारित किया गया। अतः 1 सही है।

कथन 3 गलत है, क्योंकि इन दो प्रकारों को 1971 के अधिनियम द्वारा परिभाषित किया गया था न कि संविधान द्वारा। अतः (a) या (b) हमारा जवाब हो सकता है। अंतिम उत्तर है–(b)।

स्रोत *https://www.legalserviceindia.com/article/l255-Contempt-of-Court-html*

103. (b) संविधान संशोधन प्रक्रिया अनुच्छेद 368 में निर्धारित है – संविधान में संशोधन केवल संसद के किसी भी सदन (लोकसभा और राज्य सभा) में इस उद्देश्य के लिए एक विधेयक पेश करके शुरू किया जा सकता है। विधेयक को एक मंत्री या एक निजी सदस्य द्वारा पेश किया जा सकता है और इसके लिए राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है । विधेयक को प्रत्येक सदन में विशेष बहुमत से पारित किया जाना चाहिए , यानी सदन की कुल सदस्यता का बहुमत (अर्थात 50 प्रतिशत से अधिक) और सदन के उपस्थित सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से। दोनों सदनों के बीच असहमति के मामले में, विधेयक पर विचार-विमर्श और पारित होने के उद्देश्य से दोनों सदनों की संयुक्त बैठक आयोजित करने का कोई प्रावधान नहीं है।

104. (b) 91 वें संशोधन अधिनियम के अनुसार, मंत्रिपरिषद में प्रधान मंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या लोक सभा के सदस्यों की कुल संख्या के पंद्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। इसलिए, (a) और (d) को खारिज किया जाता है। भारत का संविधान कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभारी राज्य मंत्री, राज्य मंत्री या उप मंत्री जैसे मंत्रियों के किसी भी रैंक को वर्गीकृत नहीं करता है। अतः केवल कथन 2 सही है। (वास्तव में, केवल तीन प्रकार के मंत्री होते हैं और 'उप मंत्री' नामक कोई पद नहीं होता है)। अतः 1 गलत है।

स्रोत *https://legislative.gov.in/sites/default/files/amend91.pdf*

105. (a) **विकल्प 1 सही है:** यद्यपि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC) को मूल रूप से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के तहत स्थापित करके वैधानिक निकाय के रूप में गठित किया गया था। हाल ही में NCBC को 102वें संवैधानिक निकाय द्वारा संवैधानिक दर्जा दिया गया था। संविधान संशोधन अधिनियम (सीएए) जिसने अनुच्छेद 338 बी को जोड़ा, पिछड़ा वर्ग के लिए एक राष्ट्रीय आयोग का गठन किया। इसलिए एनसीबीसी एक संवैधानिक निकाय है।

विकल्प 2 गलत है: भारत का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) 1993 में मानवाधिकार अधिनियम, 1993 के संरक्षण के तहत गठित एक वैधानिक निकाय है। इसलिए NHRC एक संवैधानिक निकाय नहीं है।

विकल्प 3 गलत है: राष्ट्रीय विधि आयोग न तो एक संवैधानिक निकाय है और न ही एक वैधानिक निकाय है, इसका गठन भारत सरकार, कानून और न्याय मंत्रालय, कानूनी मामलों के विभाग की एक अधिसूचना द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य कानून के क्षेत्र में अनुसंधान करना है और यह सरकार को सिफारिशें करता है तथा भारत में कानूनों की उत्कृष्ट विचारोत्तेजक और महत्वपूर्ण समीक्षा प्रदान करता है।

विकल्प 4 गलत है: भारत का राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है। उपभोक्ता विवादों का सस्ता, त्वरित निवारण प्रदान करने के लिए अधिनियम द्वारा स्थापित अर्ध-न्यायिक निकायों को प्रत्येक जिले में स्थापित किया गया है। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर क्रमशः जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग और राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग कहा जाता है।

106. (b) **कथन 1 सही है।** भारतीय संविधान के अनुच्छेद 355 में विशेष रूप से कहा गया है कि "यह संघ का कर्तव्य होगा कि वह हर राज्य को बाहरी आक्रमण और आंतरिक गड़बड़ी से बचाए और यह सुनिश्चित करे कि हर राज्य की सरकार इस संविधान के प्रावधानों के अनुसार चलती है।"

भारत के संविधान के अनुच्छेद 22 के अनुसार, कथन 2 सही है।

कथन 3 गलत है। आतंकवाद निरोधक अधिनियम (पोटा) 2002 की धारा 32 (1) में कहा गया है कि "संहिता 12 या भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 (1872 का 1) में कुछ भी होने के बावजूद, इस धारा के प्रावधानों के अधीन, एक स्वीकारोक्ति एक पुलिस अधिकारी के समक्ष एक व्यक्ति द्वारा जो पुलिस अधीक्षक से कम रैंक का नहीं होगा, ऐसे व्यक्ति के मुकदमे में स्वीकार्य होगा।"

107. (c) संविधान में एक राष्ट्र के मूल सिद्धांत और कानून शामिल हैं जो सरकार की शक्तियों और कर्तव्यों को निर्धारित करते हैं। एक संविधान कई उद्देश्यों को पूरा करता है। यह सरकार को कानून प्रस्तावित करने और अधिनियमित करने, सार्वजनिक सेवा आयोजित करने और विवादों को निपटाने के लिए एक वैध कानूनी और राजनीतिक आधार प्रदान करता है।

नोट्स 1यद्यपि संविधान आवश्यक कानूनों के निर्माण के उद्देश्यों (DPSP) को निर्धारित करता है और इसका उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक लोकतंत्र को बढ़ावा देना तथा सरकार की शक्ति को सीमित करना है। वास्तव में संवैधानिक सरकार परिभाषा के अनुसार सीमित सरकार है।

108. (d) **कथन 1 गलत है:** यदि राष्ट्रपति के रूप में किसी व्यक्ति का चुनाव सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शून्य घोषित किया जाता है, तो उसके द्वारा सर्वोच्च न्यायालय की ऐसी घोषणा की तारीख से पहले किए गए कार्य अमान्य नहीं होते हैं और वे प्रभावी बने रहते हैं।

कथन 2 गलत है: 1974 में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि राज्य विधान सभा का विघटन राष्ट्रपति के कार्यकाल की समाप्ति पर चुनाव कराने से रोकने का आधार नहीं होगा। न ही यह सुझाव देने का आधार हो सकता है कि राष्ट्रपति के पद के लिए चुनाव राज्य के चुनाव के बाद ही हो सकता है, जहां राज्य की विधान सभा भंग हो जाती है।

कथन 3 गलत है: भारत का संविधान किसी भी समय-सीमा को निर्धारित नहीं करता है, जिसके भीतर राष्ट्रपति को उनकी सहमति के लिए प्रस्तुत विधेयक के संबंध में निर्णय लेना होता है। इस प्रकार भारत के राष्ट्रपति बिलों को अनिश्चित काल के लिए लंबित रख सकते हैं।

109. (b) वित्त विधेयक केंद्रीय बजट का एक हिस्सा है, जिसमें वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तावित कराधान में बदलाव के लिए आवश्यक सभी कानूनी संशोधनों को निर्धारित किया गया है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 110 के अनुसार, वित्त विधेयक एक धन विधेयक है।

धन विधेयक न होने के कारण, राज्य सभा के पास वित्तीय विधेयक को अस्वीकार या संशोधित करने की वही शक्ति होती है जो गैर-वित्तीय विधेयकों के मामले में होती है, इस सीमा के अधीन कि कर में कमी या उन्मूलन के अलावा कोई अन्य संशोधन राष्ट्रपति की सिफारिश के बिना किसी भी सदन में नहीं रखा जा सकता है। इस प्रकार, कथन 1 सही है।

धन विधेयक राज्य सभा में पेश नहीं किया जा सकता है और न ही इसे राष्ट्रपति की सिफारिश के अलावा पेश किया जा सकता है। फिर, राज्य सभा के पास ऐसे विधेयक को संशोधित या अस्वीकार करने की कोई शक्ति नहीं है। यह केवल लोक सभा में संशोधन की सिफारिश कर सकता है। इस प्रकार, कथन 2 सही है।

संयुक्त बैठक से संबंधित प्रावधानों से केवल धन विधेयक को बाहर रखा गया है [अनुच्छेद 108(1)]। इस प्रकार, कथन 3 भी सही है।

चूंकि सभी तीन कथन सही हैं, इसलिए सही उत्तर (c) होना चाहिए. किंतु **UPSC ने इस प्रश्न का उत्तर (b) दिया है।**

110. (a) **कथन 1 गलत है।** संसद के ऊपरी और निचले सदनों के निर्वाचित सदस्य यानी राज्यसभा और लोकसभा के साथ-साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (विधायकों) की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों में भारत में राष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल शामिल है।

कथन 2 गलत है। प्रत्येक विधायक के वोट का मूल्य राज्य की जनसंख्या और विधानसभा में विधायकों की संख्या के अनुपात पर निर्भर करता है। राज्य की जनसंख्या को इसकी विधान सभा में विधायकों की संख्या से विभाजित करके और फिर 1000 से प्राप्त भागफल को विभाजित करके, प्रत्येक विधायक के वोट के मूल्य की गणना की जा सकती है। एक गणना के आधार पर जो प्रत्येक राज्य की विधानसभा में सदस्यों की संख्या के संबंध में जनसंख्या को ध्यान में रखती है, प्रत्येक विधायक का वोट मूल्य राज्य से राज्य में भिन्न होता है।

कथन 3 गलत है। मध्य प्रदेश के प्रत्येक विधायक का वोट मूल्य केरल के प्रत्येक विधायक के वोट मूल्य से कम है क्योंकि केरल में कुल निर्वाचित सीटों की कुल जनसंख्या का अनुपात मध्य प्रदेश की तुलना में अधिक है।

कथन 4 सही है। पुडुचेरी के प्रत्येक विधायक का वोट मूल्य अरुणाचल प्रदेश की तुलना में अधिक है क्योंकि पुडुचेरी में कुल निर्वाचित सीटों की कुल जनसंख्या का अनुपात अरुणाचल प्रदेश की तुलना में अधिक है।

नोट्स 2022 के राष्ट्रपति चुनाव में पुडुचेरी के प्रत्येक विधायक का वोट मूल्य 16 था जबकि अरुणाचल प्रदेश के प्रत्येक विधायक का वोट मूल्य 8 निकला।

111. (a) 1951 के संविधान (प्रथम संशोधन) अधिनियम ने भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों के खंडों में कई तरीकों से संशोधन किया। इसने भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने के तरीके दिए, जमींदारी को खत्म करने के उपायों का समर्थन किया, और यह स्पष्ट किया कि समानता का अधिकार उन कानूनों को पारित करने से नहीं रोकता है जो समाज के सबसे कमजोर समूहों को 'विशेष विचार' देते हैं। UPSC ने इस प्रश्न को हटा दिया है।

112. (c) **कथन 1 सही है:** भारत में, संविधान दिवस भारत में हर साल 26 नवंबर को भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है और यह भारत के नागरिकों के बीच संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए भी मनाया जाता है।

कथन 2 गलत है: 29 अगस्त 1947 को संविधान सभा ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की अध्यक्षता में भारत के लिए एक मसौदा संविधान तैयार करने के लिए एक मसौदा समिति का गठन किया। 26 नवंबर 1949 को, भारत की संविधान सभा ने भारत के संविधान को अपनाया और यह 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ।

113. (a)
- **कथन 1 सही है:** व्यक्ति अपने मामले में न्यायाधीश नहीं हो सकता।
- **कथन 2 गलत है:** यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध है। व्यक्ति को बचाव/बोलने का अधिकार है।
- **कथन 3 गलत है:** वह प्रथम दृष्टया मतदान कर सकता है। अत: विकल्प (a) सही है।

114. (b)
- **कथन 112 के अनुसार अनुच्छेद 1 गलत है:** राष्ट्रपति; प्रधानमंत्री नहीं।
- **कथन 2 सही है: अनुच्छेद 113(3):** राष्ट्रपति की सिफारिश के बिना अनुदान की कोई मांग नहीं की जाएगी। इसलिए, विकल्प (b) सही उत्तर है।

115. (d) डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा संविधान सभा के पहले अध्यक्ष थे। 11 दिसंबर, 1946 को राजेंद्र प्रसाद को स्थायी अध्यक्ष चुना गया। इसलिए, विकल्प (d) सही उत्तर है।

116. (d) भारतीय संविधान के भाग 20 के अंतर्गत अनुच्छेद 368 (1) के अनुसार – "इस संविधान में किसी बात के होते हुए भी, संसद अपनी संवैधानिक शक्ति का प्रयोग करते हुए इस अनुच्छेद में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार इस संविधान के किसी भी प्रावधान को जोड़ने, बदलने या निरस्त करने के माध्यम से संशोधन कर सकती है।" इसलिए, विकल्प (d) सही उत्तर है।